संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | नई दिल्ली, शुक्रवार 27 जून 2025 ₹ 2 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

DL(N) /145/2021-23 वर्ष: 19 अंक: 175 पृष्ठ: 12 RNI : DELHIN/2006/19302

actionindianews@gmail.com | राष्ट्रीय संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

हिमाचल में बादल फटने से तबाही, जनजीवन प्रभावित

टीम एक्शन इंडिया
शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून की पहली बड़ी बारिश ने भारी तबाही मचाई है। बीते 24 घंटे में कुल्लू और कांगड़ा जिलों में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। भारी वर्षा के कारण भूस्खलन, सड़कें बंद और बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटे के लिए और अधिक सतर्कता बरतने की चेतावनी दी है। कांगड़ा जिले के धर्मशाला क्षेत्र में मनुनी खड्ड में बुधवार शाम आई बाढ़ में कई मजदूर बह गए। अब तक दो के शव बरामद हो चुके हैं, जबकि छह लापता हैं। लापता मजदूरों में दो उत्तर प्रदेश से, तीन नूरपुर से और एक चंबा से हैं। इनकी खोज में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस की टीमें लगी हैं। राहत एवं बचाव कार्य तेजी से जारी हैं और जिला प्रशासन स्वयं मौके पर निगरानी कर रहा है। प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। निमार्णाधीन हाइड्रो प्रोजेक्ट में कार्यरत अन्य मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने रचा इतिहास

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गया है। अंतरिक्ष यान करीब 28.5 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून गुरुवार को भारतीय समय के अनुसार शाम करीब 4:05 बजे आईएसएस से जुड़ा। ड्रैगन कैप्सूल पहले से तय समय से 20 मिनट पहले डॉक हुआ है। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट ने बुधवार दोपहर 12:01 बजे एक्सिओम-4 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से आईएसएस के लिए सफल उड़ान भरी थी। स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल की सफल डॉकिंग पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, बधाई हो...एक्सिओम-4 डॉकिंग सफल रही। शुभांशु अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के द्वार पर खड़े हैं। भीतर कदम रखने के लिए तैयार, 14 दिनों की अंतरिक्ष यात्रा शुरू होने वाली है..और पूरा विश्व उत्साह और अपेक्षा के साथ देख रहा है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु

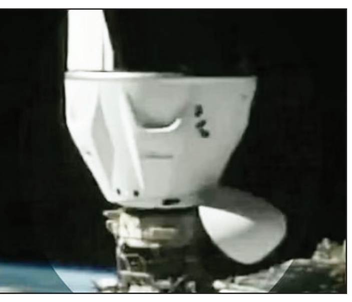

शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए सफल उड़ान भरने के साथ ही नया इतिहास रच दिया। तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ रवाना हुए शुभांशु की यह यात्रा 41 साल बाद किसी भारतीय की पहली अंतरिक्ष यात्रा है। आईएसएस की यात्रा करने वाले वह पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं। उनसे पहले 1984 में राकेश शर्मा रूसी अंतरिक्ष यान सोयूज के जरिये अंतरिक्ष में गए थे।

एग्जियोम-4

- शुभांशु शुक्ला तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ पहुंचे आईएसएस, स्पेस स्टेशन पर बिताएंगे 14 दिन

एग्जियोम मिशन में क्या होगी शुभांशु शुक्ल की भूमिका?
आईएसएस भेजे जा रहे हैं। यानी जिस ड्रैगन कैप्सूल के जरिए एग्जियोम-4 मिशन को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) रवाना किया जाएगा। शुभांशु उसको गाइड करने (नैविगेशन) में अहम भूमिका निभाएंगे। यहां स्पेसक्राफ्ट को आईएसएस पर डॉक कराने से लेकर अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित पहुंचाने तक की जिम्मेदारी शुभांशु के ही कंधों पर होगी।

एससीओ: भारत ने पाक के आतंकवाद को बेनकाब किया

- सीमा पार के आतंकवाद केंद्र अब सुरक्षित नहीं: सिंह, हम उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेंगे: सिंह

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के किंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट होने का आह्वान किया है। उन्होंने एससीओ देशों के सामने पहलगाम आतंकी हमले और उसके जवाब में शुरू किये गए ऑपरेशन 'सिंदूर' की जानकारी देकर पाकिस्तान के आतंकवाद को बेनकाब किया। उन्होंने भारत की नीति स्पष्ट करते हुए कहा कि क्षेत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौतियां शांति, सुरक्षा और विश्वास की कमी से संबंधित हैं तथा बढ़ती कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद इन समस्याओं का मूल कारण हैं। चीन की मेजबानी में इस बार एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक किंगदाओ में हो रही है। उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए राजनाथ सिंह गए हैं। सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों, एससीओ महासचिव, एससीओ के क्षेत्रीय आतंकवाद निरोधक ढांचे (आरएटीएस) के निदेशक और अन्य प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि कुछ देश सीमा पार आतंकवाद को अपनी नीति के रूप में इस्तेमाल करके आतंकवादियों को पनाह देते हैं। ऐसे दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए और एससीओ को ऐसे देशों की आलोचना करने में संकोच नहीं करना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले के जवाब में आतंकवाद से बचाव और सीमा पार से होने वाले हमलों को रोकने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए ऑपरेशन 'सिंदूर' शुरू किया।
उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के दौरान पीड़ितों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर गोली मार दी गई थी।

- दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए

आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करना हमारा अधिकार: सिंह

राजनाथ ने कहा कि कहा कि आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करना हमारा अधिकार है। हमने दिखाया है कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं और हम उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेंगे। राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के हर कृत्य को आपराधिक और अनुचित करार दिया।

भारत चीन में तनाव के बावजूद बातचीत का रास्ता खुला

गलवान घाटी के जून, 2020 में संघर्ष के बाद रक्षा मंत्री की यह पहली चीन यात्रा थी। राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों पक्षों ने भविष्य में सीमा पर तनाव से बचने के लिए भारत-चीन हॉटलाइन को फिर से शुरू करने की संभावना सहित सैन्य संचार तंत्र पर चर्चा की। हालांकि, कोई बड़ी बातचीत नहीं हुई।

आतंकवाद के मुद्दे पर एससीओ डॉक्यूमेंट पर हस्ताक्षर करने से भारत का इनकार

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली। चीन के किंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने गए राजनाथ सिंह ने एससीओ संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं। इसके पीछे उनका तर्क है कि आतंकवाद के मुद्दे पर चीन और पाकिस्तान ने हमेशा सख्त रुख अपनाने के बजाय नरम रवैया अपनाया है। यह मतभेद इसलिए भी था, क्योंकि मसौदे में आतंकवाद को ठीक तरीके से परिभारित नहीं किया गया था। रक्षा मंत्रियों की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के लिए पाकिस्तान समर्थित समूहों को दोषी ठहराया, जिसमें 26 नागरिक मारे गए।

पंजाब कैबिनेट ने दी औद्योगिक प्लॉट हस्तांतरण नीति को मंजूरी

टीम एक्शन इंडिया
चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने औद्योगिक प्लॉटों को अस्पतालों, होटलों, औद्योगिक पार्कों और अन्य स्वीकृत मदों के लिए उपयोग की अनुमति देने वाली पंजाब की हस्तांतरण नीति में महत्वपूर्ण संशोधनों को मंजूरी दे दी। इस संबंध में फैसला गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि पहले हस्तांतरण नीति 2008, 2016 और 2021 में लाई गई थी। औद्योगिक संगठनों ने 2021 में लाई गई नीति की कुछ प्रतिबंधात्मक शर्तों पर आपत्ति जताई थी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मीडिया से मुखातिब होते हुए।

किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं: अमित शाह

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह में कहा कि भारतीय भाषाएं भारत को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम बनेंगी। शाह ने कहा कि आने वाले समय में केंद्र और राज्यों के प्रशासन में भारतीय भाषाओं का उपयोग और भी बढ़ेगा। वह इसके लिए राज्यों से संपर्क करेंगे और उन्हें समझाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर शाह ने राजभाषा हिन्दी और सभी भारतीय भाषाओं के प्रेमियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, हमें किसी भी भाषा या विदेशी भाषा से विरोध नहीं है, लेकिन आग्रह अपनी भाषा के सम्मान और उपयोग का होना चाहिए। जब तक हम अपनी भाषा में सोचेंगे और गर्व से बोलेंगे नहीं, तब तक गुलामी की मानसिकता से मुक्ति संभव नहीं है।

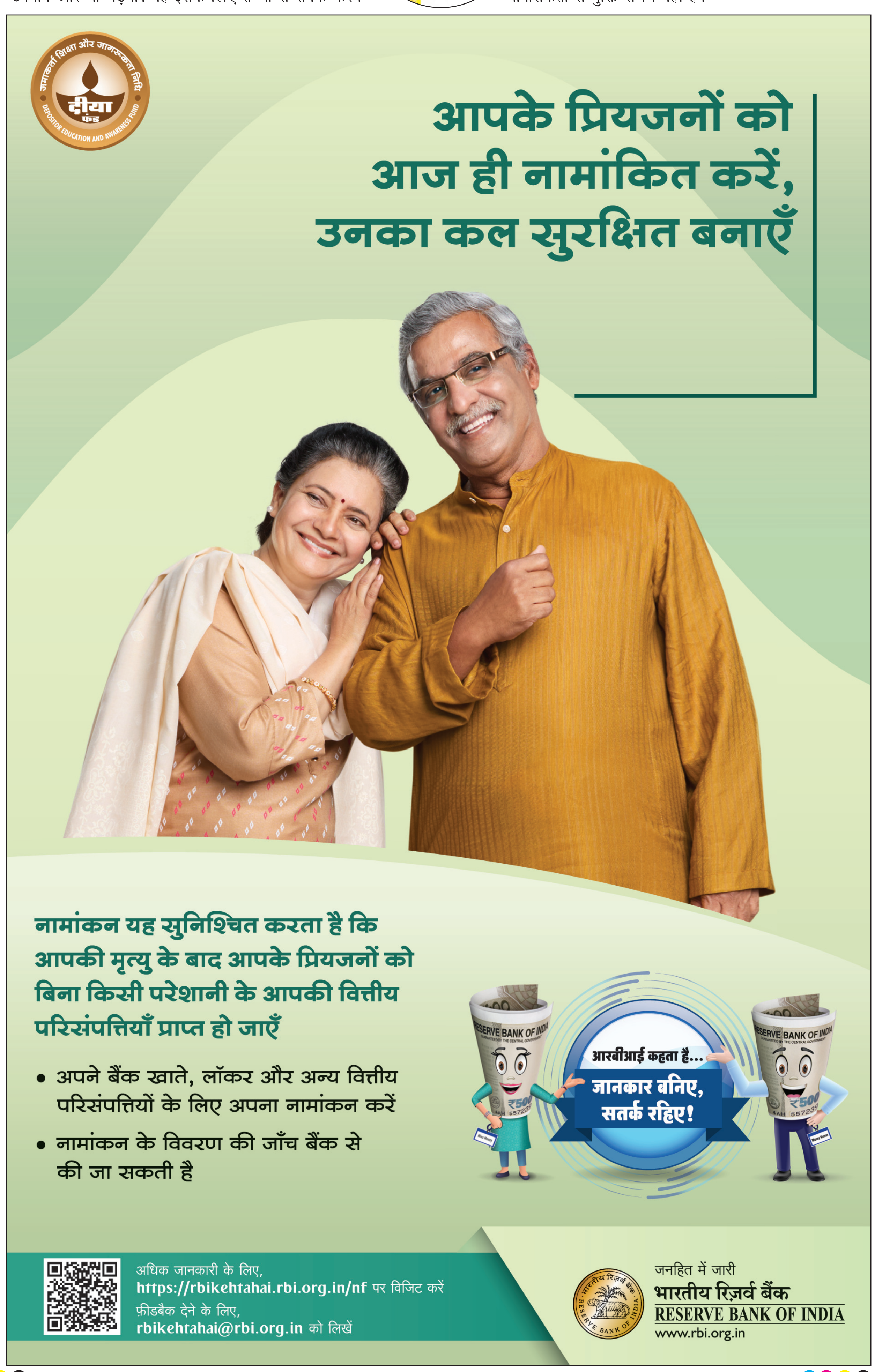

चुनाव आयोग वोटर्स लिस्ट की डिजिटल कॉपी दें: कांग्रेस

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर अपनी दो मांगों को फिर दोहराया है। इसमें डिजिटल मतदाता सूची और चुनाव की वीडियो फुटेज शामिल है। साथ ही कहा है कि दोनों मांगों के पूरा होने के बाद पार्टी आयोग से मिलने को भी राजी है और इसमें पार्टी अपना विश्लेषण भी आयोग के समक्ष रखेगी। कांग्रेस की ओर से बनाए गए विशेष समूह (ईगल- नेताओं और विशेषज्ञों का सशक्त कार्य समूह) ने आयोग को पत्र लिख कर कहा है कि उसे महाराष्ट्र के लोकसभा और विधानसभा

चुनावों की अंतिम मतदाता सूची की मशीन रिडेबल डिजिटल कॉपी और महाराष्ट्र तथा हरियाणा के मतदान दिवस की वीडियो फुटेज चाहिए। पत्र में कहा गया है कि पार्टी की यह लम्बे समय से चली आ रही मांग है और चुनाव आयोग इसे आसानी से पूरा कर सकता है। पार्टी का कहना है कि इसे प्राप्त करने के बाद पार्टी नेतृत्व चुनाव आयोग से मिलने को तैयार है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग लगातार कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर मिलने के लिए आमंत्रित कर रहा है।

इस संबंध में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पत्र भी लिखा गया है। वहीं, कांग्रेस की मांगों पर आयोग का कहना है कि नियमों के तहत मतदाता सूची अपडेट होती है और इसे सभी राजनीतिक दलों को आपत्तियां देने के लिए समय से उपलब्ध भी कराई जाती हैं।

हिंदी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता: पवार

टीम एक्शन इंडिया
मुंबई: एनसीपी (शरद पवार गुट) के अध्यक्ष शरद पवार ने गुरुवार को स्पष्ट रूप से कहा कि महाराष्ट्र में पहली कक्षा से हिंदी भाषा को अनिवार्य बनाना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर किसी नई भाषा को शिक्षा में शामिल करना है तो वह कक्षा 5 के बाद ही होनी चाहिए। शरद पवार ने कहा, 'प्राथमिक शिक्षा में हिंदी को अनिवार्य बनाना सही नहीं है। कक्षा 5 के बाद हिंदी पढ़ाई जाए, इसमें कोई आपत्ति नहीं है। देश का एक बड़ा हिस्सा हिंदी बोलता है, इसलिए इसे पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

नशा मुक्त राज्य — *मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करेगी प्रदेश सरकार*

देवभूमि में नशे के लिए कोई भी स्थान नहीं: सीएम

टीम एक्शन इंडिया
शिमला: मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार मादक पदार्थों के दुरुपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूली पाठ्यक्रम में एक अध्याय शामिल करने जा रही है। मुख्यमंत्री ने मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विरुद्ध आज यहां अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता करते हुए समाज के हर वर्ग से हिमाचल प्रदेश को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ अभियान का हिस्सा

बनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमारे युवा देश का भविष्य हैं और एक समृद्ध भारत का सपना तभी साकार हो सकता है, जब युवा स्वस्थ, सशक्त एवं ऊर्जावान हों। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने मादक पदार्थों के दुरुपयोग और तस्करी के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है और नशा तस्करी में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि में नशे के लिए कोई भी स्थान नहीं है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे खुद को नशे से दूर रखें और अपने साथियों को भी इस विनाशकारी रास्ते पर जाने से रोकें।

जीरो टॉलरेंस

- स्कूली पाठयक्रम में शामिल होगा नशे के प्रति जागरूकता पर आधारित अध्याय: सीएम

एचएसजीपीसी के अध्यक्ष जगदीश झींडा ने विज से उनका कुशलक्षेम जाना

टीम एक्शन इंडिया
मनीष कुमार

अम्बाला: हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज से उनके आवास पर हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष जगदीश सिंह झींडा ने मुलाकात करते हुए उनका हालचाल जाना और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने उनके आवास पर पहुंचे अध्यक्ष जगदीश सिंह झींडा को शॉल भेंट कर सम्मानित किया,

वहीं अध्यक्ष झींडा ने मंत्री अनिल विज को स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान दोनों के बीच सामाजिक मुद्दों पर चर्चा भी हुई। हरियाणा सिंह गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी अध्यक्ष जगदीश सिंह झींडा ने मंत्री अनिल विज के पांव में फ्रैक्चर की जानकारी ली और कामना की कि वह जल्द स्वस्थ होकर जनकल्याण कार्यों में लगे। उन्होंने मंत्री अनिल विज की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह जनसेवा में निरंतर जुटे रहते हैं। इस अवसर पर मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन गुलाब सिंह मुनख, हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व प्रवक्ता कंवलजीत सिंह अजराना, सरपंच भूपेंद्र सिंह लाडी एवं अन्य मौजूद रहे।

बस स्टैंड परिसर में स्थित ईमारत की हालत जर्जर

टीम एक्शन इंडिया

सोनीपत: शहर के बीचों-बीच स्थित बस स्टैंड परिसर में बनी ईमारत की हालत जर्जर हालत में पहुंच चुकी है। ईमारत के अंदर स्थित अलग-अलग विभागों में कार्य करने वाले रोडवेज कर्मचारियों को जान जोखिम में डालकर काम करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। बृहस्पतिवार को परिसर में स्थित स्थापना शाखा की छत का प्लास्टर कार्यालय में काम कर रहे कर्मचारियों के ऊपर गिर गया। कर्मचारियों को घायल अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी मिल गई। बस स्टैंड को शहर से शिफ्ट करने की फाइल सालों से अधर में लटकी पड़ी है। नए बस स्टैंड का निर्माण गांव जाट जोशी में होना है। बता दें कि बस स्टैंड परिसर में प्रथम तल पर स्थित स्थापना शाखा में कर्मचारी हर रोज की तरह बृहस्पतिवार को कार्य करने के लिए पहुंचे। काम करते समय कर्मचारियों के सिर पर छत के लेंटर का मलबा गिर गया। मलबा गिरने से दो कर्मचारी घायल हो गए। जिसके बाद घटना परिसर में आग की तरह फैल गई। शाखा में कार्य कर रहे डिस्पैच महिला शेंकी, चपरासी सपना और डाक कर्मचारी राहुल मौजूद थे। छत से गिरे प्लास्टर की चपेट में सपना और राहुल आ गए। सपना को कमर और पीठ में चोट आई है जबकि राहुल को हाथ और अन्य अंगों में अंदरूनी चोट लगी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रामजीवन पुत्र कन्हिया लाल पताः मकान नं.08, ऋषभ विहार, कडकडडूमा, दिल्ली ने एफआईआर संख्या 65/2020 धारा 380/511/34 भा.द.स. के तहत** थानाः विवेक विहार, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **रामजीवन** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **रामजीवन** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 65/2020 धारा 380/511/34 भा.द.स. के तहत थाना विवेक विहार, दिल्ली के उक्त रामजीवन** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
स्वाति शर्मा
मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
कमरा नं.59, तृतीय तल,
DP/8010/SHD/2025 **शाहदरा जिला, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली**

वांछित व्यक्ति

धारा 305 BNS देखिए

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दो संदिग्ध व्यक्ति जिसका **(1) नामः अज्ञात पुत्रः** अज्ञात, **निवासीः** अज्ञात, **उम्रः** 35–40 वर्ष, **लिंगः** पुरूष, **कदः** 5'6'', **रंगः** गेहुंआ, **शरीरः** दुबला, **चेहराः** लम्बा, **बालः** काले, **पहनावाः** सफेद कमीज़ व स्लेटी रंग की पेंट (वर्दी), **(2) नामः अज्ञात पुत्रः** अज्ञात, **निवासीः** अज्ञात, **उम्रः** 35–40 वर्ष, **लिंगः** पुरूष, **कदः** 5'5'', **रंगः** गेहुंआ, **शरीरः** दुबला, **चेहराः** लम्बा, **बालः** काले, **पहनावाः** छींटदार कमीज़ व स्लेटी रंग की पेंट, इस संदर्भ में **E-FIR No. 80052335/25, Dt. 30.05.2025, U/s 305 BNS, पुलिस स्टेशन महेन्द्रा पार्क, उत्तर–पश्चिम जिला, नई दिल्ली।**

अगर किसी को भी इन दोनों संदिग्ध व्यक्तियों के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया निम्नलिखित पर सूचित करें। **हेड कांस्टेबल अमित,** फोनः **9212946662.**

थाना प्रभारी,
पुलिस स्टेशन महेन्द्रा पार्क,
उत्तर–पश्चिम जिला, नई दिल्ली
फोनः 7428139095, 8750870227

वेबसाइटः https://cbi.nic.in
DP/8178/NW/2025

पानीपत रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में निर्मित किए गए तीन नए विश्राम कक्ष

पानीपत , (कमाल हुसैन)

पानीपत रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स ने संविदा श्रमिकों के स्वास्थ्य, आराम और सुविधा को प्राथमिकता देने के अपने सतत प्रयास के तहत पानीपत रिफाइनरी के बैटरी क्षेत्र में तीन विश्राम कक्षों का निर्माण किया है। इसी कड़ी में, 26 जून 2025 को एक विश्राम कक्ष का उद्घाटन श्री एम.एल. डहरिया, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख, पीआरपीसी द्वारा श्रम विभाग, पानीपत के औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक श्री अनुराग गहलावत की गरिमामयी उपस्थिती में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधकों तथा इंडियनऑयल

ऑफिसर्स एसोसिएशन (आईओओए) और इंडियन पेट्रोकेमिकल्स एंड रिफाइनरी इंप्लॉइज यूनियन (आईपीआरईयू) के प्रतिनिधियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

लगभग 460 वर्गमीटर क्षेत्र में बने इस भवन में पुरुष एवं महिला श्रमिकों के लिए अलग-अलग स्वच्छ शौचालय तथा आठ बड़े एयर कूलर लगाए गए हैं ताकि श्रमिक अपने अवकाश अथवा भोजनावकाश के दौरान उचित विश्राम कर सकें।

ठंडे पानी की सुविधा के लिए वाटर कूलर भी उपलब्ध कराया गया है। इस भवन में एक साथ लगभग 200 श्रमिक भोजनावकाश के दौरान आराम कर सकते हैं"।

मादक पदार्थ सेवन एवं तस्करी निषेध दिवस पर निकाली रैली

सोनीपत : नागरिक अस्पताल में बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ सेवन एवं तस्करी निषेध दिवस मनाया गया। इस दौरान अस्पताल परिसर से विवेकानंद चौक तक स्वास्थ्य कर्मियों की तरफ से जागरूकता रैली निकाली गई। उप सिविल सर्जन डा. योगेश गोयल व डा. तरुण यादव ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। आईसीटीसी काउंसलर सरोज बाला ने बताया कि नशा करने से मनुष्य को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक व सामाजिक रूप से कमजोर बनाता है। इससे मनुष्य का ही नहीं, उसके परिवार का सामाजिक पतन होता है।

उत्तर रेलवे

प्रोफार्मा 10-1

भारतीय रेलवे (गति शक्ति इकाई)
उत्तरी रेलवे, दिल्ली मंडल

"सार्वजनिक सूचना"

रेलवे लाइनों और परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उत्तर रेलवे के निम्नलिखित खंड पर 25 के.वी., 50 हर्ज, ए.सी. शिरोपरी कर्षण तारों को खंड के सामने निर्दिष्ट तिथि पर या उसके बाद विद्युतीकृत किया जाएगा। उस तारीख और उसी तारीख को शिरोपरी कर्षण तारों को हर समय विद्युतीकृत माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उक्त शिरीपरी कर्षण तारों के पास न तो पहुंचेगा और न ही काम करेगा।

खंड	TKM (दिनांक)
"दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन की 25 केवी एकल कला प्रत्यावर्ती धारा नव विद्युतीकृत स्टेबलिंग लाइन का स्थान क्रमांक डीईई 1028ए (श्रृंखला–माप 4/359.00) से स्थान क्रमांक एसटीवी/10 (श्रृंखला–माप 4.990.50) तक विद्युतीकरण, जिसमें संबंधित टर्न आउट और क्रॉस–ओवर, दिल्ली मंडल, उत्तर रेलवे की मौजूदा लाइनों में संशोधन शामिल है।"	0.631 (26.06.2025)
"दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन की 25 केवी एकल कला प्रत्यावर्ती धारा नव विद्युतीकृत लाइन संख्या 3 का स्थान क्रमांक किमी 3/47B (श्रृंखला–मापः 3/782.00) से स्थान क्रमांक 4/30 एएन (श्रृंखला–मापः 4/712.50) तक विद्युतीकरण, जिसमें संबंधित टर्न आउट और क्रॉस–ओवर, दिल्ली मंडल, उत्तर रेलवे की मौजूदा लाइनों में संशोधन शामिल है।"	1.076 (26.06.2025)

No.: DyCPM/Elect/GSU/NDLS/01 **1919/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **उदय सिंह मेहरा उर्फ आई** पुत्र **स्व. हयात सिंह मेहरा** निवासी **खसरा नं. 290, इन्द्रप्रस्था पेट्रोल पम्प, बुराड़ी, दिल्ली** ने case **FIR No. 682/2022 U/s 420/468/471 IPC, थाना नन्द नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त **उदय सिंह मेहरा उर्फ आई** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **उदय सिंह मेहरा उर्फ आई** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 682/2022 U/s 420/468/471 IPC, थाना नन्द नगरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **उदय सिंह मेहरा उर्फ आई** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 29..07.2025** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीपाक्षी राणा
एलडी. न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
कमरा नं. 19, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/8415/NE/2025(Court Matter)

रेबीज इंजेक्शन खत्म होने के चलते मरीजों की बढ़ी परेशानी

टीम एक्शन इंडिया

सोनीपत- नागरिक अस्पताल में एंटी रैबीज इंजेक्शन की कमी से मरीजों को भारी परेशानी हो रही है। अस्पताल में एंटी रैबीज इंजेक्शन खत्म हो चुके हैं, जिससे मरीजों को इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है। प्रबंधन की तरफ से गत कई दिनों से आपातकालीन कक्ष या अन्य सीएचसी व पीएचसी पर रखे स्टॉट को मंगवाकर काम चलाने की खानापूर्ति की जा रही है। अस्पताल में आने वाले मरीजों को दुखी होकर नरेला राजा हरिश्चंद्र अस्पताल व महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चक्कर काटने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

बता दें कि नागरिक सोनीपत में चूहा, बिल्ली, कुत्ते, बंदर व अन्य जानवर के काटने जाने पर नागरिक अस्पताल में 100 रुपये प्रति डोज का खर्च लिया जाता है। अस्पताल में दिन भर में जानवरों के काटने जाने पर आसपास के गांवों के रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में चार दिनों से रेबीज का इंजेक्शन खत्म है। मरीजों को एंटी रैबीज इंजेक्शन नहीं मिलने से अन्य अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। अस्पताल प्रशासन ने दो दिन में इंजेक्शन की आपूर्ति का दावा किया था, लेकिन चार दिन बाद भी स्थिति जस की तस है।

अस्पताल में रोजाना 70 से 80 मरीज एंटी रैबीज इंजेक्शन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन स्टॉक खत्म होने के कारण उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। बृहस्पतिवार को अस्पताल में इंजेक्शन लगवाने पहुंची रोशनी व राजपति ने बताया कि चिकित्सक के बताए अनुसार व घर से आज इंजेक्शन लगवाने के लिए अस्पताल में पहुंचे, लेकिन उन्हें जानकारी मिली कि इंजेक्शन खत्म है। ऐसे में उन्हें बाहर से निजी मेडिकल स्टोर से महंगे दामों में इंजेक्शन खरीदने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

करोड़ों की नगरपालिका की जमीन हड़पने का लिए करवाये फर्जी कागजात तैयार

खरखौदा/सोनीपत/सोमपाल सैनी

खरखौदा नगरपालिका सचिव पंकज जून की शिकायत पर पुलिस ने प्रदीप नामक व्यक्ति के खिलाफ फर्जीवाड़े का केस दर्ज किया है।

शिकायत में आरोप है कि प्रदीप ने नपा की जमीन से अवैध कब्जा करने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए हैं। सचिव के अनुसार, जिस प्रॉपर्टी आईडी का हवाला दिया गया है, वह विवादित जगह की न होकर किसी अन्य स्थान की है और दोनों ही जगहों से आरोपी का कोई संबंध नहीं है। इसके अलावा, आरोपी द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया नोटिस नपा द्वारा कभी जारी ही नहीं किया गया, उस पर किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के हस्ताक्षर भी नहीं हैं। शिकायत में कहा गया है कि यह नोटिस आरोपी द्वारा खुद तैयार किया गया है। नपा का कहना है कि उक्त जमीन वर्ष 1983 से नगरपालिका की मलकियत है और आरोपी स्वयं 2016 में इस भूमि की नीलामी में भाग ले चुका है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 व 83 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अंकुर पुत्र पप्पू लाल निवासी म.नं. एफ–306, 6 गंगा विहार, ज्योति नगर, उत्तर पूर्वी दिल्ली** ने case **FIR No. 285/2020 U/s 188 IPC, थाना ज्योति नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त **अंकुर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अंकुर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 285/2020 U/s 188 IPC, थाना ज्योति नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अंकुर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 28.07.2025** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री राहुल सैनी
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–08
कमरा नं. जी–06, न्यू कोर्ट बिल्डिंग, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP//8319/N/2025(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr.P.C. / 84 BNSS** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **यश गौर उर्फ बादल पुत्रः** राजेन्दर गौर, **पताः** मकान नं. डब्ल्यूजैड–24, गोल्डन पार्क, नियर रामपुरा, दिल्ली, **FIR No. 665/2014, U/s 380/411 IPC,** थानाः अमन विहार, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **यश गौर उर्फ बादल** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **यश गौर उर्फ बादल** फरार हो गया हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 665/2014, U/s 380/411 IPC,** थानाः अमन विहार, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **यश गौर उर्फ बादल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री निधि चिटकारा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
कोर्ट नं. 109, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली
DP/8215/RD/2025
(Court Matter)

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल अभियंता/समन्वय, मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए e–निविदाएं आमन्त्रित की जाती हैः–

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि	निविदा खुलने की तिथि
1.	तुगलकाबाद सब डीपो नम्बर 3 में रेलवे वैगनों में 30,000 घन मीटर, 65 मिमी गेज पत्थर गिट्टी (मशीन से कुचला हुआ) की आपूर्ति, स्टैकिंग और लोडिंग। (सभी लीड और लिफ्ट, जीएसटी, कर आदि सहित, इसलिए जो भी मामला हो, कुछ भी अतिरिक्त भुगतान नहीं किया जाएगा)।	रु. 3,85,34,100/-	रु. 3,42,700/-	12 माह	17.07.2025

सूचनाः निविदा रेलवे की वेबसाइट **'www.ireps.gov.in'** पर उपलब्ध है तथा इसी वेबसाइट पर **17.07.2025, 15:00 बजे तक** ही भरी जायेगी।

पत्र सं.: 128–डब्ल्यु/वं.मं.अधि./सं/निविदा–06–25–26–डब्ल्यु सी दिनांकः 25.06.2025 **1916/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक्शन इंडिया

(राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक)

समाचार पत्र में वर्गीकृत, अदालती सूचना, पासपोर्ट में नाम परिवर्तन, खोया- पाया, नाम परिवर्तन, नाम सुधार, बेदखली सूचना, मजहब परिवर्तन, बैंक नोटिस सहित सभी प्रकार की सूचना एवं विज्ञापन प्रकाशित कराने के लिए सम्पर्क करें :-

एक्शन इंडिया मीडिया हाउस

शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042
संपर्क सूत्र: 8447314925, 9999889104

विज्ञापनों के लिये भारत सरकार सहित दिल्ली सरकार, हरियाणा सरकार, उत्तराखंड सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार, हिमाचल प्रदेश सरकार, राजस्थान सरकार सहित सभी सरकारी विभागों द्वारा मान्यता प्राप्त।

क्लासीफाइड

टूर एण्ड ट्रैवल्स

कैनेडा-ऑस्ट्रेलिया फ्री वीजा, रहना, खाना, 2 साल का वर्क परमिट। कमाएं 3 लाख महीना। कोई पैसा ना वीजा से पहले ना बाद में। चाहिए हेल्पर, कारपेंटर, मेसन, वैल्डर, प्लम्बर, ड्राइवर, ऑपरेटर, स्टोरकीपर, वेटर, सुपरवाईजर, मैनेजर, कुक इत्यादि। सरकारी रजिस्टर्ड कंपनी से ही अप्लाई करें।
फोन : 73476708

वर्क वीजा कैनेडा, ऑस्ट्रेलिया, कंस्ट्रक्शन/स्टोर/आईटी कंपनियों में जरूरत :
स्टोर कीपर, कम्प्यूटर आपरेटर, फूड पैकर, ड्राईवर, इलेक्ट्रीशियन, प्लम्बर, सिक्योरिटी, गार्ड, वेटर, कुक, नो एडवांस, रहना, खाना, टिकट, बीमा फ्री। एजेंट्स वैलकम। **रूद्राश** 9815119633, 9855577523

कैनेडा-ऑस्ट्रेलिया 3 साल का वीजा, फ्री रहना, खाना और टिकट कम्पनी देगी। सैलरी 2 से 3 लाख महीना। हैल्पर, कारपेन्टर, मैसन, प्लम्बर, ड्राईवर, कुक, वेटर, आपरेटर, सुपरवाईजर इत्यादि चाहिये। रजिस्टर्ड कम्पनी से ही अप्लाई करें।
फोन : 7087033731

कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, दुबई, कुवैत, सऊदी, रशिया, सिंगापुर, में पढ़े-लिखे और अनपढ़ कारीगरों और हैल्पर की भारी जरूरत। वीजा के पैसे सैलरी से कटवाएं। फोन : 7710404041

खोया-पाया

मैं श्वेता पाठक, पुत्री श्री प्रशांत कुमार शर्मा, मकान नं. 62 गांव पोशंगीपुर, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 की निवासी हूं। त्रुटिवश मेरी 10वीं की मार्कशीट महावीर नगर में कही खो गई है, जिसका अनुक्रमांक नंबर 0122362 है। जिस किसी को मिले कृप्या उपरोक्त पते पर संपर्क करे।

बेदखली सूचना

मैं सुरेश पुत्र संजय सिंह बी1, तिलक नगर का निवासी हूं। मेरा पुत्र रमेश कुमार शादीशुदा है व उसकी पत्नी का नाम महिमा है। दोनों अपनी मनमानी करते है व परिवार में दिन-रात झगड़ा करते हैं। वहीं मेरी पुत्रवधू महिमा दहेज उत्पीड़न के केस में फंसाने की धमकी देती है। जिस कारण पूरा परिवार परेशान है। मैं अपने पुत्र व उसकी पत्नी को अपनी चल-अचल संपित्त से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनसे जो भी संबंध रखेगा या लेन-देन करेगा वो खुद जिम्मेवार होगा। मेरे या मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। २

बेदखली सूचना

मैं महेश कुमार पुत्र शनि सिंह बी1, मंगोलपुरी का निवासी हूं। मेरा पुत्र महेश कुमार शादीशुदा है व उसकी पत्नी का नाम सीमा है। दोनों अपनी मनमानी करते है व परिवार में दिन-रात झगड़ा करते हैं। वहीं मेरी पुत्रवधू सीमा दहेज उत्पीड़न के केस में फंसाने की धमकी देती है। जिस कारण पूरा परिवार परेशान है।

बेदखली सूचना

मैं सतीश शाह पुत्र मनीष शाह सी2 , पटेल नगर का निवासी हूं। मेरा पुत्र संचित शाह शादीशुदा है व उसकी पत्नी का नाम मनोरमा शाह है। दोनों अपनी मनमानी करते है व परिवार में दिन-रात झगड़ा करते हैं। वहीं मेरी पुत्रवधू मनोरमा शाह दहेज उत्पीड़न के केस में फंसाने की धमकी देती है। जिस कारण पूरा परिवार परेशान है। मैं अपने पुत्र व उसकी पत्नी को अपनी चल-अचल संपित्त से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनसे जो भी संबंध रखेगा या लेन-देन करेगा वो खुद जिम्मेवार होगा। मेरे या मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

बेदखली सूचना

मैं दयशंकर पुत्र राम सिंह बी1, जनकपुरी का निवासी हूं। मेरा पुत्र राजू सिंह शादीशुदा है व उसकी पत्नी का नाम पूजा है। दोनों अपनी मनमानी करते है व परिवार में दिन-रात झगड़ा करते हैं। वहीं मेरी पुत्रवधू महिमा दहेज उत्पीड़न के केस में फंसाने की धमकी देती है। जिस कारण पूरा परिवार परेशान है। मैं अपने पुत्र व उसकी पत्नी को अपनी चल-अचल संपित्त से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनसे जो भी संबंध रखेगा या लेन-देन करेगा वो खुद जिम्मेवार होगा। मेरे या मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। २

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री उदय प्रदाप पुत्र स्व. श्री मजोल लाल व चंदा पत्नी श्री मजोल लाल, निवासी- नंगली जालिब, जनकपुरी, बी-1 ब्लॉक , नई दिल्ली-58 के पुत्र राधेश्याम व उसकी पत्नी रमावती को उनके व्यवहार ठीक नहीं होने के कारण दिनांक 16-01-2015 को बेदखल कर दिया था लेकिन अब उनके व्यवहार मेरे मुवक्किल के प्रति अच्छे हो गये हैं। अब उनसे अपने सभी प्रकार के संबंध अपना लिए हैं तथा अब उपरोक्त दोनों उनके समस्त चल व अचल सम्पत्ति में हकदार होंगे और भविष्य में अब दोनों मेरे मुवक्किल के साथ रहेगें। अब उन दोनों से मेरे मुवक्किल को कोई शिकायत नहीं है।

खोया-पाया

मैं राधा सचदेवा, पुत्री श्री संजय सचदेवा, मकान नं. 62 गांव पोशंगीपुर, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 की निवासी हूं। त्रुटिवश मेरी 10वीं की मार्कशीट महावीर नगर में कही खो गई है, जिसका अनुक्रमांक नंबर 0224532 है। जिस किसी को मिले कृप्या उपरोक्त पते पर संपर्क करे।

सीएम ने युवाओं को नशा मुक्त दिल्ली का संकल्प दिलाया

समाज को जागरूक करने और नशा मुक्त दिल्ली व भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया

नशा मुक्त

अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम हिस्सा लिया

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम हिस्सा लिया। उन्होंने इस मौके पर युवाओं को नशे से दूर रहने, समाज को जागरूक करने और नशा मुक्त दिल्ली व भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली सरकार के मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह, विधायक ओम प्रकाश शर्मा, संजय गोयल एवं डॉ. अनिल गोयल मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि परिवार की एकता और समाज की बुनियाद को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। हमारा उद्देश्य है कि दिल्ली की युवाशक्ति अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा और सकारात्मक परिवर्तन में लगाए, यही हमारी सरकार का मूल संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिया गया नशा मुक्त भारत का संकल्प आज पूरे देश में जन-आंदोलन बन चुका है। इस अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाने में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का सक्रिय मार्गदर्शन और सशक्त प्रशासनिक नेतृत्व अत्यंत प्रेरणादायक है। दिल्ली सरकार इस राष्ट्रीय उद्देश्य की पूर्ति के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्यरत है। दिल्ली पुलिस द्वारा संचालित यह जन-जागरूकता अभियान सराहनीय है और दिल्ली सरकार इसमें कंधे से कंधा मिलाकर संकल्पबद्ध रूप से सहभागी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सब मिलकर एक नशा मुक्त, जागरूक और सशक्त दिल्ली के निर्माण में सहभागी बनें।

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने नई तकनीकों के साथ जल संरक्षण पर दिया बल

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने राजधानी में जल की सुरक्षा को लेकर त्वरित, बहु-स्तरीय संस्थागत कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग के अंतर्गत स्थापित वेटलैंड प्राधिकरण की कार्यप्रणाली और प्रभावशीलता की समीक्षा की जाएगी। यदि आवश्यकता महसूस हुई, तो इस विषय को विधानसभा के पटल पर लाकर संरचित बहस की जाएगी, ताकि नीतिगत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। विस अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता गुरुवार को विधानसभा में हाजल और प्रकृतिह विषय पर आयोजित एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे, जिसे हासंपूर्णाह संस्था द्वारा उसके 40 दिवसीय जनजागरूकता अभियान के 30 दिन पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित किया गया। जल शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए गुप्ता ने उत्तर चीन जल संसाधन एवं विद्युत शक्ति विश्वविद्यालय (नॉर्थ चाइना यूनिवर्सिटी ऑफ वॉटर रिसोर्सेस एंड इलेक्ट्रिक पावर) का उदाहरण प्रस्तुत किया।

रिठाला अग्निकांड: लोगों का दावा- ठेकेदार ने खुद को लगाई आग

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली। रिठाला की फैक्टरी में आग लगाई गई या शार्ट सर्किट या किसी दूसरी वजह से आग लगी पुलिस इसकी जांच कर रही है। वहीं, सूत्रों का दावा है कि फैक्टरी मालिक का कर्मचारियों से पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। इस संबंध में ठेकेदार बातचीत के लिए मालिक के पास आया था। मालिक ने पैसे देने से इंकार किया तो ठेकेदार ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। इसके बाद वह जलता हुआ ऊपर-नीचे भागा, जिससे पूरी फैक्टरी में आग लग गई। हालांकि, इस मामले में पुलिस अधिकारी जानकारी न होने की बात कर रहे हैं। वहीं, दमकल विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें भी ऐसी जानकारी मिली है, लेकिन इसकी जांच होगी। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने दावा किया कि मालिक ने कर्मचारियों को पैसे देने से इंकार कर दिया था। इसके बाद ही ठेकेदार ने ऐसा कदम उठाया।

डीयू के सिलेबल से हटेगा पाकिस्तान-चीन और इस्लाम का चैप्टर

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान पाठ्यक्रम से पाकिस्तान, चीन, इस्लाम और राजनीतिक हिंसा जैसे अहम विषयों को हटाने की सिफारिश को लेकर शिक्षकों में भारी नाराजगी है। विश्वविद्यालय की अकादमिक मामलों की स्टैंडिंग कमेटी की हालिया बैठक में इन बदलावों पर चर्चा हुई, जिसमें इन विषयों को या तो पूरी तरह हटाने या उनकी जगह नए पाठ्यक्रम लाने की बात कही गई। स्टैंडिंग कमेटी और अकादमिक काउंसिल की सदस्य डॉ. मोनामी सिन्हा ने जानकारी दी कि पाकिस्तान और विश्व, समसामयिक विश्व में चीन की भूमिका, इस्लाम और अंतरराष्ट्रीय संबंध, पाकिस्तानः राज्य और समाज, धार्मिक राष्ट्रवाद और राजनीतिक हिंसा जैसे कोर्स या तो हटाए जा रहे हैं या बड़े पैमाने पर संशोधित किए जा रहे हैं। डॉ. सिन्हा ने चेताया कि इन विषयों को हटाना शैक्षणिक गहराई और भू-राजनीतिक समझ को कमजोर करने वाला कदम होगा। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति की चुनौतियों में पाकिस्तान एक स्थायी विषय है।

किडनैपिंग-एक्सटॉर्शन गैंग का पर्दाफाश

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली: दिल्ली के किशनगढ़ थाना पुलिस ने एक बड़े किडनैपिंग और एक्सटॉर्शन गैंग का भंडाफोड़ करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के पास से एक ग्रैंड विटारा कार भी बरामद की है, जिसका इस्तेमाल अपराध में किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों में प्रवेश, आर्यमन चौधरी, ऋतिक गौहर, देव आनंद यादव और शर्मन राय शामिल हैं। ये सभी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं। ये स्नातक हैं। दिल्ली पुलिस का बताकर पैसे वसूलने की कोशिश की इन आरोपितों की ओर से वारदात करने का मामला 16 जून 2025 को सामने आया, जब मुनिरका निवासी जोशुआ हमार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

मंत्री आशीष सूद ने किया 5 रैन बसेरों का निरीक्षण

कड़ी फटकार

सूद ने दिल्ली के सराय काले खां स्थित पांच रैन बसेरों का निरीक्षण किया

एनजीओ की संभावित मिलीभगत के संकेत मिले

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली। दिल्ली की गृह मंत्री आशीष सूद ने गुरुवार को दिल्ली के सराय काले खां स्थित पांच रैन बसेरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं में गंभीर खामियां और एनजीओ की संभावित मिलीभगत के संकेत मिले। दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड और इनको चलाने वाले एनजीओ को कड़ी फटकार लगाते हुए चेतावनी दी कि इस तरह की लापरवाही और भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड के अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। बताया कि दिल्ली सरकार को बहुत समय से रैन बसेरों की व्यवस्थाओं और प्रबंधन के बारे में लगातार कई शिकायतें मिल रही है। इन रैन बसेरों में पिछली सरकार के कार्यकाल से एनजीओ के साथ मिलकर बहुत बड़ा घोटाला और भ्रष्टाचार किया जा रहा है। बताया गया है कि पिछली सरकार ने सैकड़ों लोगों की नियुक्ति इन रैन बसेरों की देखरेख करने के लिए की थी। शिकायतें मिल रही हैं कि इन रैन बसेरों में न तो उतने लोग नियुक्त किए गए हैं और न ही वहां रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाएं मिल रही है। आम आदमी पार्टी सरकार के भ्रष्ट नेता और उनके इशारे पर चलने वाली एनजीओ और अधिकारियों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर दिल्ली के रैन बसेरों में धोखाधड़ी की जा रही है। गुरुवार को जिन रैन बसेरों का औचक निरीक्षण किया गया वहां कहीं पर भी कोई हाजिरी का रजिस्टर नहीं मिला। जो मजदूर 5-6 हजार रुपये में यहां रह रहे हैं, उनका शोषण करके सफाई कर्मचारी या यहां की मैनेजमेंट द्वारा काम पर लगाया गया है।

वेंटिलेटर पर मौत से जंग लड़ रहा अर्जुन

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली। पांडव नगर में शुक्रवार तड़के तेज रफ्तार थार ने स्कूटी सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल युवकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के बाद दो युवकों को छुट्टी दे दी गई। वहीं, एक अन्य युवक अर्जुन पिछले पांच दिनों से गंभीर हालत में सफदरजंग अस्पताल के आईसीयू में भर्ती है। हादसे के बाद आरोपी थार को मौके पर ही छोड़कर भाग गया था। फिलहाल अर्जुन को वेंटिलेटर पर रखा गया है, लेकिन चिकित्सकों ने उसकी बिगड़ती हालत में सुधार होने से इन्कार कर दिया है। अर्जुन के चाचा राजेश ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनका बेटा जिंदगी और मौत से लड़ रहा है और आरोपी कार चालक फरार होकर खुला घूम रहा है। हादसे के पांच दिन बाद भी पुलिस आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। उन्हें डर है कि वह किसी और जगह किसी अन्य व्यक्ति को भी अपना निशाना न बना ले।

वित्त मंत्री के खिलाफ पर 16 जुलाई को सुनवाई

मानहानि

आम आदमी पार्टी के नेता सोमनाथ भारती अपनी पत्नी लिपिका मित्रा की ओर से पेश नहीं हो सकते हैं

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले पर सुनवाई के दौरान राऊज एवेन्यू कोर्ट से कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता सोमनाथ भारती अपनी पत्नी लिपिका मित्रा की ओर से पेश नहीं हो सकते हैं। एडिशनल ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास पारस दलाल ने लिपिका मित्रा की याचिका पर अगली सुनवाई 16 जुलाई को करने का आदेश दिया। गुरुवार को सुनवाई के दौरान निर्मला सीतारमण की ओर से पेश वकील जोहेब हुसैन ने कहा कि सोमनाथ भारती बतौर वकील अपनी पत्नी की ओर से पेश नहीं हो सकते हैं। वकील ने कहा कि सोमनाथ भारती का पेश होना हितों के टकराव का मामला है और सोमनाथ भारती को अपना वकालतनामा वापस ले लेना चाहिए। अगर भारती ऐसा नहीं करते हैं तो बार काउंसिल ऑफ इंडिया से इसकी शिकायत की जाएगी। कोर्ट ने 12 जून को लिपिका मित्रा के वकील को निर्देश दिया था कि वो निर्मला सीतारमण को याचिका की प्रति उपलब्ध कराएं। कोर्ट ने 23 मई को लिपिका मित्रा की याचिका पर सुनवाई करते हुए निर्मला सीतारमण को नोटिस जारी किया था। लिपिका मित्रा ने याचिका दायर कर कहा है कि निर्मला सीतारमण ने 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान उनके खिलाफ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अपमानजनक बयान दिया। याचिका में कहा गया है कि निर्मला सीतारमण ने 17 मई, 2024 को राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए लिपिका मित्रा और सोमनाथ भारती के बीच वैवाहिक विवाद का जिक्र किया। याचिका में कहा गया है कि सीतारमण का बयान सोमनाथ भारती की छवि को खराब करने की कोशिश के तहत किया गया ताकि वे 2024 के आम चुनावों में जीत नहीं सकें।

एनएमडीसी ने शिक्षा कार्यक्रमों को लेकर आवेदन आमंत्रित किए

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली। एनएमडीसी ने छत्तीसगढ़ में आदिवासी युवाओं के लिए पूर्ण प्रायोजित शिक्षा कार्यक्रमों को लेकर आवेदन आमंत्रित किए हैं। इसका उद्देश्य आदिवासी युवाओं के लिए अवसरों की कमी को पूरा करना है। इस्पात मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि देश के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड ने अपनी प्रमुख सीएसआर पहल 'बालिका शिक्षा योजना' के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। एनएमडीसी ने इसके लिए अपोलो विश्वविद्यालय, चित्तूर के साथ एक साझेदारी की है, जो एक परिवर्तनकारी 'चिकित्सा प्रौद्योगिकी कार्यक्रम' का शुभारंभ है, जिसका उद्देश्य आदिवासी युवाओं के लिए अवसर प्रदान करने के बीच की खाई को पाटना है। इस प्रमुख पहल के तहत एनएमडीसी बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, कोंडागांव, बीजापुर और नारायणपुर की युवा आदिवासी लड़कियों को हैदराबाद में अपोलो स्कूल ऑफ नर्सिंग, यशोदा स्कूल ऑफ नर्सिंग और केआईएमएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में बीएससी (नर्सिंग 4 वर्ष) और जीएनएम (3 वर्ष) पाठ्यक्रम करने के लिए 100 फीसदी मुफ्त नर्सिंग शिक्षा प्रदान कर रहा है। इस पाठ्यक्रम में कुल 200 सीटें हैं, जिनमें बीएससी नर्सिंग के लिए 110 सीटें और जीएनएम (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) पाठ्यक्रम के लिए 90 सीटें शामिल हैं।

वंचित बालक और बालिकाओं के लिए चिकित्सा प्रौद्योगिकी कार्यक्रम

एनएमडीसी दंतेवाड़ा और बस्तर जिलों के पात्र अनुसूचित जनजाति (एसटी) छात्रों के लिए अपोलो विश्वविद्यालय, चित्तूर के साथ साझेदारी में पूर्णतः प्रायोजित संबद्ध स्वास्थ्य देखभाल शिक्षा प्रदान कर रहा है। इसमें प्रति छात्र लगभग 12 से 15 लाख रुपये के निवेश के साथ पूरी तरह से प्रायोजित इस पहल का उद्देश्य आदिवासी युवाओं को आजीविका के लिए पेशेवर कौशल से युक्त करना है। यह कार्यक्रम आकांक्षा छात्रों के लिए 90 सीटें प्रदान करेगा।

अटल गार्डन बनेगा मनोरंजन का सामूहिक ठिकाना

दबोच लिया

छठ घाट, जिम, बच्चों के खेल का मैदान, क्रिकेट नेट, रंगीन वाटर फाउंटेन व पार्किंग बनाई जाएगी

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली। नजफगढ़ ड्रेन के पास विपिन गार्डन में 21 एकड़ जमीन को हरे-भरे सामुदायिक मनोरंजन स्थल के रूप में बदला जाएगा। अटल गार्डन के नाम से विकसित होने वाली यह परियोजना दिल्लीवासियों के मनोरंजन का नया ठिकाना बनेगी। इसमें हरे-भरे पार्क के साथ बड़ा वॉकिंग ट्रैक, छठ घाट, जिम, बच्चों के खेल का मैदान, क्रिकेट नेट, रंगीन वाटर फाउंटेन व पार्किंग बनाई जाएगी। दिल्ली सरकार के सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग (आईएंडएफसी) ने इसका डिजाइन और निर्माण परियोजना तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। योजना पर 29.94 लाख रुपये खर्च होंगे। द्वारका मोड़ के पास सरकार की करीब 50 एकड़ जगह अतिक्रमण की मार झेल रही थी। अब यहां करीब 21 एकड़ जगह पर पार्क बनाने की परियोजना पर काम शुरू किया गया है। हाल ही में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्थानीय विधायक और आईएंडएफसी के अधिकारियों के साथ इस जगह का दौरा किया था। उन्होंने यहां पर खूबसूरत पार्क बनाने की बात कही थी। सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग डिजाइन तैयार करने और परियोजना पर कुल 29,94,120 रुपये खर्च करेगा। काम तीन महीने में पूरा होगा। 27 जून दोपहर 3 बजे तक टेंडर जमा हो जाएंगे है। इसके बाद तय कंसल्टेंट एजेंसी मिट्टी की जांच, वास्तुकला, सौंदर्य का थ्रीडी मॉडल, संरचना की डिजाइन, परियोजना की अनुमानित लागत तय करेगी।

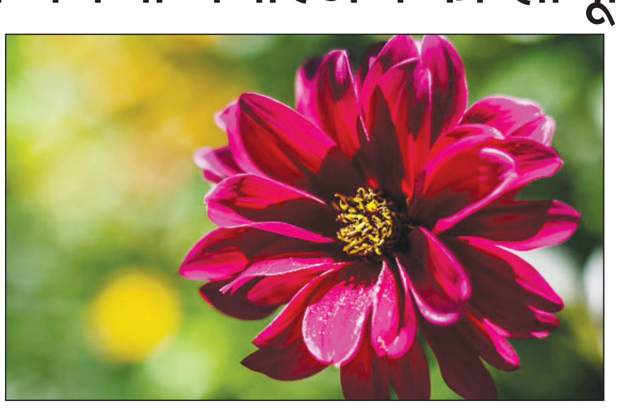

ईरानी 'बंटी-बबली' का शिकार बना अमेरिकी नागरिक

पर्दाफाश

ईरानी दंपती विदेशी नागरिकों को झांसे में लेकर उनसे रकम ऐंठ लेता था फरार हो जाता था

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर विदेश नागरिकों को ठगने वाले ईरानी बंटी-बबली गिरोह का दिल्ली पुलिस ने पर्दाफाश किया है। ईरानी दंपती विदेशी नागरिकों को झांसे में लेकर उनसे रकम ऐंठ लेता था और एयरपोर्ट की भीड़ में बड़ी आसानी से फरार हो जाता था। दिल्ली पुलिस ने इस अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए ईरान की 52 वर्षीय फातमा अकबरी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की कार्रवाई के दौरान ईरानी महिला तो पकड़ में आ गई, लेकिन उसका पति मौके से भागने में कामयाब हो गया, पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

ईरानी महिला ने अमेरिकी नागरिक से 700 डॉलर ठगे थे

इस ईरानी दंपती ने अमेरिकी नागरिक से 700 डॉलर ठगे थे, जो भारतीय मुद्रा में करीब 58,000 रुपये है।

स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि पर समारोह आयोजित

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली: साउथ एवेन्यू में युवा चेतना के तत्वावधान में विश्व के महान किसान-मजदूर नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि पर समारोह का आयोजन किया गया। पुण्यतिथि पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन, युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य लोगों ने स्वामी सहजानंद सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने के लिए स्वामी सहजानंद सरस्वती ने अभूतपूर्व भूमिका का निर्वहन किया। कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती ने वंचित वर्ग के समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय अभियान चलाया। कांग्रेस पर कटाक्ष किया कि ऐसे कई नेता हैं जिन्होंने कई हवाई अड्डा पर अपने नाम का कब्जा कर लिया है तो फिर गरीबों के नेता स्वामी सहजानंद के नाम पर हवाई अड्डा और कोई महत्त्वपूर्ण संस्थान क्यों नहीं?

भाजपा सरकार में ही स्वामी जी की स्मृति में जारी हुआ डाक टिकट

पुण्यतिथि समारोह की अध्यक्षता करते हुए युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती सामाजिक न्याय के आधार स्तंभ थे। बिहार सहित देश में समानता के स्थापना के लिए स्वामी जी ने बड़ी लड़ाई लड़ी। भाजपा सरकार ने ही पहली बार स्वामी सहजानंद सरस्वती के स्मृति में डाक टिकट जारी किया था।

सत्येंद्र जैन और सौरभ भारद्वाज के खिलाफ एसीबी ने दर्ज किया केस

एलजी की मंजूरी

एसीबी ने आप नेता और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया।

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया। दोनों पर हेल्थ उपकरण खरीद में घोटाले का आरोप है। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के प्रमुख संयुक्त पुलिस आयुक्त मधुर वर्मा ने कहा कि दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के सिलसिले में आप नेता सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि साल 2018-19 में 5,590 करोड़ रुपये की लागत से 24 अस्पताल परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। ये परियोजनाएं बेवजह देरी और खगोलीय लागत वृद्धि में फंसी हुई हैं, जो बड़े पैमाने पर वित्तीय गबन का संकेत देती हैं। आगे जानकारी देते हुए कहा कि पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत सक्षम प्राधिकारी से मंजूरी मिलने के बाद मामला दर्ज किया गया है। बता दें कि 22 अगस्त 2024 को तत्कालीन विपक्ष के नेता और वर्तमान दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने एक शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें विभिन्न स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजनाओं में गंभीर अनियमितताओं और संदिग्ध भ्रष्टाचार को उजागर किया था। जिसमें परियोजना बजट में व्यवस्थित हेरफेर, सार्वजनिक धन का दुरुपयोग और निजी ठेकेदारों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया गया था।

साल 2018-19 में 24 अस्पताल परियोजनाओं को मंजूरी दी गई

आरोप है कि साल 2018-19 में 5590 करोड़ रुपये की लागत की 24 अस्पताल परियोजनाएं (11 ग्रीनफील्ड और 13 ब्राउनफील्ड) स्वीकृत की गई थी। इसमें बड़े पैमाने पर हेराफेरी का आरोप है। 6800 के कुल बिस्तर क्षमता वाले 7 आईसीयू अस्पतालों को सितंबर 2021 से 6 महीने के भीतर पूर्व-इंजीनियर संरचनाओं का उपयोग कर निर्माण के लिए 1125 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई थी। तीन साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी 800 करोड़ रुपये की लागत के साथ केवल 50 फीसदी काम पूरा हुआ।

लागत से तीन गुना खर्च

लोकनायक अस्पताल न्यू ब्लॉक परियोजना के लिए 465.52 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई थी। चार साल में 1125 करोड़ रुपये की राशि खर्च हुई जो लागत से करीब तीन गुनी है। पॉलीक्लिनिक्स परियोजना के लिए 168.52 करोड़ रुपये की लागत स्वीकृत हुई। इसमें 94 पॉलीक्लिनिक्स तैयार करना था।

प्रदेश सरकार 7500 पदों पर नौकरी के लिए जल्द जारी करेगी परिणाम: नायब सिंह सैनी

आवेदन

विभिन्न विभागों में ग्रुप-सी के पदों के लिए विज्ञापन निकालकर मांगेगी आवेदन, सीएम ने दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

लाडवा, 26 जून (विजय कौशिक): मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जल्द ही प्रदेश सरकार 7500 पदों पर युवाओं को नौकरी देने जा रही है। इन पदों की परीक्षा व अन्य सभी प्रकार की प्रक्रियाओं को पूरा कर लिया गया है अब जल्द ही परिणाम घोषित किया जाएगा। साथ ही प्रदेशभर के सभी विभागों में खाली पदों का ब्योरा इक्कठा किया गया है और ग्रुप-सी के पदों के लिए सीईटी का आवेदन लिए जा चुके हैं। जल्द ही परीक्षा भी आयोजित करवाई जाएगी और विभिन्न विभागों में खाली पदों के विज्ञापन जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने संकल्प पत्र में 50 हजार युवाओं को नौकरी देने का वायदा किया है। जिसको गंभीरता से लेकर हुए इन पदों पर नौकरी देने की योजना भी बनाई जा चुकी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार सायं गांव बन पौधा रोपण कर पर्यावरण को बचाने का संदेश भी दिया। भाजपा मीडिया प्रभारी व कार्यक्रम संयोजक विजय कौशिक ने पुष्प गुच्छ देकर मुख्यमंत्री नायब सैनी जी का स्वागत किया। मण्डल अध्यक्ष शिव गुप्ता ने सरोपा भेंट कर मुख्यमंत्री जी का स्वागत किया। शक्ति केंद्र प्रमुख जितेंद्र काका ने भी पुष्प गुच्छ देकर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। साथ ही ब्राह्मण समाज ने परशुराम जी की प्रतिमा भेंट स्वागत किया। सुरेन्द्र शर्मा ने बन गांव में मुख्यमंत्री नायब सैनी के पहुँचने पर पगड़ी पहनाकर पुरे गांव की ओर से स्वागत व आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने गांव वालों का गांव से प्रचंड जीत के लिए धन्यवाद व्यक्त किया और कहा की बन गांव से मेरा पारिवारिक रिश्ता है। मैं यहाँ अपने परिवार के बीच आया हूँ। मेरे परिवार का कोई भी व्यक्ति कभी भी मेरे पास पास आ सकता है। 24 घंटे मेरे घर के दरवाजे आपके लिए खुले हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि चुनाव के समय कांग्रेस के लोगों ने कोर्ट में जाकर 26,000 पदों के परिणाम पर रोक लगवा दी थी। तब हमने संकल्प लिया था कि सरकार बनते ही शपथ लेने से पहले युवाओं को उनके नौकरियों का परिणाम घोषित कर ज्वाइन करवाया जाएगा और सरकार ने ऐसा ही किया है। भाजपा सरकार ने प्रदेश में युवाओं को बिना खर्ची बिना पर्ची के मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरी दी है और आगे भी इसी नीति से युवाओं को नौकरी दी जाती रहेगी।

मॉडल ऑनलाइन तबादला नीति के तहत नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश

अमलीजामा

नियुक्त नोडल अधिकारी एचआरएमएस पर तीन चरणों में कार्य करेगा। सबसे पहले वह काडर का नाम जोड़ेगा

टीम एक्शन इंडिया
चंडीगढ़: हरियाणा सरकार ने मॉडल ऑनलाइन तबादला नीति को अमलीजामा पहनाने के मकसद से नीति के अनुसार, हर विभाग को ग्रुप ए या ग्रुप बी श्रेणी के नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। इन नोडल अधिकारियों को कल यानी 27 जून को प्रातः 10.00 बजे सेक्टर-17, चंडीगढ़ स्थित न्यू हरियाणा सिविल सचिवालय में प्रशिक्षण सत्र में भाग लेने के भी निर्देश दिए गए हैं ताकि नई व्यवस्था को सुचारू तरीके चलाया जा सके। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने इस सम्बन्ध में 47 विभागों के 22 प्रशासनिक सचिवों को निर्देश जारी किए हैं।

नोडल अधिकारी संयुक्त निदेशक स्तर या उससे ऊपर का होगा, जो ऑनलाइन तबादला नीति के कार्यान्वयन में सम्बन्धित प्रशासनिक सचिव की सहायता करेगा। साथ ही, सरकार ने ऑनलाइन तबादला नीति में शामिल किए जाने या इससे निकाले जाने वाले काडर की सूची भी प्रकाशित करने के निर्देश दिए हैं। नोडल अधिकारी की नियुक्ति और काडर सूची के प्रकाशन का कार्य एचआरएमएस पोर्टलह्व के माध्यम से किए जाएंगे। इसके लिए विभाग का एडमिन उपयोगकर्ता पर लॉगिन करेगा। ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी मेनू से नोडल मास्टर एमओटीपी विकल्प चुनेगा, पात्र अधिकारियों की सूची डाउनलोड करेगा, उसमें से उपयुक्त अधिकारी का चयन कर स्वीकृत नोटिंग अपलोड करेगा और ओटीपी सत्यापन के माध्यम से नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करेगा। चयनित अधिकारी दिसंबर 2026 से पहले सेवानिवृत्त नहीं होना चाहिए। पोर्टल में नोडल अधिकारी का संपादन (एडिट) भी किया जा सकता है।

नियुक्त नोडल अधिकारी एचआरएमएस पर तीन चरणों में कार्य करेगा। सबसे पहले वह काडर का नाम जोड़ेगा। उसके बाद यह तय करेगा कि कौन-सा काडर नीति में शामिल हैं या नहीं, और अंत में सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत आदेश अपलोड कर सूची को अंतिम रूप देगा।

न्यूज फ्लैश

हरियाणा में भविष्य विभाग के गठन को मंत्रिमंडल की मंजूरी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में "भविष्य विभाग (डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर) की स्थापना को मंजूरी दी गई। इस विभाग की स्थापना का उद्देश्य हरियाणा को भविष्य-समर्थ बनाना है। यह निर्णय हरियाणा सरकार के निर्धारित कार्य नियम, 1977 के नियम 5 व अनुसूचि के क्रम संख्या 20 के अंतर्गत लिया गया है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि यह विभाग हरियाणा की विजन 2047 नीति के अनुरूप एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और समावेशी विकास के लक्ष्य को साकार करने के लिए दीर्घकालिक रणनीतिक पहलों, तकनीकी दृष्टिकोण और समेकित नीति निर्माण का नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा। नियमित रूप से हॉराइजन स्कैनिंग, प्रवृत्ति विश्लेषण और परिदृश्य विकास करना, जिससे राज्य की भविष्य की संभावनाओं और चुनौतियों की पहचान की जा सके। उच्च-मूल्य क्षेत्रों में विविधीकरण को केंद्र में रखते हुए विजन 2047 के तहत व्यापक दीर्घकालिक आर्थिक योजनाओं का निर्माण तथा तकनीक और नवाचार नीतियों का विकास व समन्वय, जिससे उभरती तकनीकों को विभिन्न क्षेत्रों में अपनाया जा सके। इसके अतिरिक्त प्रशासनिक प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण सहित शासन के आधुनिकीकरण की पहलों की निगरानी और समन्वय करेगा। साथ ही प्रशासनिक विभागों के साथ समन्वय कर भविष्य-उन्मुख नीतियों एवं पहलापें का कार्यान्वयन करने का काम किया जाएगा। इसके अलावा भविष्य की कार्यबल आवश्यकताओं के अनुरूप मानव पूंजी विकास हेतु एकीकृत ढांचा विकसित करना भी शामिल है। वहीं, विभाग जल, ऊर्जा और कृषि जैसे संसाधनों के लिए सतत प्रबंधन की रणनीति तैयार करेगा और राज्य के भीतर रणनीतिक पहलों की प्रगति का मूल्यांकन करेगा। विभाग पांच प्रमुख (विशिष्ट, मापनीय, प्राप्त करने योग्य, प्रासंगिक, समयबद्ध) पहलों के माध्यम से कार्य करेगा।

हरियाणा में कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सेवानिवृत्त व सेवारत कर्मचारियों के हित में फैसला लेते हुए प्रदेश में यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू कर दी है। कर्मचारियों को इसका लाभ एक अगस्त से मिलेगा। गुरुवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कर्मचारियों के संबंध में कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में कुल 33 एजेंडे रखे गए थे, जिसमें से 32 को स्वीकृति दी गई है। प्रदेश के कर्मचारियों को यूनिफाइड पेंशन स्कीम तथा न्यू पेंशन स्कीम में किसी एक का चयन करने का विकल्प दिया गया है। यह योजना केंद्र की तर्ज पर शुरू की गई है। यह पेंशन कर्मचारी की नौकरी के अंतिम 12 महीने की सैलरी के आधार पर तय होगी। इस योजना का लाभ साल 2006 के बाद नौकरी में आए लोगों को मिलेगा। बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि किसी सरकारी कर्मचारी की मौत होने पर परिजनों को दो साल तक उन्हें सरकारी मकान खाली नहीं करना पड़ेगा और परिवार को दो साल के लिए आवास भत्ता मिलेगा। सीएम सैनी ने बताया कि नियमित महिला कर्मचारियों की अतिरिक्त आकस्मिक छुट्टी को 20 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है। हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) की महिला कर्मचारियों को भी एक दिन की अतिरिक्त छुट्टी मिलेगी। सरकारी कर्मचारियों के दिव्यांग बच्चों को भी पेंशन का लाभ मिलेगा। मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा रेशनलाइजेशन कमीशन के फैसलों को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान कर दी गई है। कमिशन ने हाल ही में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। बैठक में कन्या महाविद्यालय खरखौदा को सरकार ने अपने अधीन लेने का फैसला किया है।

शहीद सैनिकों एवं अर्धसैनिक बलों के बच्चों को मिलेगी छात्रवृत्ति

चंडीगढ़। देश के वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि स्वरूप, हरियाणा सरकार ने शहीद सैनिकों एवं अर्धसैनिक बलों के बच्चों के लिए एक विशेष छात्रवृत्ति योजना शुरू करने का निर्णय लिया है। वर्तमान सरकार ने अपने संकल्प पत्र में सैन्य सेवाओं के वीर शहीदों के बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करने का वादा किया था, अब सरकार ने अपने वादे से भी आगे बढते हुए सैन्य सेवाओं के शहीदों के बच्चों के साथ-साथ शहीद अर्ध-सैनिक बलों के बच्चों को भी छात्रवृत्ति देने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना से प्रेरित इस नई नीति के तहत कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों को प्रतिवर्ष 60 हजार रुपए की छात्रवृत्ति दी जाएगी।

पदक विजेताओं ने आरती सिंह राव से की मुलाकात

टीम एक्शन इंडिया
चंडीगढ़: हरियाणा पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में पेरिस 2024 पैरा ओलंपिक और एशियाई खेलों के पदक विजेता खिलाड़ियों ने हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री एवं हरियाणा पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष कुमारी आरती सिंह राव से उनके चंडीगढ़ स्थित आवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने अपनी मांगों, जैसे नकद इनाम और खेल कोटे के तहत नौकरी को लेकर एक लिखित ज्ञापन मंत्री को सौंपा। खिलाड़ियों की मांगों पर त्वरित और सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कुमारी आरती सिंह राव ने उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने इस मुद्दे के शीघ्र समाधान के लिए खेल मंत्री गौरव गौतम से बातचीत की और खेल विभाग के महानिदेशक एवं प्रमुख सचिव को भी आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर पैरा ओलंपिक पदक विजेता नितेश कुमार (बैडमिंटन), हरविंदर सिंह (तीरंदाजी), मनीष नरवाल (शूटिंग), नवदीप सिंह (भाला फेंक), पैरा एशियाई खेलों की पदक विजेता कोकिला (जूडो), पूजा (एथलेटिक्स), सरिता (तीरंदाजी), अशोक मलिक (पावरलिफ्टिंग), हनी (एथलेटिक्स) सहित अन्य खिलाड़ी उपस्थित रहे।

शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निवारण करें

टीम एक्शन इंडिया
दिनेश नौताना
महेंद्रगढ़। सरकार की नायाब पहल होगा हर शिकायत का निदान के तहत जिला व उपमंडल स्तर पर सोमवार व वीरवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक नियमित रूप से समाधान शिविर का आयोजन कर आमजन की प्रत्येक समस्या का समाधान किया जा रहा है। वीरवार को डीसी डॉ. विवेक भारती की अध्यक्षता में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों द्वारा पेयजल, बिजली, गलियों के निर्माण, अवैध निर्माण सहित अनेक समस्याएं रखीं। इस दौरान पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी मौजूद रही। डीसी डॉ. विवेक भारती ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बरसात के मौसम कही भी जलभराव की समस्या न आए इसके लिए संबंधित विभाग तत्काल कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। डीसी ने आमजन की शिकायतों की सुनवाई करते हुए कहा कि अधिकारी जन शिकायतें सुनते समय सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए शिकायतों का निवारण करवाएं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आगामी 10 जुलाई तक समाधान शिविर में आई शिकायतों का निवारण करें। उन्होंने बताया कि जन समस्याओं का समाधान कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समाधान शिविरों का उद्देश्य ही जनता की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निवारण करवाना है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे समाधान शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाते हुए अपनी समस्याओं का निपटान करवाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि समाधान शिविर में आईं शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध कार्रवाई कर लोगों को राहत पहुंचाए। डीसी ने समाधान शिविर में रखी गई सभी शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। वीरवार को महेंद्रगढ़ के लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में बिजली, पानी, सड़क, फैमिली आईडी, पेंशन, अवैध अतिक्रमण संबंधित 54 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से अनेक शिकायतों का मौके पर ही समाधान करवाया दिया गया।

रोड़वेज विभाग के सीआई से उपायुक्त ने मांगा शिकायतों का स्पष्टीकरण

टीम एक्शन इंडिया
दिनेश नौताना
महेंद्रगढ़। जन समाधान शिविर महेंद्रगढ़ में जनता द्वारा बार-बार संबंधित विभागों को शिकायतें देने के बावजूद कई माह तक उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। शिकायतों का समाधान न होने के कारण आमजन को निरंतर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस बारें में जानकारी देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता रामनिवास पाटोदा ने बताया कि सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया जाए कि वे एक माह के अंदर-अंदर प्राप्त सभी शिकायतों का समाधान करें और उसकी रिपोर्ट भी प्रस्तुत करें ताकि आमजन को राहत मिले और सरकार एवं प्रशासन के प्रति विश्वास बना रहे। जनता का समाधान शिविरों पर विश्वास बना रहे, इसके लिए यह आवश्यक है कि जनहित में तेजी से और प्रभावी कार्यवाही की जाए। आवेदनकर्ता द्वारा रोडवेज विभाग में बसों के संचालन आदि से संबंधित कई शिकायतें पूर्व में दी जा चुकी हैं।

सेवानिवृत्त आईआरएस देवेंद्र कल्याण हरियाणा के नये राज्य चुनाव आयुक्त होंगे

चंडीगढ़। भारतीय राजस्व सेवा (आइआरएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी देवेंद्र सिंह कल्याण हरियाणा के नए राज्य चुनाव आयुक्त होंगे। धनपत सिंह की सेवानिवृत्ति के बाद प्रदेश सरकार ने आबकारी एवं कराधान विभाग के पूर्व प्रधान सचिव देवेंद्र सिंह को यह जिम्मेदारी सौंपी है। प्रदेश सरकार ने हाल ही में आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल को हटाकर 2004 बैच के आईएएस ए श्रीनिवास को मुख्य निर्वाचन अधिकारी बनाया था। अब गुरुवार को मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने नए राज्य चुनाव आयुक्त का नियुक्ति आदेश जारी कर दिया।

एक किलो 253 ग्राम प्रतिबंधित नशीले पदार्थ सहित तस्कर अरेस्ट

टीम एक्शन इंडिया
दिनेश नौताना
महेंद्रगढ़। हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के राज्य सरकार के अभियान को बल देते हुए हरियाणा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की रेवाड़ी यूनिट ने एक नशा तस्कर को एक किलो 253 ग्राम अवैध गांजा के साथ डुलाना रोड पर शिव मंदिर के नजदीक डाइट एजुकेशन सेंटर के पास से गिरफ्तार किया। ब्यूरो प्रमुख महानिदेशक ओपी सिंह के दिशा-निर्देशों के तहत प्रदेशभर में चल रही नशा विरोधी मुहिम के अंतर्गत यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक पंखुरी कुमार के नेतृत्व और उप पुलिस अधीक्षक गजेंद्र शर्मा के निर्देशन में की गई। एनसीबी रेवाड़ी यूनिट के प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार ने जानकारी दी कि सहायक उप निरीक्षक सुरेश कुमार के नेतृत्व में रेवाड़ी यूनिट की टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति प्रतिबंधित नशीला पदार्थ गांजा को डुलाना रोड पर डाइट एजुकेशन सेंटर के पास तस्करी करने की फिराक में है। सूचना के आधार पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी जगदीश लुहार पुत्र बहादुर निवासी गांव महासर, जिला महेंद्रगढ़ को मौके से काबू किया। राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी लेने पर आरोपी के पास से एक किलो 253 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ गांजा बरामद हुआ। आरोपी के विरुद्ध थाना शहर महेंद्रगढ़ में एनडीपीएस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत माध्यमिक मात्रा का मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मामले की विस्तृत जांच जारी है और नशा तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस प्रवक्ता ने कहा की यदि किसी को भी नशा बिक्री या तस्करी संबंधी कोई भी जानकारी प्राप्त हो, तो भारत सरकार के टोल फ्री नंबर 1933, मानस पोर्टल अथवा हरियाणा एनसीबी हेल्पलाइन 90508-91508 पर तुरंत सूचना दें।

नशा निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

टीम एक्शन इंडिया
पानीपत, (कमाल हुसैन) देश बन्धु गुप्ता राजकीय महाविद्यालय पानीपत में "अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस" के उपलक्ष्य में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुभाष चंद्र जगलान ने और अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय तम्बाकू रोकथाम कमेटी के सदस्य सहायक प्रोफेसर ग्रीनमैन दलजीत कुमार की देखरेख में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत में प्रो. दलजीत कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि तंबाकू एक धीमा जहर है, जो न केवल शरीर को भीतर से खोखला करता है बल्कि परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। युवा पीढ़ी को जागरूक करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, क्योंकि तंबाकू का पहला शिकार अक्सर किशोर और युवा होते हैं। उन्होंने आगे बताया कि हर साल लाखों लोगों की मृत्यु तंबाकू के सेवन से हो जाती है, और यह नशा धीरे-धीरे व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और आर्थिक जीवन को समाप्त कर देता है। प्राचार्य डॉ. सुभाष चंद्र जगलान ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा, "शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं है, बल्कि छात्रों में नैतिक और सामाजिक मूल्यों को भी विकसित करना है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को जीवन के सही रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं।" उन्होंने कहा कि सरकार और स्वास्थ्य विभाग तंबाकू विरोधी अभियान चला रहे हैं, लेकिन जब तक समाज के सभी वर्ग, विशेषकर युवा, इसमें भागीदारी नहीं करेंगे, तब तक इस अभियान को पूर्ण सफलता नहीं मिलेगी।

खनन और बागवानी विभाग में नए पद स्वीकृत

टीम एक्शन इंडिया
चंडीगढ़: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में शहरी स्थानीय निकाय विभाग, खनन एवं भूविज्ञान विभाग तथा बागवानी विभागों की रिपोर्ट को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। रिपोर्ट में कुल पदों को हटाना, पदों के नाम बदलना, नए पद सृजित करना आदि शामिल है। शहरी स्थानीय निकाय विभाग में 31533 पद स्वीकृत हैं, जो अब बढ़कर 36381 होंगे। इसी प्रकार विभाग की अनुशंसा पर सफाई कर्मचारियों के सभी पदों में कोई कटौती नहीं की गई है। रेशनलाइजेशन कमीशन ने खनन एवं भूविज्ञान विभाग में भी 216 नए पद सृजित करने का फैसला किया है। इसके अलावा बागवानी विभाग में 1100 नए पद सृजित करने की सिफारिश की है। हरियाणा रेशनलाइजेशन कमीशन की सिफारिशों को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। रेशनलाइजेशन कमीशन ने 16 विभागों की रिस्ट्रक्चरिंग के लिए रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी।

हरियाणा सरकार ने एसीबी का नाम बदला

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) का नाम बदलकर राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हरियाणा करने को स्वीकृति प्रदान की गई। यह निर्णय ब्यूरो की बढ़ती भूमिका और जिम्मेदारियों की व्यापक समीक्षा के बाद लिया गया। हरियाणा में अब एसीबी का नया नाम राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हरियाणा होगा। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार ब्यूरो के दोहरे फोकस को बेहतर ढंग से दशार्ता है। भ्रष्टाचार से निपटना और प्रशासनिक ढांचे के भीतर सतर्कता सुनिश्चित करना।

'आपातकाल काला अध्याय' विषय पर महिला मोर्चा का होगा मॉक पार्लियामेंट

कुठाराघात

28 जून को सुबह दस बजे महिला मोर्चा की कार्यकर्ता मॉक पार्लियामेंट का आयोजन करेंगी

टीम एक्शन इंडिया
चंडीगढ़/गुरुग्राम। आपात काल के 50वें वर्ष पर भारतीय जनता पार्टी आपातकाल की विभिषिका को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक के बाद एक कार्यक्रम कर रही है। 25 जून को प्रदेश भर में आपातकाल काला अध्याय विषय पर प्रेस कांफ्रेंस कर चुकी हरियाणा भाजपा ने अब महिला मोर्चा को इस विषय पर महिला संसद कार्यक्रम करने का निर्णय लिया है। गुरुग्राम की गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में 28 जून को सुबह दस बजे महिला मोर्चा की कार्यकर्ता मॉक पार्लियामेंट का आयोजन करेंगी।

महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी ने बताया कि यह संसद सुबह 10 बजे से दोपहर बाद तीन बजे तक चलेगी। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उपस्थित रहेंगे। प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली, प्रदेश महासचिव फणींद्र नाथ शर्मा, राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा सहित राज्य की अनेक महिला सांसद, विधानसभा सदस्य और अन्य गणमान्य भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी ने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा हरियाणा में लोकतंत्र के काले अध्याय आपातकाल के 50वें वर्ष में प्रदेश में मॉक पार्लियामेंट कार्यक्रमके जरिए हरियाणा की महिलाओं और नई पीढ़ी को आपात काल की भयावहता बताई जाएगी। सत्तारूढ़ पार्टी लोकतंत्र पर कुठाराघात की तत्कालीन कांग्रेस सरकार की असलियत को जनता के सामने लाएगी। भाजपा महिला मोर्चा मॉक पार्लियामेंट का आयोजन कर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की लोकतंत्र विरोधी व दमनकारी छवि को जनता के बीच लेकर जाएगी। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी ने कहा कि भाजपा सरकार ने संविधान का हमेशा सम्मान करते हुए लोकतंत्र को मजबूत करने का काम किया है। भाजपा ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता को कायम रखने तथा देश और समाज की समृद्धि के लिए संविधान में संशोधन किया है। मॉक पार्लियामेंट कार्यक्रम के जरिये लोकतंत्र की मजबूती और देश के उत्थान में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को रेखांकित किया जाएगा। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से लेकर 2025 तक के 11 वर्षों में भारत में महिला सशक्तिकरण को एक नई दिशा, गति और व्यापकता मिली है।

विधायक योगेंद्र राणा ने करीब 100 लाभ पात्रों को वितरित किये स्वामित्व कार्ड

महत्वाकांक्षी

विधायक योगेंद्र राणा ने कहा कि यह योजना हरियाणा सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस

करनाल। विधायक योगेंद्र राणा ने वीरवार को नगरपालिका असन्ध कार्यालय में स्वामित्व योजना के तहत लाल डोरा एरिया में स्थित लगभग 100 लाभपात्रों को स्वामित्व कार्ड वितरित किये। उन्होंने कहा कि यह योजना हरियाणा सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसके लिए वे पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते है।

विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा क्रियान्वित स्वामित्व योजना के तहत आज रामधारी, पप्पी, नाथी राम, सुरजभान, शमशेर, फोई देवी सहित अन्य सभी लाभपात्रों को स्वामित्व कार्ड वितरित किये गए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेशवासियों को उनकी जमीन का मालिकाना हक दिलवाने के लिए स्वामित्व योजना की शुरूआत की गई। इस योजना के तहत ड्रोन के माध्यम से जमीनों का सर्वे करवाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत अब पात्र व्यक्ति जमीन का मालिकाना हक मिलने के बाद उस जमीन पर ऋण ले सकता है, पूर्व में रजिस्ट्री न होने के कारण व्यक्ति को ऋण लेने में परेशानी का सामना करना पड़ता था। इसी प्रकार रजिस्ट्री होने से व्यक्ति अपनी जमीन को किसी अन्य व्यक्ति को बेच सकता है। उन्होंने कहा कि मालिकाना हक मिलने से व्यक्ति को बहुत सी सुविधाओं का लाभ मिलता है।भविष्य में भी उक्त स्कीम के तहत लाभपात्रों को इसी प्रकार से सरकार की स्वामित्व स्कीम का लाभ दिया जाएगा । इस मौके पर नगर पालिका सचिव प्रदीप कुमार जैन, नगरपालिका चेयरपर्सन सुनीता रानी, नपा उप चेयरमैन राजिन्द्र ढींगड़ा, पालिका अभियंता अशोक कुमार, पार्षद जगदीश गुप्ता, संदेश जिंदल, सीमांत शर्मा, ऋषि मुंडे, पार्षद प्रतिनिधि विजय गर्ग, अजय राणा, विनय राणा, जितेन्द्र कुमार, सुनील कुमार, प्रवीन कुमार व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

विधायक ने किया पुलिस थाना परिसर में पौधरोपण

विधायक ने पुलिस थाना परिसर में पौधरोपण कर आमजन को स्वच्छ पर्यावरण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने व ऑक्सीजन की पूर्ति करने के लिए पेड़ अहम हैं। इसलिए पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए हर व्यक्ति को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पौधे लगाने चाहिए। पर्यावरण शुद्ध रखने से हम कई तरह की बीमारियों से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों, महिलाओं व आम नागरिकों को इस कार्य के लिये आगे आना चाहिए और वर्ष में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए । पौधे लगाने के साथ-साथ उसकी देखरेख करना भी बहुत जरूरी है।

सभी सड़क मार्गों से अतिक्रमण हटाया जाए: उपायुक्त

नूंह मेवात (लियाकत अली): उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बुधवार को लघु सचिवालय के कांफ्रेंस हाल में जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जिला की सीमा से गुजर रहे राज्य व नेशनल हाइवे व अन्य सड़क मार्गों पर अतिक्रमण, सामान, अवैध पार्किंग आदि को तुरंत हटवाया जाए व अवैध कट भी तुरंत बंद करवाए जाएं, ताकि सड़क दुर्घटनाओं जैसे मामलों में रोक लगनी संभव हो। उन्होंने कहा कि दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे पर जनवरी 2025 से 25 जून 2025 तक ओवर स्पीड के 49231 चालान किए गए हैं और 788 चालान अवैध पार्किंग के किए गए हैं। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने सड़क सुरक्षा समिति से संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी है सुनिश्चित करें कि प्रत्येक वाहन निःशुल्क पार्किंग में ही खड़ा हो और अवैध पार्किंग वाहनों पर सख्ती के साथ कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के तहत योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए आमजन को जागरूक करने की दिशा में अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

डीटीपी की टीम ने अवैध कॉलोनी में कच्ची सड़कों, डीपीसी को किया नष्ट

कार्रवाई

14 एकड़ में 3 अवैध कालोनियों व एक अवैध दुकान में किए गए निर्माण को किया नष्ट

टीम एक्शन इंडिया
लाडवा, 26 जून (विजय कौशिक) जिला नगर योजनाकार की टीम ने उपायुक्त के आदेशानुसार लाडवा में राजस्व संपदा लाडवा में 3 जगहों पर लगभग 14 एकड़ में पनप रही 3 अवैध कालोनियों व 200 वर्गमीटर में पनप रही एक अवैध दुकान को जिला प्रशासन की मदद से तोड़-फोड़ की कार्रवाई अमल में लाई गई।

जिला नगर योजनाकार अधिकारी विक्रम कुमार ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि राजस्व संपदा लाडवा के गांव बण में रादौर रोड पर स्थित लगभग 3 एकड़, गांव निवारसी पिपली में 200 वर्ग मीटर में स्थित एक दुकान को उपायुक्त के आदेशानुसार प्रशासन के सहयोग से तोडफोड़ की कार्रवाई अमल में लाई गई है।

डीटीपी विक्रम कुमार ने कहा कि उपायुक्त के आदेशानुसार डयूटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ डीटीपी की टीम ने लाडवा में राजस्व संपदा लाडवा में गांव बण में अवैध निर्माण के साथ-साथ गांव निवारसी पिपली में 200 वर्ग मीटर में स्थित एक दुकान को पीले पंजे से हटाया गया। उन्होंने कहा कि डीटीपी विभाग के पास राजस्व संपदा लाडवा में 3 जगहों पर लगभग 14 एकड़ में पनप रही 3 अवैध कालोनियों व 200 वर्गमीटर में पनप रही एक अवैध दुकान के पनपने का मामला आया था। जिसके उपरांत विभाग द्वारा भूस्वामी और प्रॉपर्टी डीलरों को एचडीआर एक्ट 1975 की धाराओं के तहत नोटिस जारी कर जरूरी अनुमति लेने के आदेश दिए गए थे। परंतु भूस्वामी और प्रॉपर्टी डीलरों ना तो अवैध कालोनियों में किए जा रहें निर्माण को रोका और ना ही विभाग से अनुमति प्राप्त की। इस पर कार्रवाई करते हुए विभाग द्वारा इन अवैध कालोनियों में निर्माण को नष्टद्द करने का काम किया गया है। उन्होंने लोगों को सचेत करते हुए कहा कि सस्ते प्लाटों के चक्कर में प्रॉपर्टी डीलर के बहकावे में आकर प्लाट ना खरीदें और ना ही किसी प्रकार का निर्माण कार्य करे। इतना ही नहीं जमीन की खरीद करने से पहले डीटीपी कार्यालय से कॉलोनी की वैधता और अवैधता की जानकारी प्राप्त कर लें।

नशा समाज के लिए गंभीर खतरा: एसपी

टीम एक्शन इंडिया
पानीपत , (कमाल हुसैन)

अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के मौके पर पानीपत पुलिस द्वारा जिला सचिवालय स्थित पुलिस विभाग के सभागार में विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर नशा मुक्त हरियाणा का संदेश दिया। इस दौरान नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 12 जून से 26 जून तक चलाए गए ह्लनशा मुक्त भारत पखवाड़ाह्व के सफल आयोजन में सक्रिय सहयोग देने वाले समाज के प्रबुद्ध नागरिकों, जनप्रतिनिधियों व सामाजिक कार्यकताओं को पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने शील्ड देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर डीएसपी समालखा नरेंद्र सिंह, डीएसपी ट्रेफिक सुरेश कुमार सैनी, एसपी रीडर एएसआई सुभाष, सेना क्लर्क रविंद्र व काफी संख्या में मोजिज व्यक्ति व पुलिसकर्मी मौजूद रहें।

यश हुडिया आसन कला, देवेंद समालखा, सुरेंद्र ढोढपुर, योगेश मच्छरोली, नरेंद्र पावटी, डॉ मेहरबान राक्सेहडा, बलवीर घनगस मांडी, चेनपाल सरपंच किवाना, राजबीर भापरा, कुलदीप मनाना व मनोज डिकाडला हुए सम्मानित।

पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि नशा आज के समय में समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। यह केवल व्यक्ति विशेष के जीवन को प्रभावित नहीं करता, बल्कि पूरे परिवार व समाज के विकास के मार्ग में बाधा उत्पन्न करता है। युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति हमारे भविष्य के लिए अत्यंत चिंताजनक है। पुलिस विभाग इस समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है और विभिन्न स्तरों पर सख्त एवं संवेदनशील कदम उठाए जा रहे हैं

जिला के 136 गांव व 30 वार्ड नशा मुक्त घोषित;

पुलिस अधीक्षक श्री भूपेंद्र सिंह आईपीएस ने कहा कि पुलिस नशा तस्करों को गिरफ्तार कर नशीले पदार्थों की बरामदगी सुनिश्चित करती है और साथ ही नशे पर रोकथाम के लिए सफल प्रयास किए जा रहे हैं। ग्राम पंचायतों, पार्षदों व आमजन के सहयोग से पुलिस ने जिला के 136 गांवों व 30 वार्डों को नशा मुक्त घोषित किया जा चुका है।

श्रम विभाग के निरीक्षक अनुमति लेकर करें फैक्ट्रियों का निरीक्षण

टीम एक्शन इंडिया
पानीपत, (कमाल हुसैन)

उपायुक्त डॉक्टर विरेंदर कुमार दहिया ने वीरवार को जिला सचिवालय सभागार में डीएलसीसी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए व्यापारियों व उद्यमियों की बैठक में उनकी समस्याओं को सुना व अधिकारियों को उनके समाधान करने के निर्देश दिए व भविष्य में उनकी जो भी समस्याएं हैं उनके समाधान के लिए लिखित में देने के लिए कहा।

उपायुक्त ने बैठक में निर्देश दिए की श्रम निरीक्षक फैक्ट्री का निरीक्षण अनुमति लेकर ही करें। एक अन्य शिकायत पर उपायुक्त ने कहा कि ओल्ड इंडस्ट्री एरिया में किसी भी रेहड़ी धारक को रेहड़ी खड़ी करने की अनुमति नहीं है चाहे वह सरकारी जमीन हो या फिर प्राइवेट हो। अगर ऐसा होता है तो उस पर बड़ी कार्रवाई होगी।

बाबू मूलचंद जैन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस

करनाल। बाबू मूलचंद जैन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में वीरवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह रक्तदान शिविर हैदराबादी हॉस्पिटल, पानीपत की सहयोगी टीम के माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें कुल 55 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। संस्थान परिवार में सभी रक्तदाताओं और हैदराबादी हॉस्पिटल की टीम का आभार प्रकट किया। संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. कृष्ण ने स्वयं रक्तदान कर न केवल नेतृत्व का परिचय दिया, बल्कि छात्रों और कर्मचारियों को सेवा भाव की प्रेरणा भी दी। उनके इस कदम ने सभी को उत्साहित किया और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

प्रधानाचार्य राकेश भाटिया ने भी शिविर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और छात्रों का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा जब नेतृत्व स्वयं आगे आता है तो पूरी संस्था में प्रेरणा और सेवा का भाव स्वतः जागृत होता है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना और जरूरतमंदों की सहायता करना है।

संक्षिप्त खबरें

वी ने लॉन्च किया नया वी मैक्स फैमिली प्लान, बंडल्ड नेटफ्लिक्स सब्सक्रिप्शन के साथ

गुरुग्राम। भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने अपने नए वी मैक्स फैमिली पोस्टपेड प्लान के लॉन्च की घोषणा की है, जो उद्योग जगत में सबसे ज्यादा डेटा के फायदे देता है। इस प्लान के तहत उपभोक्ता एक ही मासिक बिल के साथ नेटफ्लिक्स सब्सक्रिप्शन और अतिरिक्त 18 तक ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का एक्सेस पा सकते हैं। इस तरह यह बेहद प्रतिस्पर्धी कीमतों पर ओटीटी का बेजोड़ अनुभव प्रदान करता है।

नेटफ्लिक्स के साथ सिंगल प्लान और अतिरिक्त 18 तक ओटीटी

आज के समय में भारत में डेटा की सबसे ज्यादा खपत एंटरटेनमेन्ट के लिए होती है। उपभोक्ताओं में सर्वश्रेष्ठ ओटीटी अनुभव की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए वी ने वी मैक्स फैमिली प्लान 871 में फिक्स्ड रेकरिंग बेनेफिट के रूप में नेटफ्लिक्स सब्सक्रिप्शन को भी शामिल किया है। नेटफ्लिक्स बेसिक सब्सक्रिप्शन के साथ वी के पोस्टपेड उपभोक्ता अपनी किसी एक डिवाइस-मोबाइल या टेलीविजन- पर विश्वस्तरीय एंटरटेनमेन्ट का लुत्फ उठा सकते हैं। इस प्लान के साथ उपभोक्ता नेटफ्लिक्स से विभिन्न श्रेणियों में कंटेंट का आनंद उठा सकते हैं। इनमें आइकोनिक ग्लोबल ओरिजिनल्स जैसे स्क्विड गेम, वैडनसडे, स्ट्रेंजर थिंग्स, ब्लॉकबस्टर फिल्में जैसे लापता लेडीज, पुष्पा 2, जवान, छावा, सिकंदर तथ कई अन्य टाइटल, लोकल ओरिजिनल फिल्में और सीरीज जैसे द कपिल शर्मा शो, टेस्ट, ज्वैल थीम, द रॉयल्स, खाकी : द बंगाल चैप्टर, ब्लैक वारंट, हीरामंडी, राना नायडू आदि शामिल हैं। यह प्लान डब्ल्यूडब्ल्यूई सहित नेटफ्लिक्स पर सभी लाईव इवेंट्स को एक्सेस करने का मौका भी देता है। नेटफ्लिक्स के साथ यूजर अतिरिक्त 18 तक ओटीटी प्लेटफॉर्म्स एक्सेस कर सकते हैं, जो इसी प्लान में शामिल हैं। ऐसे में यह उद्योग जगत में उपलब्ध सबसे व्यापक एंटरनटेनमेन्ट-उन्मुख पोस्टपेड प्लान है।

फ्लिपकार्ट ने ई-कॉमर्स तक पहुंच को दिया विस्तार

गुरुग्राम। भारत का घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट लगातार विक्रेताओं एवं ग्राहकों के लिए विकास आधारित प्लेटफॉर्म को बढ़ावा दे रहा है। आसान ऑनबोर्डिंग सपोर्ट, बेहतर प्रोडक्ट डिस्कवरी और आसान प्राइसिंग प्रोसेस तक, सभी पहल को विशेष रूप से पहली बार ऑनबोर्ड हो रहे सेलर्स के लिए ऑनलाइन बिजनेस को ज्यादा सुगम, पारदर्शी एवं रिवार्डिंग बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। नए सेलर सक्सेस प्रोग्राम के माध्यम से कुछ आसान टूल्स उपलब्ध कराए जाते हैं, जिनसे शुरूआती स्तर पर सेलर्स की सफलता सुनिश्चित होती है। इससे ई-कॉमर्स की पहुंच को विस्तार देने और देशभर में सभी सेलर्स के लिए विकास के समान अवसर सृजित करने के फ्लिपकार्ट के विजन को मजबूती मिली है। जनवरी, 2025 से फ्लिपकार्ट अपने फर्स्ट-टाइम सेलर्स को कॉम्प्लिमेंटरी ऑनबोर्डिंग सपोर्ट प्रदान कर रहा है। इसके तहत उन्हें पहले 60 दिन प्लेटफॉर्म के इकोसिस्टम को समझने में मदद की जाती है। प्लेटफॉर्म पर पहली बार जुड़ रहे उद्यमियों को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए इस प्रोग्राम से लिस्टिंग और कैटलॉगिंग से लेकर ऑर्डर फुलफिलमेंट तक ऑनबोर्डिंग की पूरी प्रक्रिया आसान हो जाती है। इस प्रोग्राम से फ्लिपकार्ट पर ऑनबोर्डिंग के पहले 60 दिन के भीतर ही कारोबारी सफलता पाने वाले नए सेलर्स की संख्या 2.3 गुना हो गई है। इन बदलावों से देशभर में, विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों में, सेलर्स को शुरूआती स्तर पर मजबूत आधार मिला है। फ्लिपकार्ट के सीनियर डायरेक्टर झ्र मार्केटप्लेस कपिल थिरानी ने कहा, फ्लिपकार्ट में हम एक ऐसा मार्केटप्लेस बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां पारदर्शिता को बढ़ाते हुए और सेलिंग एक्सपीरियंस को सरल करते हुए हम ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जहां पूरे देश में उद्यमशीलता का विकास हो सके। जैसे-जैसे टियर 2 और टियर 3 शहरों में डिजिटल कॉमर्स की पहुंच बढ़ रही है, हमारा फोकस लाखों कारोबारियों के लिए तेज एवं सतत विकास को समक्ष बनाना है।

खोरी कला में फिर धधकी आग

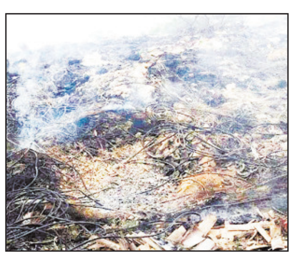

नूंह मेवात (लियाकत अली): **हरियाणा**-राजस्थान सीमा पर स्थित खोरी कला गांव में अरावली वन क्षेत्र में एक बार फिर कूड़ा - कबाड़ में भयंकर आग लगने की घटना सामने आई है। ग्रामीणों के अनुसार यह घटना मंगलवार - बुधवार की रात को हुई, और आग की लपटें दूर -दूर तक देखी गईं। यह मामला पहले भी चर्चा में रह चुका है, लेकिन पंचायत की लापरवाही अब एक बार फिर सवालों के घेरे में है।

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि पिछले दो दिनों से जंगल में फेंके गए कूड़े - कबाड़ में आग सुलग रही थी। सूचना मिलने पर वन विभाग ने फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाया, जिसके बाद दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक सैकड़ों पेड़ - पौधे जल चुके थे, जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान हुआ। यह पहली बार नहीं है, जब खोरी कला के जंगल में इस तरह की आग लगी हो। इससे पहले भी घटनाएं हुई थीं, जिस पर वन विभाग ने एफआईआर दर्ज कराई थी और पंचायत विभाग को नोटिस जारी किया गया था। आदेश दिए गए थे कि इस क्षेत्र में कूड़ा फेंकने और जलाने की सख्त निगरानी की जाए, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। घटना के संबंध में सरपंच से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। वहीं, तावडू खंड के बीडीपीओ अरुण कुमार यादव ने बताया कि दोबारा हुई आगजनी की घटना उनके संज्ञान में आई है और उच्च अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। जबकि वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही कबाड़ हटाया जाएगा, वहां पौधारोपण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

अवैध खनन में लिप्त लोगों से वसूले 14 लाख 38 हजार 420 रुपए

सख्त रुख

किसी भी सूरत में गैरकानूनी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा

टीम एक्शन इंडिया
नूंह (लियाकत अली):

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने अवैध खनन के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि किसी भी सूरत में गैरकानूनी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपायुक्त ने लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में माइनिंग अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अवैध खनन में लिप्त व्यक्तियों व माफियाओं पर त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उपायुक्त ने कहा कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में चलाए गए विशेष अभियान के तहत कई खनन स्थलों पर छापेमारी कर अवैध खनन उपकरणों को जब्त किया है तथा संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। खनन विभाग, पुलिस प्रशासन और राजस्व विभाग की संयुक्त टीमें लगातार निगरानी रख रही हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में चलाए गए विशेष अभियान के तहत अप्रैल 2025 से 25 जून 2025 तक अवैध खनन में लिप्त 59 वाहन जब्त किए गए हैं तथा 31 वाहनों पर ओवरलोडिंग परिवहन व 3 लोगों पर अवैध खनन खनन में लिप्त पाए जाने पर एफआईआर दर्ज की गई है तथा इन पर 8 लाख 65 हजार 920 रुपए का जुमार्ना लगाया गया है। अवैध खनन का स्टॉक रखने पर 5 लाख 72 हजार 500 रुपए का जुमार्ना लगाया गया है इस प्रकार अब तक कुल 14 लाख 38 हजार रुपए का जुमार्ना वसूला गया है।

उपायुक्त ने कहा कि अवैध खनन न केवल प्राकृतिक संसाधनों का दोहन है, बल्कि इससे पर्यावरण और जनजीवन पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है। प्रशासन इस दिशा में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है। दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने आमजन से भी अपील की है कि यदि किसी स्थान पर अवैध खनन की सूचना हो, तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें। सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और उचित कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का यह कदम न केवल अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों के सतत उपयोग की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण प्रयास है। डीसी नूंह ने बताया कि पुलिस चौकी, सीसीटीवी कैमरों से सर्विलांस बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि जहां तक पूर्व चकबंदी अधिकारियों की गिरफ्तारी की बात है या कुछ लोगों पर इनाम घोषित करने की बात है। वह जांच का विषय है। इस मामले में एसीबी जुटी हुई है। कल मुख्य सचिव के साथ वीडियो कांफ्रेंस होगी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार, अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक, सीईओ जिला परिषद प्रदीप अहलावत, एसडीएम अश्वनी कुमार, सचिव आरटीए मुनीश सहगल, डीएसपी अजायब सिंह, डीएफओ प्रदीप गुलिया तथा जिला खनन अधिकारी सुरेंद्र उपस्थित रहे।

आर्य बाल भारती पब्लिक स्कूल में विश्व नशा निषेध दिवस मनाया गया

टीम एक्शन इंडिया
पानीपत, (कमाल हुसैन) आर्य बाल भारती पब्लिक स्कूल में विश्व नशा निषेध दिवस मनाया गया जिसकी अध्यक्षता विद्यालय के कोषाध्यक्ष महताब सिंह मलिक ने की और आर्य समाज काबड़ी के उप प्रधान ओम दत्त आर्य मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ वंदेमातरम् के साथ हुआ और राष्ट्र गान के साथ ही यह कार्यक्रम संपन्न हो गयो इस अवसर पर सर्वोच्च सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर रामा राघोबा, ऋषि दयानंद और स्वामी श्रद्धानंद को भी सभी वक्ताओं ने बार-बार याद किया`

विद्यालय के कोषाध्यक्ष महताब मलिक ने कहा कि नशा नाश की जड़ है। नशा करने वाले व्यक्ति का चरित्र ही नहीं धन सम्मान भी चला जाता है नशा शरीर और मस्तिष्क दोनों को खोखला कर देता है। नशे की आदत मनुष्य के जीवन को बर्बाद कर देती है । मनुष्य अपने जीवन में एक आदतन अपराधी की भांति जीवन जीता है। इसलिए हमें नशे के प्रयोग से हमेशा अपने आप को दूर करना चाहिए और जो असामाजिक तत्व नशीली दवाओं का प्रयोग करते हैं, उन्हें भी समाज की मुख्य धारा में शामिल रहने के लिए इस आदत को छोड़ देना चाहिए। इसी के दृष्टिगत आर्य समाज की लगभग 10 हजार से अधिक संस्थाएं सारे विश्व को नशा मुक्त और योग युक्त बनाने का प्रयास कर रही हैं यह जानकारी संस्था के प्रधान रणदीप कादियान ने दौशारीरिक शिक्षक एवं उप प्रधानाचार्य जगदीश चहल ने हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स हरियाणा स्काउट्स दल को नशा मुक्त जीवन व्यतीत करने की शपथ दिलाई। यह कार्यक्रम हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स हरियाणा के राज्य सचिव नवीन जय हिंद, कोषाध्यक्ष सतेंद्र कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी सह जिला अध्यक्ष राकेश बूरा, जिला सचिव विनोद वत्स के कुशल मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है` आर्य समाज काबड़ी के उप प्रधान ओम दत्त आर्य ने कहा कि प्रति वर्ष 26 जून को विश्व स्तर पर नशा निषेध दिवस मनाया जाता है ताकि मानव समाज को नशीली वस्तुओं के दुष्परिणाम के प्रति जागरूक किया जा सके` उन्होंने कहा कि नशे की त्रासदी न केवल शारीरिक अथवा मानसिक नुकसान तक सीमित नहीं है, इसकी असली ताकत उस सामाजिक स्वीकार्यता में है जो इसे धीरे धीरे हमारे जीवन में घुसने देती है। स्कूल के किशोरों से लेकर कॉर्पोरेट ऑफिस में काम करने वाले प्रोफेशनल तक नशा अब पर्सनल चॉइस का लबादा ओढ़ चुका है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्व में लगभग 29 करोड़ से अधिक लोग अब नशीले पदार्थों का सेवन करने लगे हैं यदि समय रहते स्कूली बच्चों और कॉलेज छात्रों तथा अन्य युवाओं को समय रहते और अधिक जागरूक नहीं किया गया तो नशे की आदत हमारे सभ्य समाज को राख में बदलने में अधिक समय नहीं लगेगा` इसलिए सरकार व सभी समाजसेवी संस्थाओं को ही नहीं शिक्षण संस्थाओं को भी नशे के विरुद्ध छेड़ी गई इस जंग को जीतने में और योगदान देना चाहि।

आर्य कॉलेज में नशा मुक्ति दिवस पर युवाओं ने नशा न करने की ली शपथ

टीम एक्शन इंडिया
पानीपत, (कमाल हुसैन)

आर्य महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर कॉलेज की एनएसएस इकाई द्वारा नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कॉलेज की एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों के साथ-साथ अन्य विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने विद्यार्थियों को नशा न करने की अपील की व कार्यक्रम के आयोजक प्रो विवेक गुप्ता व डॉ.मनीषा डूडेजा को बधाई दी। प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने सभी को संबोधित करते हुए कहा,"नशा न केवल व्यक्ति बल्कि पूरे परिवार को बर्बाद कर देता है। उन्होंने बताया कि आंकड़ों के अनुसार, 15-30 साल की उम्र के युवा नशीले पदार्थों की चपेट में सबसे ज्यादा आते हैं। इसलिए हमारे विद्यार्थी सोशल मीडिया के साथ-साथ शहर व गाँव में जा-जा कर लोगों को नशे के प्रति जागरूक करने का अभियान चला रहे हैं। साथ ही सरकार नशामुक्ति केंद्रों और हेल्पलाइन सेवाओं को मजबूत कर रही है। कॉलेज के हिंदी विभाग के प्राध्यापक विजय सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि आजकल युवा तनाव, दोस्तों के दबाव या गलत संगति में आकर नशे की ओर बढ़ रहे हैं।

संपादकीय

लैंगिक समानता और भारत

विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम) की वैश्विक लैंगिक अंतर रिपोर्ट 2024 में भारत को 148 देशों में 131वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। यह न केवल दो पायदान की गिरावट है, बल्कि भारत की विकास यात्रा में छुपी उस असमानता का पदार्फाश भी करती है जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। जब पूरी दुनिया लैंगिक असमानता को घटाने में धीमी किंतु स्थिर प्रगति कर रही है, तब भारत का पिछड़ना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति, सोच और संस्थागत व्यवस्था की विफलता का प्रतिबिंब है। वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक (ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स), जिसे 2006 में शुरू किया गया था, चार प्रमुख क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता को मापता है—आर्थिक भागीदारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजनीतिक सशक्तिकरण। भारत का कुल स्कोर 64.1% है, जो वैश्विक औसत 68.5% से काफी कम है। यही नहीं, दक्षिण एशिया में भी भारत बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान जैसे पड़ोसी देशों से पीछे है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में भारत ने मामूली सुधार किया है, लेकिन महिलाओं की श्रम भागीदारी दर अभी भी 45.9% पर अटकी हुई है। महिलाएँ मुख्यतः देखभाल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कम वेतन वाले क्षेत्रों में केंद्रित हैं। घरेलू और अवैतनिक श्रम, जो देश की असंगठित अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, अभी तक किसी राष्ट्रीय लेखांकन में शामिल नहीं किया गया है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में समान कार्य के लिए 20झ30% कम वेतन प्राप्त होता है। यह आर्थिक असमानता केवल आँकड़ों की नहीं, सोच की समस्या है। शिक्षा के क्षेत्र में कुछ प्रगति तो हुई है, परंतु महिला साक्षरता दर अभी भी लगभग 70% है, जो वैश्विक औसत 87% से बहुत कम है। उच्च शिक्षा, विशेषकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित (एसटीईएम) क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है। ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और निम्नवर्गीय परिवारों की लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने वाली सामाजिक बाधाएँ—जैसे बाल विवाह, रुढ़िवादी सोच और विद्यालयों की दूरी—अब भी मौजूद हैं। स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा के पैमाने पर भी भारत पिछड़ा हुआ है। जन्म के समय लिंग अनुपात अब भी 929 लड़कियाँ प्रति 1000 लड़कों के आसपास है। मातृत्व से जुड़ी समस्याएँ, कुपोषण, रक्ताल्पता (एनीमिया), और प्रसवकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। घर की चारदीवारी में महिलाओं की सेहत को प्राथमिकता न मिलना हमारी पारिवारिक व्यवस्था की कमजोरी है। राजनीतिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भारत की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व घटकर 13.8% रह गया है और केंद्रीय मंत्रिमंडल में केवल 5.6% महिलाएँ हैं। यह तब और विडंबनापूर्ण हो जाता है जब हम जानते हैं कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 पारित हो चुका है, परंतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र पुनःनिर्धारण की प्रक्रिया के विलंब के कारण उसका क्रियान्वयन अटका हुआ है। इससे स्पष्ट होता है कि केवल कानून पारित करना पर्याप्त नहीं, उन्हें लागू करने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक है। भारत को अपने पड़ोसी देशों से बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। बांग्लादेश जैसे देश ने सूक्ष्म वित्त, महिला शिक्षा प्रोत्साहन, और निरंतर राजनीतिक भागीदारी जैसे उपायों से सकारात्मक सुधार किए हैं। नेपाल में संविधान द्वारा स्थानीय निकायों में महिलाओं की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित की गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि कई निम्न आय वाले देशों ने धनी देशों की तुलना में लैंगिक समानता में अधिक तेजी से प्रगति की है, जो यह दशार्ता है कि बदलाव के लिए धन नहीं, दृढ़ नीयत चाहिए।

शहरों में गंभीर होती पार्किंग की समस्या

राजेश माहेश्वरी

> " पार्किंग को लेकर अब तक जो अध्ययन हुए हैं, उससे हालात की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। एक अध्ययन के मुताबिक सड़क किनारे पार्किंग की वजह से कोलकाता में सड़क की जगह में 35 प्रतिशत, दिल्ली में 14 प्रतिशत, जयपुर में 56 प्रतिशत और कानपुर में 45 प्रतिशत की कमी आई है। गुजरात के गोधरा जैसे छोटे शहर में भी सप्लाई की तुलना में पार्किंग स्पेस की मांग ढाई गुना ज्यादा है। यही हाल दूसरे शहरों का भी है। भारत के ज्यादातर शहरों में पार्किंग स्पेस की मांग की तुलना में इसकी आपूर्ति आधी या उससे कम है। दिल्ली जैसे महानगर में बढ़ती जनसंख्या और वाहनों की संख्या के कारण पार्किंग की समस्या एक गंभीर मुद्दा बन गया है। सीमित जगह और बढ़ती वाहनों की संख्या के कारण लोगों को पार्किंग के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है "

भारत के ज्यादातर शहरों में पार्किंग के लिए जगह कम पड़ती जा रही है। इसके दुष्परिणाम भी दिखने लगे हैं। प्रदूषण बढ़ रहा है। गलियों में और फुटपाथों में जिस तरह बेतरतीब ढंग से गाड़ियां खड़ी की जाती हैं उससे सड़क पर और पैदल चलने के जगह कम पड़ रही है। पार्किंग की समस्या कमोबेश देश के सभी शहरों में देखी जा सकती है। अखबारों में आए दिन सुर्खियां बनती है कि गाड़ी पार्किंग को लेकर झड़प हुई। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के थाना रोरावर क्षेत्र से बीते 21 जून को खबर सामने आई थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली की पार्किंग को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों में लाठी-डंडों से मारपीट हो गई। इस घटना में 5 लोग घायल हुए। इसके अलावा दिल्ली से एक खबर थी कि 22 मार्च को उत्तर पश्चिमी दिल्ली में मामूली पार्किंग विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। यहां पड़ोसियों के बीच स्कूटी पार्किंग को लेकर झगड़ा हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। 12 मई को गुरुग्राम के ज्योति पार्क में एक मामूली पार्किंग का विवाद इतना बढ़ गया कि एक दर्जन लोगों ने एक परिवार के सदस्यों के साथ जमकर मारपीट की। शहरों में पार्किंग की समस्या के कारण हर दिन ऐसे विवाद सामने आ रहे हैं। ऐसे में यह सवाल मौजूं है कि आखिर विकराल रूप लेती पार्किंग की समस्या का समाधान की दिशा में सरकारें संवेदनशीलता का परिचय क्यों नहीं दे रही? देश के सभी शहरों के प्रमुख बाजारों में पार्किंग की समस्या गंभीर रूप ले रही है। यह भी देखा गया है कि बाजार में जगह नहीं होने के कारण लोग मनमर्जी करते हुए फुटपाथ और सड़कों पर गाड़ी पार्क करने से पीछे नहीं हटते। आज आलम यह है कि अवस्थित पार्किंग छोटे से लेकर बड़े शहरों में जाम का मुख्य कारण बन रही है। दुनिया भर के बड़े शहरों में पार्किंग के बारे में हाल ही में किए गए एक वैश्विक अध्ययन से पता चलता है कि औसत शहरी ड्राइवर पार्किंग की जगह की तलाश में औसतन 18 से 20 मिनट बिताता है, जिसके परिणामस्वरूप तनाव, ईंधन की बबार्दी, उत्सर्जन में वृद्धि, सड़कों पर भीड़भाड़ और उत्पादकता में कमी आती है। सितंबर 2021 में बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी की पीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा है कि मुंबई और उपनगरों में पार्किंग की समस्या दिनोंदिन गंभीर होती जा रही है। सड़कों की लगभग चालीस फीसद जगह गाड़ी पार्किंग से सिकुड़ जाती है। इससे आम आदमी के लिए चलने की जगह नहीं रह जाती। पीठ ने सवाल उठाया है कि एक परिवार को चार से पांच गाड़ियां रखने की अनुमति क्यों दी जा रही है? पार्किंग को लेकर अब तक जो अध्ययन हुए हैं, उससे हालात की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। एक अध्ययन के मुताबिक सड़क किनारे पार्किंग की वजह से कोलकाता में सड़क की जगह में 35 प्रतिशत, दिल्ली में 14 प्रतिशत, जयपुर में 56 प्रतिशत और कानपुर में 45 प्रतिशत की कमी आई है। गुजरात के गोधरा जैसे छोटे शहर में भी सप्लाई की तुलना में पार्किंग स्पेस की मांग ढाई गुना ज्यादा है। यही हाल दूसरे शहरों का भी है। भारत के ज्यादातर शहरों में पार्किंग स्पेस की मांग की तुलना में इसकी आपूर्ति आधी या उससे कम है। दिल्ली जैसे महानगर में बढ़ती जनसंख्या और वाहनों की संख्या के कारण पार्किंग की समस्या एक गंभीर मुद्दा बन गया है। सीमित जगह और बढ़ती वाहनों की संख्या के कारण लोगों को पार्किंग के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अवैध पार्किंग के कारण सड़कें जाम हो जाती हैं और यातायात व्यवस्था बिगड़ जाती है। दरअसल दिल्ली में लाखों वाहन रोज सड़कों पर दौड़ते हैं, लेकिन पर्याप्त पार्किंग स्पेस का अभाव इसे और भी परेशानी भरा बना देता है।

देश की राजधानी दिल्ली के साथ एक बड़ी समस्या यह भी जुड़ी हुई है कि यहां पड़ोसी शहरों से भी प्रतिदिन लाखों की संख्या में गाड़ियां आती हैं। इन्हें भी आखिरकार कहीं ना कहीं जगह चाहिए। यही वजह है कि सड़क से लेकर बाजार तक बुरा हाल है। सरकारी रिपोर्ट्स और अध्ययन से ये सामने आया है कि शहर में पार्किंग स्पेस की कमी तेजी से बढ़ रही है, और इस समस्या से समाधान के लिए बड़ी प्लानिंग की जरूरत है। दिल्ली में आजकल कुल 1.5 लाख से ज्यादा पार्किंग स्पेस उपलब्ध हैं, जो खासतौर पर शहरी इलाकों और व्यावसायिक क्षेत्रों में मौजूद है. हालांकि, राजधानी में वाहनों की संख्या इस आंकड़े से कई गुना ज्यादा है। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में करीब 1.4 करोड़ से ज्यादा वाहन हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। इसका परिणाम यह है कि कई जगहों पर वाहन सड़क किनारे या अवैध पार्किंग की समस्या पैदा कर रहे हैं, जिससे यातायात पर असर पड़ता है। कमोबेश दिल्ली जैसे हालात देश के हर छोटे बड़े शहर के हैं। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट के एक रिसर्च में ये सामने आया कि शहर के आकार और गाड़ियों की संख्या में बढ़ोत्तरी की दर के हिसाब से देखें तो पार्किंग की मांग बढ़ती ही जा रही है। अगर दिल्ली की बात करें तो यहां पार्किंग की समस्या खत्म करने के लिए 310 फुटबॉल के मैदानों जितनी अतिरिक्त जगह चाहिए। इसी तरह चेन्नई में 100 और चंडीगढ़ में 50 फुटबॉल मैदानों की जितनी अतिरिक्त जगह मिलने से पार्किंग की समस्या का समाधान हो पाएगा।

विशेषज्ञों के अनुसार,बढ़ती पार्किंग की समस्या को दूर करने के लिए सरकार को बाजार ऑफिस, रिहायशी इलाकों में बहुस्तरीय पार्किंग बनवानी चाहिए। मेट्रो बस साइकिल और पैदल यातायात को बढ़ावा देना चाहिए ताकि निजी वाहनों की संख्या कम हो सके शहरों में बहुत स्तरीय पार्किंग परिसर और अंडरग्राउंड पार्किंग का निर्माण करवाना चाहिए। मॉल रेलवे स्टेशन बस स्टैंड के पास बहुत स्तरीय पार्किंग विकसित करनी चाहिए। ज्यादा से ज्यादा लोगों को सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और सार्वजनिक परिवहन सेवा सुरक्षित और समय पर संचालित और सस्ती होनी चाहिए। स्थानीय निकायों और ट्रैफिक पुलिस के बीच समन्वय बनाना जरूरी है। पार्किंग की समस्या को सुलझाने के लिए शहरी निकाय जिस तरह उन शहरों की जरूरतों के हिसाब से नीतियां बना रहा है, वो एक महत्वपूर्ण पहल तो है लेकिन चिंता की बात ये है कि ये नीतियां कारगर साबित नहीं हो पा रही हैं। नीतियां बनाने और उनके क्रियान्वयन में संतुलन नहीं बैठ पा रहा है। यहां ये याद रखना भी जरूरी है कि सिर्फ नीतियां बनाना ही काफी नहीं है। नगर निगमों को चाहिए कि वो पार्किंग मैनेजमेंट कमेटी बनाए जो इन नीतियों को प्रभावी तरीके से लागू कर सकें। कुछ लोग नो-पार्किंग जोन, नो-स्टॉपिंग जोन एवं कंट्रोल्ड पार्किंग के क्रियान्वयन में अपेक्षानुरूप सहयोग नहीं करते है, जिससे पार्किंग नियमों का समुचित क्रियान्वयन संभव नहीं हो पाता है। यह सही है कि पार्किंग नियमों का पालन तभी हो सकेगा, जब नागरिक पार्किंग के महत्त्व को समझें। जरूरत इस बात की है कि विकराल रूप लेती पार्किंग की समस्या का स्थाई समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाए। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो यह कहा जा सकता है कि पार्किंग की समस्या बहुत बड़ी परेशानी का सबब बनती नजर आएगी।

-स्वतंत्र पत्रकार

कविता

किस्मत के भरोसे मत बैठो

जीवन पथ पर लड़ सकते हो
आगे तुम भी बढ़ सकते हो
त्याग कर आलस का दामन
इतिहास नया गढ़ सकते हो
किस्मत के भरोसे मत बैठो.

मिला नहीं उसे ला सकते हो
जो चाहो तुम पा सकते हो
मेहनत के बल आगे बढ़कर
लक्ष्य हासिल कर सकते हो
किस्मत के भरोसे मत बैठो..

रगो में साहस भर सकते हो
कठिनाइयों से लड़ सकते हो
दौड़ नहीं तो चल सकते हो
सूरज सा निकल सकते हो
किस्मत के भरोसे मत बैठो.

कर मेहनत हो जाओगे सफल
आज नहीं तो हो जाओगे कल
बिन मेहनत नहीं मिलता कुछ
कर्म से किस्मत लिखता चल
किस्मत के भरोसे मत बैठो.

प्रीतम कुमार साहू,

परमाणु हथियारों के बहाने किए युद्ध का परिणाम

प्रमोद भार्गव

ईरान-इजरायल के बीच 12 दिन चला युद्ध बीच में अमेरिका द्वारा ईरान के एक साथ तीन परमाणु ठिकानों पर हमला, जवाबी कार्यवाही में ईरान का कतर में स्थित अमेरिका के सैन्य ठिकाने पर अल-उदैद हमले के आखिरी परिणाम क्या निकला ? कहना मुश्किल है। यह युद्ध और इस युद्ध के हासिल नटखट बच्चे की हरकतों की तरह देखने में आए है। ये हरकतें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रही हैं। इजरायल ने ट्रंप की शह पर ईरान पर मिसाइलों से हमले इसलिए किए, जिससे उसकी परमाणु क्षमता को नष्ट कर अपने देश की रक्षा कर ली जाए। इसी दौरान आ बैल मुझे मार कहावत को चरितार्थ करते हुए अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमले किए। और दावा किया कि इन परमाणु संयंत्रों को इतना नुकसान हो गया है कि अब कई साल तक ईरान परमाणु बम नहीं बना पाएगा। ये बम बनाना तब और मुश्किल हो गया है, जब इजरायल ने ईरान पर किए पहले ही हमले में वहां के अनेक परमाणु वैज्ञानिकों को मार दिया था। युद्ध के ग्यारहवें दिन ट्रंप ने दावा किया कि दोनों देश युद्ध विराम के लिए तैयार हो गए हैं। परंतु इस घोषणा के बाद दोनों ही देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए। यही नहीं ईरान ने भी अमेरिका के अरब देशों में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इन हमलों के संदर्भ में ट्रंप ने कहा कि उसे कोई ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। इसलिए अमेरिका ने ईरान पर कोई जवाबी हमला नहीं किया और ट्रंप ने दावा कर दिया कि उनकी मध्यस्थता से युद्ध विराम लागू हो गया है। कतर ने भी इस युद्ध विराम में मध्यस्था के भूमिका अदा की। लेकिन इस युद्ध की जरूरत क्या थी, यह सवाल जस की तस बना हुआ है।

दरअसल इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कह रहे हैं कि ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता नष्ट हो गई है। परंतु पलटवार करते हुए ईरान ने कहा है कि वह अपना परमाणु कार्यक्रम जारी रखेगा। ट्रंप ने भी कह दिया कि ईरान बम बनाने से बहुत दूर हो गया है। तब इस युद्ध का परिणाम क्या निकला ? परमाणु हथियारों के जानकार कह रहे हैं कि ईरान के पास 20 परमाणु हथियार बनाने की क्षमता थी, जो अब घटकर 6 बम बनाने की रह गई है।

जबकि ट्रंप का घोषित लथ्य था कि ईरान यूरेनियम क्षमता बढ़ाने के लिए जिस तेजी से संवर्धन कर रहा है, वह तय सीमा से बाहर की बात होती जा रही है। लेकिन ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता कम भले ही हो गई हो, पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। यह तथ्य तीनों देशों के आए बयानों से सत्यापित होता है। अतएव ईरान पर किया गया बेवजह हमला, कुछ वैसा ही रहा जैसा 2003 में अमेरिकी राष्ट्रपति बुश ने ईराक पर यह कहते हुए किया था कि ईराक के पास बड़ी मात्रा में जैविक हथियार हैं।

विचार

नहाओ जरूर, मगर सोच-समझकर !

डॉ. सुरेश कुमार

सर्दियों की वह सुबह किसी फिल्म का स्लो मोशन सीन थी – नीम की टहनियाँ भी जैसे ठंड से सिकुड़ कर खुद को ही गले लगा रही थीं। धूप, जिसे सुबह-सुबह चौक पर रोज तैनात रहना होता था, आज छुट्टी पर थी। और ऐसे में हमारे मोहल्ले के एकमात्र ठंड बहादुर मिस्टर घीसूलाल ने घोषणा कर दी – मैं आज भी नहाऊंगा! ये वाक्य जैसे घर-घर में लाउडस्पीकर से सुनाया गया। महिलाओं की रोटियाँ जल गईं, बच्चे होमवर्क भूल गए, और कुत्ते तक छतों पर चढ़कर देखने लगे – सच में नहाएगा क्या? घीसूलाल की नहाने की तैयारी किसी बारात से कम नहीं होती – बाल्टी, मग, तौलिया, और उनकी पेटी से निकली साबुनों की परेड। लोग नहाने को व्यक्तिगत मामला मानते हैं, लेकिन घीसूलाल के लिए ये जनहित याचिका से कम नहीं था। घीसूलाल नहाने को सिर्फ.शरीर धोने की प्रक्रिया नहीं मानते थे, उनके लिए ये स्वच्छ आत्मा, स्वच्छ भारत मिशन का हिस्सा था। वो कहते, जो रोज न नहाए, उसका वाईफाईभी धीमा चलता है। पड़ोस की सरस्वती बाई, जिनकी जीभ मिर्च से तीखी है, ताना मारतीं – घीसूलाल जी, आपकी आत्मा तो कब से डियोड्रेंट मांग रही है! लेकिन उन्हें रोकना आसान नहीं था। एक दिन किसी ने मजाक में कह दिया, आपके नहाने से मोहल्ले का टेंपरेचर दो डिग्री गिर जाता है। घीसूलाल गर्व से बोले – तो क्या! मैं स्थानीय ग्लोबल वार्मिंग का हल हूँ। और सच में, नहाने के समय उनके मुंह से निकलने वाली चीखें सुनकर ठंड भी डर जाती थी। उनके लिए हर बाल्टी का पानी गंगा था, और हर मग की छींट आत्मा की शुद्धि। उनके बेटे चिंटू ने इस नहाना आंदोलन के विरुद्ध बिगुल बजाया। उसका कहना था कि जो चीज सुबह-सुबह दिमाग सुन्न कर दे, वो प्रेरणा नहीं हो सकती। चिंटू ने डेटा जुटाया – जापान में लोग हॉट स्प्रिंग्स में नहाते हैं, फिनलैंड में लोग स्नो बाथ लेते हैं, और हमारे पापा ठंडे पानी से आत्मा निकालते हैं! जब उसने अपने पापा से कहा – डैड, नहाना और पढ़ाई दोनों में संयम चाहिए, तो घीसूलाल बोले, बेटा, पढ़ाई से पहले नहाई! चिंटू ने तर्क दिया कि आइंस्टीन रोज नहीं नहाते थे। पापा ने तुरंत पलटवार किया – इसीलिए उनके बाल उलझे रहते थे। इन दोनों की बहसें घर की दीवारों तक नहीं रहीं, मोहल्ले के बच्चे इन्हें नहाई बनाम पढ़ाई डिबेट शो की तरह देखते। जैसे ही मोहल्ले में डॉ. बफीर्लाल की एंट्री हुई, लोगों को लगा कि अब सर्दियों का इलाज मिलेगा। लेकिन जब उन्होंने कहा – सर्दियों में रोज नहाना हड्डियों के लिए हानिकारक है, तो घीसूलाल को लगा जैसे किसी ने उनकी आत्मा पर रेती चला दी हो। मतलब मैं 45 साल से हड्डी कमजोर कर रहा हूं? उन्होंने ऐसा पूछा जैसे उनकी देशभक्ति पर सवाल उठ गया हो। डॉक्टर बोले – आपके जॉइंट्स में गीजर की पुकार है। अगले दिन घीसूलाल ने बाल्टी से रिश्ता तोड़ दिया। अब वो शीशे में खुद को देखते और बुदबुदाते – तू बहुत सुंदर है, बिना नहाए भी! मोहल्ले में लोग हैरान थे – ये वही घीसूलाल हैं जिनकी हर सांस से डिटॉल की खुशबू आती थी? घीसूलाल का न नहाना जैसे मोहल्ले की महिलाओं के लिए सांस्कृतिक आघात था। पूजा से पहले स्नान उनका धर्म था, और अब ये पुरुष बिना नहाए मंदिर जा रहे थे! सरस्वती बाई ने एलान किया – अगर बिना नहाए मंदिर गए, तो घंटी नहीं बजेगी! मोहल्ला समिति की आपात बैठक बुलाई गई – मुद्दा गंभीर थाः क्या स्नान राष्ट्र धर्म है? नहाए हुए अहंकार और गीले तौलियों की तुलना होने लगी। कुछ महिलाओं ने घोषणा की – अगर घीसूलाल जी नहाकर नहीं आए, तो हम उन्हें तिलक नहीं करने देंगे। यानी अब नहाना सिर्फ.व्यक्तिगत निर्णय नहीं, पब्लिक स्क्रूटिनी का विषय बन गया था।

अब घीसूलाल खुद से नजरें नहीं मिला पा रहे थे। रात को सोते तो सपनों में साबुन कहता – मैंने तुम्हें महकाया, तुमने मुझे ठुकराया। लोटा आकर चीखता – मैंने हर सर्दी में साथ दिया, और अब तुमने मुझे डस्टबिन में फेंक दिया?

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः DELHIN / 2006 / 19302

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, एक्शन इंडिया ऑफिस, के-6बी, केवल पार्क एक्सटेंशन, दिल्ली - 33 ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया।

एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
मेट्रो संपादक : दीपक कांडपाल (8447314925)
ई-मेल : actionindianews@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

सिचुएशनशिपः रिश्ता जिसमें किन्तु-परन्तु नहीं

सचिन त्रिपाठी

प्रेम संबंधों की परिभाषाएं समय के साथ बदलती रही हैं। पहले प्रेम एक स्थायी, सामाजिक और पारिवारिक स्वीकृति वाला संबंध था। फिर प्रेम विवाह, लिव-इन रिलेशनशिप और अब सिचुएशनशिप जैसे नए रूप सामने आए हैं। सिचुएशनशिप कोई पारंपरिक प्रेम संबंध नहीं है, न ही यह पूर्णतः मित्रता है। यह उन दो लोगों के बीच का अनिश्चित-सा, पर भावनात्मक रूप से गहरा जुड़ा हुआ रिश्ता है जिसमें स्पष्टता की बजाय धुंध, स्थायित्व की जगह अस्थाई होना और भरोसे की जगह संभावनाएं होती हैं लेकिन क्या सिचुएशनशिप सिर्फ भ्रम है? या यह आज की पीढ़ी का आत्म-स्वतंत्र और यथार्थवादी प्रेम है? इस प्रश्न का उत्तर तलाशने के लिए हमें इसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं को गहराई से समझना होगा। आज के युवा स्वतंत्रता को सर्वोपरि मानते हैं चाहे वह करियर हो, स्थान चयन हो या रिश्ते। सिचुएशनशिप इस आजादी को जगह देता है। इसमें दोनों व्यक्ति एक-दूसरे की कंपनी पसंद करते हैं, लेकिन अपने जीवन के निर्णय स्वतंत्र रूप से लेते हैं। कोई सामाजिक दबाव नहीं, न ही विवाह का अनावश्यक तनाव। यह रिश्ता उन्हें भावनात्मक संबल देता है जो अभी जीवन में स्थायित्व के लिए तैयार नहीं हैं। युवा जो पढ़ाई, करियर या निजी हीलिंग के दौर से गुजर रहे हैं, वे किसी गंभीर संबंध में बंधे बिना भी साथी के साथ जुड़ सकते हैं। अक्सर सिचुएशनशिप में दोनों पक्ष शुरू से स्पष्ट होते हैं कि वे अभी किसी परिभाषित रिश्ते में नहीं हैं। यह पारदर्शिता कई बार उस झूठ और छल से बेहतर होती है जो परंपरागत प्रेम संबंधों में दिखावे के रूप में होता है। आज की पीढ़ी अपने करियर और आत्म-विकास को पहले स्थान पर रखती है। विवाह या रिश्तों की स्थायित्वपूर्ण जिम्मेदारियों को टालते हुए भी वे एक भावनात्मक सहारा चाहते हैं। सिचुएशनशिप इस जरूरत को पूरा करता है। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि इसमें न कोई वचन होता है, न कोई भविष्य की रूपरेखा। कई बार एक व्यक्ति अधिक जुड़ जाता है जबकि दूसरा असमंजस में रहता है।

आत्म मानसिक बल की ऊर्जा और लक्ष्य प्राप्ति की उपादेयता

संजीव

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैं' निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में ना आने दे अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है अतः सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर हो हों' मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सके' कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है' निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है' जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है' बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं' सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं' मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए ' यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है।

न्यूज फ्लैश

यामाहा ने राष्ट्रीय स्तर शोडाउन के साथ 3एस ग्रैंड प्रिक्स 2024-25 का आयोजन किया

ग्रेटर नोएडा: इंडिया यामाहा मोटर प्राइवेट लिमिटेड (आईवायएम) ने आज यामाहा नेशनल 3एस ग्रैंड प्रिक्स 2024-25 का आयोजन किया। यह एक कौशल-आधारित प्रतियोगिता है, जो डीलरशिप कर्मचारियों के प्रयासों को सम्मान देती है। ये कर्मचारी सेल्स, सर्विस और स्पेयर्स जैसे यामाहा के प्रीमियम 3एस अनुभव को ग्राहकों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इस पहल का उद्देश्य देशभर में यामाहा डीलरशिप पर ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव देने के साथ-साथ कर्मचारियों को प्रोत्साहित करना और उनके कौशल को निखारना है। इस बार की प्रतियोगिता में कुल पांच श्रेणियां शामिल थीं, टेक्नीशियन, सर्विस एडवाइजर, टेली-कॉलर (नई श्रेणी), पार्ट्स मैनेजर और सेल्स कंसल्टेंट। यह आयोजन तीन चरणों में संपन्न हुआ। पहला चरण रीजनल राउंड था, जो 15 अगस्त से 30 सितंबर 2024 तक चला और इसमें रिकॉर्ड 7,567 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। हर श्रेणी और जोन से ऑनलाइन परीक्षा के आधार पर टॉप 5 प्रतिभागियों का चयन किया गया, जिन्होंने 17 फरवरी से 18 मार्च 2025 के बीच यामाहा मोटर अकादमी या संबंधित डीलरशिप पर आयोजित जोनल राउंड में भाग लिया। राष्ट्रीय स्तर की फाइनल प्रतियोगिता 24 और 25 जून 2025 को यामाहा की सूरजपुर (ग्रेटर नोएडा) सुविधा में आयोजित हुई। इसमें कुल 40 फाइनलिस्ट्स ने भाग लिया और प्रत्येक श्रेणी में शीर्ष 3 प्रतिभागियों को यामाहा प्रबंधन द्वारा सम्मानित किया गया। टेक्नीशियन श्रेणी में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी अब नवंबर 2025 में जापान में आयोजित होने वाले वर्ल्ड टेक्नीशियन ग्रैंड प्रिक्स 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस आयोजन पर टिप्पणी करते हुए यामाहा मोटर इंडिया सेल्स प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट श्री रविंदर सिंह ने कहा, यह मंच न सिर्फ डीलरशिप कर्मचारियों को उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करता है, बल्कि हमारे ब्रांड के उस वादे को भी मजबूती देता है, जो गुणवत्ता, विश्वसनीयता और बेहतरीन सेवा से जुड़ा है। हम सभी फाइनलिस्ट्स को बधाई देते हैं और जापान में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रहे राष्ट्रीय विजेताओं के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

स्माइल ट्रेन इंडिया ने एवरी स्माइल बिलॉन्ग्स प्रदर्शनी का शुभारंभ किया

नई दिल्ली। विश्व की सबसे बड़ी क्लेफ्ट-फोकस्ड एनजीओ स्माइल ट्रेन ने एवरी स्माइल बिलॉन्ग्स नामक एक प्रभावशाली फोटो प्रदर्शनी का शुभारंभ किया, यह एक भावनात्मक और समावेशी प्रस्तुति है जो, गरिमा और आशा का संदेश देती है। इस प्रदर्शनी का आयोजन किरण नादर म्यूज़ियम ऑफ आर्ट (केएनएमए) के सहयोग से किया गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध फोटोग्राफर कोमल बेदी सोहल द्वारा खींची गई इन तस्वीरों में क्लेफ्ट से प्रभावित बच्चों के असंपादित पोर्ट्रेट्स प्रदर्शित किए गए हैं। हर तस्वीर केवल सौंदर्य तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनके सफर का एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो उनकी सच्ची भावनाओं और पहचान की गहराई को दशार्ता है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य लोगों की सोच को सहानुभूति से संवेदना की ओर, और सामाजिक कलंक से आत्मबल की ओर मोड़ना है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. सुजाता चौधरी, अतिरिक्त महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी कला और संवेदना के माध्यम से क्लेफ्ट संबंधी जागरूकता को मुख्यधारा के सार्वजनिक चर्चा में ला रही है।
ममता कैरोल, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और एशिया क्षेत्र की रीजनल डायरेक्टर, स्माईल ट्रेन, ने कहा, यह प्रदर्शनी स्माइल ट्रेन इंडिया की 25 साल की यात्रा का प्रतीक है, जिसमें हमने देशभर में 7.5 लाख से अधिक कटे होंठ/तालु के सर्जरी में सहयोग किया है। इस प्रदर्शनी के जरिए हमारा उद्देश्य क्लेफ्ट के बारे में जागरूकता बढ़ाना और समावेशी एवं समय पर उपचार के लिए लोगों को प्रेरित करना है, ताकि हर बच्चा गरिमा और आत्मविश्वास के साथ जी सके। हम किरण नादर म्यूज़ियम ऑफ आर्ट और कोमल बेदी सोहल के इस प्रभावशाली सहयोग और दृष्टिकोण के लिए आभारी हैं, जिन्होंने इस प्रभावशाली पहल को साकार करने में अहम भूमिका निभाई।

एचएमएसआई ने बेंगलुरु में अपना पहला ईवी कॉन्सेप्ट स्टोर किया उद्घाटित

करनाल। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने आज भारत में अपना पहला ईवी कॉन्सेप्ट स्टोर बेंगलुरु के मल्लेश्वरम स्थित मंत्री स्क्वायर मॉल में उद्घाटित किया। यह अनोखा स्टोर ग्राहकों को होंडा की मोबिलिटी, तकनीक और नवाचार की दुनिया का अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है। इसी मौके पर HMSI ACTIVA e: के लिए नया BaaS Lite प्लान भी पेश किया, जिसमें ग्राहक सिर्फ ?678 प्रति माह देकर ईवी की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। यह नया स्टोर होंडा की तकनीकी प्रगति और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में कदमों की झलक देता है। स्टोर का मुख्य आकर्षण एक बड़ा एलईडी डिस्प्ले है, जो इंटरैक्टिव कंटेंट, ब्रांड स्टोरीटेलिंग और प्रोडक्ट हाइलाइट्स के माध्यम से आगंतुकों को आकर्षित करता है। इसके साथ ही एक इतिहास दीवार भी मौजूद है, जो होंडा की वर्षों की यात्रा और उपलब्धियों को दर्शाती है।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर रादौर पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

जागरूकता

इस जागरूकता कार्यक्रम में डीएसपी रादौर आशीष चौधरी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे

टीम एक्शन इंडिया
रादौर, 26 जून (कुलदीप सैनी) : अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर रादौर में पुलिस विभाग द्वारा एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डीएसपी रादौर आशीष चौधरी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद स्थानीय नागरिकों, को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशा मुक्त समाज की दिशा में काम करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन थाना प्रभारी नरेंद्र राणा ने किया। डीएसपी आशीष चौधरी ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि उसके परिवार और समाज को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि नशे की गिरफ्त में आकर युवा अपनी ऊर्जा और भविष्य दोनों को बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए आवश्यक है कि सभी नागरिक, विशेषकर युवा, नशे से दूर रहें और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम के दौरान डीएसपी ने सभी उपस्थित लोगों को नशा छोड़ने और इसके

खिलाफ अभियान चलाने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग लगातार नशा तस्करों पर सख्त कार्रवाई कर रहा है और भविष्य में भी यह मुहिम और तेज की जाएगी। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे नशा बेचने या सेवन करने वालों की सूचना पुलिस को दें, ताकि इस सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म किया जा सके। वहीं कार्यक्रम में मौजूद सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने पुलिस विभाग की इस पहल की सराहना की। पतंजलि योग समिति से जुड़े अमित काम्बोज ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और लोग नशे के खिलाफ एकजुट होते हैं। उन्होंने प्रशासन को आश्वासन दिया कि वे नशा विरोधी अभियान में सहयोग देंगे।

जेएमआईटी में नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

टीम एक्शन इंडिया
रादौर, 26 जून (कुलदीप सैनी) जेएमआईटी कॉलेज में नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के अंतर्गत यूथ रेडक्रॉस सोसायटी क्लब की ओर से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें युवाओं को नशे से दूर रखने के उद्देश्य से नशा मुक्त जीवन जीने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जागरूक करना और उन्हें नशामुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करना रहा है। कार्यक्रम का आयोजन कल्ब की प्रभारी निशा रहेजा की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान संकाय सदस्यों एवं अन्य कर्मचारियों ने एकजुट होकर नशा मुक्ति की शपथ ली। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डा. संजीव कुमार गर्ग ने कहा कि नशा व्यक्ति की ऊर्जा और भविष्य दोनों को नष्ट कर देता है। हमें अपने युवाओं को जागरूक कर उन्हें एक स्वस्थ, सशक्त और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। जिसके लिए उन्हें नशे से दूर रखना होगा। युवाओं को भी न केवल खुद इसके लिए जागरूक होना है और अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया।
मौके पर संस्थान के स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे।

तीन पंचायती टयूबवेलो से तार चोरी

टीम एक्शन इंडिया
रादौर, 26 जून (कुलदीप सैनी) : गांव सढ़ूरा में पंचायती भूमि पर लगे तीन टयूबवैलों की चोरों ने तारे चुरा ली। जिससे पंचायत को हजारो का नुकसान हुआ है। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में सरपंच जसविंद्र सिंह ने बताया कि गांव में पंचायती भूमि पर तीन टयूबवैल लगे हुए है। गांव के किसान रिषीपाल ने सुबह उन्हें सूचना दी कि रात्रि के समय किसी अज्ञात व्यक्ति ने वहां से तारे चोरी कर ली है। उन्होंने मौके पर पहुंचकर आसपास छानबीन की लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लग सका।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने बताया पीएम का विजन

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस
करनाल। हरियाणा विधानसभा की अगुआई में 3 और 4 जुलाई को गुरुग्राम में होने जा रहे राष्ट्रीय स्तर के अर्बन लोकल बॉडीज सम्मेलन को लेकर विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने गुरुवार को घरौंडा में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि देश की सभी विधायी संस्थाएं, चाहे वह संसद हो, विधानसभा हो या पंचायती राज संस्थाएं सभी मजबूत हो और संवैधानिक दायरे में अपने कर्तव्यों को समझे। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए लोकसभा ने यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी हरियाणा को सौंपी है।
हरविंद्र कल्याण ने बताया कि इस सम्मेलन में पूरे देश से नगरीय निकायों के मेयर, चेयरमैन व अन्य हिस्सा लेंगे। यह ऐसा पहला राष्ट्रीय आयोजन होगा, जिसमें केंद्र, राज्य और स्थानीय निकाय तीनों स्तर की व्यवस्थाएं एक मंच पर आकर संवाद करेंगी। इस मंच के माध्यम से नीति निर्माण, बजट पर चर्चा और योजनाओं को बेहतर बनाने पर विचार होगा। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि पिछले सवा महीने से इस सम्मेलन की तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं। समय-समय पर इसकी समीक्षा के लिए बैठकें हो रही हैं। इसका उद्देश्य है कि विधायक कार्य, लोकतांत्रिक प्रणाली और संवाद से समाधान की प्रक्रिया को नीचे तक पहुंचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि यह हरियाणा के लिए सौभाग्य की बात है कि लोकसभा ने यह जिम्मेदारी उसे दी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक देश, एक विधानमंडल का विजन है, जिसे लेकर लोकसभा स्पीकर लगातार इनिशिएटिव ले रहे हैं। हरियाणा विधानसभा ऐसे सभी कार्यों में बढ़-चढकर हिस्सा लेती रही है और सरकार की तरफ से भी विधानसभा को पूरा सहयोग मिल रहा है।
मानसून सत्र को लेकर पूछे गए सवाल पर हरविंद्र कल्याण ने कहा कि अभी सरकार की तरफ से प्रस्ताव नहीं आया है, लेकिन संभव है कि अगस्त या सितंबर के बीच सत्र बुलाया जाए।

यमुना नहर किनारे मिला युवक का शव, शरीर पर खून के निशान

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस
करनाल। जिले में आज यमुना नहर के किनारे एक युवक का शव मिला है। शव के सिर, बाजू और पैरों पर खून के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। मौके से एक कोल्ड ड्रिंक की बोतल और गिलास भी बरामद हुआ है। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन उसकी बाजू पर शहरदीपश लिखा हुआ मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है और एफएसएल टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए हैं।
इंद्री के धमानहेड़ी गांव के पास कुछ लोगों ने नहर किनारे शव देखा। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही इंद्री पुलिस मौके पर पहुंच गई। शुरूआती जांच में युवक के शरीर पर खून के निशान पाए गएए जिससे पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है। उसकी उम्र करीब 30 वर्ष है। पहचान सुनिश्चित करने के लिए आसपास के थानों और गुमशुदगी की रिपोर्टों को खंगाला जा रहा है। पुलिस का मानना है कि यह कोई नॉर्मल डेथ नहीं है और मामला हत्या का हो सकता है।
घटनास्थल से एक कोल्ड ड्रिंक की बोतल और एक गिलास भी बरामद हुआ है, जिससे शक गहराता जा रहा है कि युवक को पहले नशा दिया गया और फिर उसकी हत्या कर दी गई।

जिन्दल फाउंडेशन ने नवीन संकल्प शिविरों में 116 लोगों को पहुंचाया लाभ

शाहाबाद मारकंडा, 26 जून :(प्रदीप कुमार) सांसद नवीन जिन्दल द्वारा कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के लोगों के लिए नवीन संकल्प शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शाहबाद हल्के के गांव मंधेड़ी और बसंतपुर में पहुंच कर लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाया गया व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। इन नवीन संकल्प शिविरों में मोबाइल मैडिकल युनिटों में, एम.बी.बी.एस. डॉक्टरों द्वारा परामर्श और जांच के बाद निःशुल्क दवाइयां वितरित की जाती है। इस मौके पर रक्त और

युरिन के टेस्ट भी किये जाते हैं साथ ही लोगों को आधार कार्ड, पैंशन और नवीन जिन्दल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना के बारे में लोगों को लाभान्वित करने का प्रयास किया जाता है। सांसद नवीन जिन्दल के कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि 116 लोगों को मोबाइल मैडिकल यूनिट द्वारा परामर्श, निःशुल्क दवाईयां , रक्त एवं युरिन के टैस्ट और नवीन संकल्प शिविर के माध्यम से अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। उल्लेखनीय है कि सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा स्वस्थ कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत लोगों को निःशुल्क दवाइयां, परामर्श और खान-पान से संबंधित स्वास्थ्यवर्धक आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इन नवीन संकल्प शिविरों में लोगों को आधार, पेंशन, परिवार पहचान पत्र और नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा दी जा रही नवीन जिन्दल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना की सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाती है। गांव बसंतपुर और मंधेड़ी में नवीन संकल्प शिविरों के अवसर पर रामचंद्र सैनी सरपंच, रूपचंद सैनी सरपंच, सर्वजीत सिंह कलसानी भाजपा मंडल अध्यक्ष, यादविंद्र राणा भाजपा मंडल अध्यक्ष, गुरमेल चौकीदार, कुलदीप सिंह, नछत्तर सिंह, जसविंदर सैनी, बबली, गुरविंदर सिंह पूर्व सरपंच, चरणजीत सिंह, नरेश कुमार, निर्मल सिंह, राजेश कुमार, साहिल, रणदेव सिंह और रविंद्र कुमार मौजूद रहे।

राजीव जैन ने नगर निगम अधिकारियों के साथ किया गांव का दौरा

टीम एक्शन इंडिया
सोनीपत, 26 जून। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने गांव शाहपुर में तालाब ओवरफ्लो होकर गांव में गंदा पानी घुसने की समस्या के समाधान के लिए तालाब से सेक्टर 10 तक लाईन बिछाने की संभावना तलाशने के निर्देश दिए हैं। राजीव जैन ने नगर निगम अधिकारियों के साथ गांव का दौरा किया और इस गंभीर समस्या पर चर्चा की। ग्रामीणों ने बताया कि पहले तालाब का ओवरफ्लो पानी ट्रैक्टर मोटरों द्वारा निकाला जा रहा था परंतु ओमेक्स सिटी के नागरिकों द्वारा एतराज उठाने के कारण वह भी बंद हो चुका है

इसलिए समस्या का स्थाई हल केवल पाइप लाईन डालकर ही हो सकता है। मेंयर ने गांव की जर्जर हो चुकी बैकवर्ड चौपाल को भी दोबारा बनवाने, खाद गड्ढों में बने मकानों का मलिक हक देने तथा गांव की गलियों को दोबारा बनवाने का भी आश्वासन दिया।इस मौके पर पार्षद लाला मुनीराम, जय प्रकाश शर्मा, जय नारायण, जयकांत शर्मा, डॉक्टर बंसीलाल, आनंद कटारिया, सुरेंद्र कटारिया, रमेश कटारिया, नरेश कटारिया आदि मौजूद रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया वर्कशाप व जागरूकता शिविर का आयोजन

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस
करनाल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के व मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. इरम हसन के मार्गदर्शन में वीरवार को अंतर्राष्ट्रीय नशा व मादक पदार्थ निषेध दिवस के उपलक्ष में जिला के विभिन्न स्थानों पर वर्कशॉप व जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया।
सीजेएम डॉ. इरम हसन ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय नशा व मादक पदार्थ निषेध दिवस के उपलक्ष में 24 से 30 जून तक जिला के विभिन्न स्थानों पर जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

कांग्रेस ने हमेशा उड़ाई संविधान की धज्जियां: जगदीश मेहता

टीम एक्शन इंडिया
रादौर, 26 जून (कुलदीप सैनी) भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित संविधान की हत्या आपातकाल के काले दिन कार्यक्रम के तहत प्रदेशभर में आपातकाल पीड़ितों को सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में जिले में भी प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने आपातकाल के दंश झेलने वाले लोगों व उनके परिजनों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान जठलाना के वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश मेहता को भी उनके परिवार के संघर्षों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।
कार्यक्रम के उपरांत जठलाना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा नेता जगदीश मेहता ने

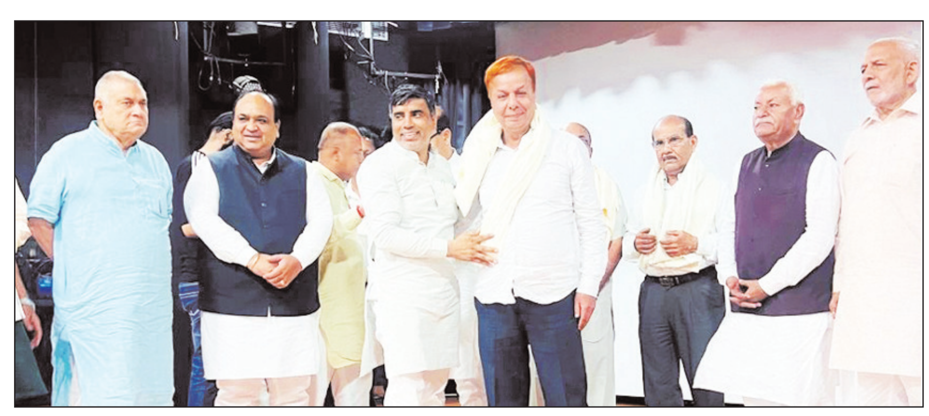

कहा कि आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी सरकार ने लोगों के मौलिक अधिकार छीन लिए थे। प्रेस की स्वतंत्रता को कुचल दिया गया और डर का वातावरण बना दिया गया। उन्होंने कहा कि उस समय पत्रकारों को कच्चे धागों से लटकती तलवार के नीचे काम करना पड़ा, जिससे अभिव्यक्ति की आजादी पूरी तरह से खत्म हो गई थी। मेहता ने बताया कि कांग्रेस आज संविधान की दुहाई दे रही हैं, जबकि उस कांग्रेस शासन में ही संविधान की धज्जियां उड़ाई गई। न्यायपालिका, कार्यपालिका और यहां तक कि आम नागरिकों की स्वतंत्रता तक को कुचल दिया गया था।

समस्याओं के समाधान को लेकर अधिकारी आत्मबल का करें उपयोग: उपायुक्त

टीम एक्शन इंडिया
पानीपत, (कमाल हुसैन) हरियाणा सरकार के दिशा-निर्देश पर प्रदेश भर में सोमवार व वीरवार को आयोजित किए जा रहे जनता समाधान शिविर में आमजन की समस्याओं का जिस तीव्र गति से समाधान हो रहा है, उससे आमजन खुश है। उपायुक्त डॉ. विरेन्द्र कुमार दहिया ने वीरवार को जनता समाधान शिविर की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आमजन की समस्याओं के निदान को लेकर और गंभीरता से अपने आत्मबल का प्रयोग करें।
नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता समाधान

शिविर में जो समस्याएं आ रही हैं, उनका निश्चित समय अवधि में समाधान करें। आमजन पर सरकार के इस कार्यक्रम का बड़ा प्रभाव है। इसलिए जो समस्याएं इसमें प्राप्त होती हैं, उन पर व्यक्तिगत रूची लें।
पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने कहा कि पुलिस विभाग से सम्बन्धित किसी भी समस्या के समाधान में देरी नहीं होनी चाहिए। सम्बन्धित अधिकारी शिविर में आने वाली समस्याओं का गहनता से अध्ययन करें व जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान करें। ये जनता समाधान शिविर जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए आयोजित किए जा रहे हैं।
निगम संयुक्त आयुक्त डॉ संजय ने जन समस्याओं की सुनवाई करते हुए कहा कि इन जनता समाधान शिविरों में आने वाली समस्याओं का समाधान जितना तीव्रता से होगा, आमजन की नजर में प्रशासन की छवि और बेहतर बनेगी। नगराधीश टीनू पोसवाल ने जन समस्याओं की सुनवाई करते हुए कहा कि इन जनता समाधान शिविरों में अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचने वाले लोगों की प्रशासन के प्रति गहरी आस्था है। हमें उनके इस विश्वास को कायम रखना है।
समाधान शिविर में प्रार्थी पवन व उसकी पत्नी वासी सिवाह ने बताया कि वह दोनों विकलांग है वह उनके घर पानी की समस्या है। उन्होंने जन स्वास्थ्य विभाग से पानी की व्यवस्था करने का अनुरोध किया। उपायुक्त ने कार्रवाई करने की निर्देश दिए। समाधान शिविर में बिजेंदर जो विकलांग है। उन्होंने प्रशासन से आर्थिक सहायता का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि उनकी स्थिति बहुत ही निर्मम बनी हुई है। उपायुक्त ने संबंधित विभाग को ध्यान देने का के निर्देश दिए।
प्रार्थी दिनेश वासी सनौली खुर्द ने अवैध रूप से संचालित किये जा रहे सब्जी के केंद्र को बंद करवाने की अपील प्रशासन से की। उन्होंने अवैध रूप से चल रही सब्जी मंडी के दुषपरिणाम से भी प्रशासन को अवगत कराया।

नशामुक्त भारत अभियान तथा नशा मुक्त हरियाणा अभियान का बने हिस्सा :मीणा

टीम एक्शन इंडिया
नूंह मेवात (लियाकत अली): केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए "नशा मुक्त भारत अभियान" तथा नशा मुक्त हरियाणा को सफल बनाने हेतु जिला प्रशासन नूंह द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालना, जनमानस को जागरूक करना तथा समाज को नशा मुक्त बनाना है। उपायुक्त ने वीरवार को लघु सचिवालय के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में स्थित जिला प्रशासन के अधिकारियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलवाई।
उपायुक्त नूंह ने जानकारी दी कि

जिले में विभिन्न स्तरों पर जन-जागरूकता रैलियाँ, कॉलेजों में विशेष सत्र, दीवार लेखन, नुक्कड़ नाटक, तथा स्वैच्छिक शपथ कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में छात्रों, युवाओं, शिक्षकों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।
उन्होंने बताया कि नशा निवारण हेतु परामर्श सेवाएँ भी चालू की गई हैं, ताकि नशा करने वाले व्यक्तियों को समय रहते सही मार्गदर्शन और चिकित्सा सुविधा मिल सके।

न्यूज फ्लैश

आमजन की समस्याओं का अधिकारी जल्द करे निपटान: अभिषेक गर्ग

टीम एक्शन इंडिया
मनीष कुमार

अम्बाला: नगराधीश अभिषेक गर्ग ने कहा कि समाधान शिविर का मुख्यत: उदेश्य लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर जल्द समाधान सुनिश्चित करना है। सभी अधिकारी इसी ध्येय के साथ लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता से निपटान करें। नगराधीश उपायुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर की अध्यक्षता कर रहें थे। उन्होंने समाधान शिविर मे पंहुचे शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुना और साथ ही उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। नगरधीश ने कहा कि उपायुक्त अजय सिंह तोमर के मार्गदर्शन मे आम नागरिकों की समस्याओं का जल्द समाधान करने के उदेश्य से समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह समाधान शिविर जिला स्तर पर उपायुक्त कार्यालय अंबाला शहर व उपमण्डल स्तर पर सम्बंधित एसडीएम कार्यालय मे सोमवार व वीरवार को सुबह 10 बजें से 12 बजें तक लगाएं जा रहें है। इन समाधान शिविरों मे जिलें का कोई भी नागरिक अपनी समस्याओं को रख सकता है। खाश बात यह है कि इन समाधान शिविरों में संबंधित विभाग के अधिकारीगण एक स्थान पर मौजूद रह कर लोगो की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करते है। बता दें कि इस मौके पर समाधान शिविर में कुल 3 शिकायतें प्राप्त हुई जिनका नगराधीश द्वारा जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर डीएसपी विजय कुमार, डिप्टी सिविल सर्जन बलजिन्द्र कौर, एसडीओ लोक निर्माण विभाग संजय कुमार, समाज कल्याण विभाग से अवतार सिंह, जिला कष्ट निवारण समिति के गैर-सरकारी सदस्य साहब सिंह के साथ-साथ अन्य विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहें।

नशे के खिलाफ साइकिल रैली निकाल किया जागरूक

टीम एक्शन इंडिया
मनीष कुमार

अम्बाला: अम्बाला पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जा रही है और इसके साथ-साथ जिला अम्बाला में नशे की रोकथाम, नशे से दूर रहने, नशे के दुष्परिणामों बारे आम नागरिको विशेषकर युवाओं को जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान की भी शुरूआत की गई है। अम्बाला पुलिस ने नशामुक्त अभियान 12 जून 2025 से 26 जून 2025 तक अम्बाला के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चलाकर गाँव/वार्ड व कस्बों के हजारों युवाओं/आमजन को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया। इसी कड़ी में आज अन्तर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर पुलिस महानिरीक्षक अम्बाला मण्डल पंकज नैन के दिशानिदेर्शानुसार तथा पुलिस अधीक्षक अम्बाला अजीत सिंह शेखावत के नेतृत्व में एनडीपीएस टीम इन्चार्ज उप-निरीक्षक सतीश कुमार व उनकी टीम ने हर्बल पार्क अम्बाला शहर से नशे के खिलाफ साईकिल रैली निकाल कर युवाओं/आमजन को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक अम्बाला ने सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों व प्रबन्धक थाना को निर्देश दिए हुए है कि वह अपने-2 थानाधिकार क्षेत्रों में नशें की रोकथाम के लिए आमजन से सम्पर्क कर नशा बेचने/खरीदने वालों का पता लगाकर उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही करें।

शौर्य स्मारक बनाने को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव ने की बैठक

सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग द्वारा 16 एकड़ जमीन की खरीद प्रक्रिया अंतिम चरण में

दौरा

□ विकास खारगे के नेतृत्व में पानीपत जिला प्रशासन के अधिकारियों ने काला आम्ब स्मारक स्थल का दौरा किया

टीम एक्शन इंडिया
पानीपत, (कमाल हुसैन)

पानीपत के काला आम्ब स्थित शौर्य स्मारक बनाने को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खारगे के नेतृत्व में वीरवार को पानीपत जिला प्रशासन के अधिकारियों ने काला आम्ब स्मारक स्थल का दौरा किया और इसे बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने इससे पहले पानीपत के जिला सचिवालय में अधिकारियों की बैठक भी ली। उन्होंने शहीद वीर मराठों को नमन करते हुए स्मारक पर पुष्प भी अर्पित किए। उन्होंने म्यूजियम का भी दौरा किया।
उन्होंने कहा कि यह स्मारक बनना पूरे भारत के लिए गौरव की बात है। यह देश के लिए शौर्य का प्रतीक है और जहां पर लाखों लोगों ने अपनी शहादत दी थी। स्मारक बनाने के संकल्प को लेकर हरियाणा और महाराष्ट्र सरकार समन्वय स्थापित कर रही है। उन्होंने इसके लिए हरियाणा सरकार का भी धन्यवाद किया और इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए प्रशंसा की।
बैठक में उपायुक्त डॉ. विरेन्द्र कुमार दहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि सम्बंधित किसानों से ई-भूमि पोर्टल के माध्यम से भूमि की खरीद प्रक्रिया अंतिम चरण में है। वर्तमान में 7 एकड़ जगह काला आम्ब स्मारक में उपलब्ध है। 16 एकड़ भूमि सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग द्वारा जमीन खरीदने की प्रक्रिया जारी है और इसके बाद आगे की कार्यवाही शुरू की जाएगी। 23 एकड़ में यह स्मारक भव्य और आकर्षक रूप में विकसित किया जाएगा।
उन्होंने बताया कि भूमि अलॉट होने के बाद हरियाणा सरकार की ओर से विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों के साथ तालमेल कर संयुक्त कमेटी का गठन कर इसको बनाने को लेकर सलाहकार नियुक्त करेंगे और बाद की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस कार्य के लिए अनुभवी सलाहकारों की सेवाएं ली जाएंगी ताकि यहां एक ऐसा टूरिस्ट सपॉट बनाया जा सके जो उत्कृष्ट और आकर्षक हो।
डीसी डॉ. विरेन्द्र कुमार दहिया ने बताया कि इस कार्य में सर्वे ऑफ इंडिया (ए.एस.आई.) विभाग का भी सहयोग लिया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार की ओर से कॉन्सेप्ट डिजाईन को लेकर भी बातचीत की जाएगी और नियमानुसार कार्य किया जाएगा। विख्यात इतिहासकारों से भी ऐतिहासिक जानकारी लेकर तथ्यात्मक रूप से उन्हें आधुनिक ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा।
बैठक में सुझाव दिए गए कि स्मारक में वीर शिवाजी की बड़ी प्रतिमा स्थापित होगी।
स्थानीय हथकरघा के कार्यो को बढ़ावा देने के लिए दुकानें, कैफेटेरिया, म्यूजियम, इण्टरसेप्शन सेंटर, लाईट एण्ड साउण्ड शो इत्यादि भी स्थापित किए जाएंगे।

डीसी ने ईवीएम व वीवीपैट के लिये वेयरहाउस का किया निरीक्षण

टीम एक्शन इंडिया
मनीष कुमार

अम्बाला: उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने कल्पना चावला महिला बहुतकनीकी संस्थान में ईवीएम व वीवीपैट के लिये स्थापित किये गये वेयरहाउस का भौतिक निरीक्षण किया। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान वेयर हाउस के गेट पर लगे ताले की सील को चेक करने के साथ-साथ सुरक्षा की दृष्टि से यहां पर लगाये गये सीसीटीवी कैमरों के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने निरीक्षण के दौरान यहां पर की गई व्यवस्थाओं जैसे अग्निशमन यंत्र, सिक्योरिटी व अन्य बिन्दूओं के बारे चुनाव कार्यालय से आये कर्मचारी से जानकारी ली। इस मौके पर उन्होंने गार्द इंचार्ज से यहां पर सुरक्षा की दृष्टि से कितनी गार्द लगाई गई है और डयूटी रोस्टर क्या है उसकी भी जानकारी ली। उन्होंने इस मौके पर चुनाव कार्यालय से आए सहायक प्रीतम कौशिक से वेयर हाउस में जो ईवीएम मशीने यहां पर हैं उसकी जानकारी ली। चुनाव कार्यालय से आए कानूनगो मंजू ने बताया कि वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया जाता है और इसी कड़ी में आज निरीक्षण करते हुए यहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया हैं। निरीक्षण के उपरांत यहां की वास्तविक रिपोर्ट चुनाव आयोग को भेजी जाती है। इस मौके पर डीआईपीआरओ धर्मेन्द्र कुमार, कानूनगो मंजू, सहायक प्रीतम कौशिक, चुनाव कार्यालय से जूनियर प्रोग्रामर रीचू गुप्ता, अनिल भारद्वाज के साथ-साथ अन्य मौजूद रहे।

जन सहयोग से ही बनेगा नशा मुक्त समाज: डीएसपी

टीम एक्शन इंडिया
इंद्री, (मैनपाल कश्यप)

नशा आज समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। इससे ना केवल युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है, बल्कि परिवार और समाज भी बबार्दी की कगार पर पहुंच रहे हैं। ऐसे में इस सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए समाज के हर वर्ग की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार एवं पुलिस प्रशासन की ओर से नशे के खिलाफ समय-समय पर विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन जब तक जनता की सक्रिय भागीदारी नहीं होगी, तब तक इस समस्या को जड़ से समाप्त करना संभव नहीं है। डीएसपी गौतम ने बताया कि नशे के कारण युवा वर्ग अपराध, बेरोजगारी और शारीरिक-मानसिक रोगों की गिरफ्त में आ रहा है, जिससे समाज में असंतुलन और अराजकता फैल रही है। डीएसपी ने कहा नशा समाज, प्रदेश और देश के लिए एक अभिशाप बनता जा रहा है। यह केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं करता, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। हमें एकजुट होकर इस बुराई के खिलाफ लड़ना होगा॥ उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा नशा बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और आगे भी यह मुहिम और तेज की जाएगी।

अवैध अतिक्रमण विषय को लेकर डीसी ने की बैठक

दिशा-निर्देश

□ अधिकारियों की बैठक लेते हुए एंजैडे वाईज समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

टीम एक्शन इंडिया
मनीष कुमार

अम्बाला: उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने अपने कार्यालय में अवैध अतिक्रमण विषय को लेकर सम्बन्धित अधिकारियों की बैठक लेते हुए एंजैडे वाईज समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने पिछली बैठक के दौरान जिन विषयों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे उसकी भी समीक्षा की। अवैध अतिक्रमण विषय में किसी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने अवैध अतिक्रमण से सम्बन्धित विषय पर भी जिला नगर योजनाकार व नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे संयुक्त रूप से शैडयूल बनाकर कहीं पर भी यदि नई अवैध कालोनी के निर्माण से सम्बन्धित उनके पास शिकायत आती है तो वे नोटिस व अन्य औपचारिकताएं पूरी करते हुए आगामी कार्रवाई अमल में लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कहीं पर भी अवैध कालोनियां पनपनी नहीं चाहिए।
सम्बन्धित एसडीएम अपने-अपने क्षेत्रों में यह सुनिश्चित करें कि यदि कहीं पर भी उन्हें अवैध कालोनी पनपने की शिकायत मिलती है तो वे नियमानुसार सम्बन्धित को नोटिस दें और उसके बाद आगामी कार्रवाई करें। जिला नगर योजनाकार ने उपायुक्त को बताया कि उनके विभाग द्वारा 13 जगहों पर अवैध अतिक्रमण हटाने के दृष्टिगत शैडयूल के मुताबिक 8 जगहों पर कार्रवाई की गई है और इसके साथ-साथ दो एफआईआर भी दर्ज की गई है। इसके अलावा अनाधिकृत कालोनियों के निर्माण से सम्बन्धित 10 को श्योकॉस नोटिस जारी किया गया है। शैडयूल के मुताबिक 27 जून व 30 जून को अवैध निर्माण से सम्बन्धित जो कार्रवाई है उसे अमल में लाया जाएगा। अवैध निर्माण की कार्रवाई के तहत सम्बन्धित से 51975 रूपए की राशि भी जुमार्ने के तौर पर वसूली गई है।

डीएवी स्कूल ने एनएसएस कैंप में उत्साहपूर्वक लिया भाग

टीम एक्शन इंडिया
मनीष कुमार

शिविर

□ यह शिविर एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक विजय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया

अम्बाला: डीएवी एनएसएस स्वयंसेवकों ने राज्य स्तरीय एनएसएस शिविर में लिया भाग
डी ए वी, पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अंबाला शहर के 12 समर्पित एनएसएस स्वयंसेवकों की एक टीम ने हरियाणा शिक्षा विभाग द्वारा 19 से 25 जून 2025 तक अंबाला कैंट के एस डी विद्या पब्लिक स्कूल में आयोजित राज्य स्तरीय एनएसएस शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह शिविर राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ दिनेश कुमार तथा जिला एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक विजय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। स्कूल प्रिंसिपल डॉ आर आर सूरी ने स्कूल के बच्चों को इस शिविर में भाग लेने के लिए प्रेरित किया तथा उनके लिए बस सुविधा भी प्रदान की। शिविर की शुरूआत लक्ष्य गान के गायन के साथ हुई, जिसके बाद एक जीवंत स्वागत नृत्य हुआ, जिसने आने वाले दिनों के लिए एक उत्साहपूर्ण माहौल तैयार किया। पूरे सप्ताह तक चले शिविर के दौरान, छात्रों ने जागरूकता, आत्मविश्वास और नागरिक जिम्मेदारी का निर्माण करने के लिए डिजाइन की गई कई गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रमुख कार्यक्रमों में वाद-विवाद और भाषण प्रतियोगिताएं, एकल और समूह नृत्य प्रदर्शन, सड़क सुरक्षा, आत्मरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा पर सत्र और 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' पर एक रैली शामिल थी।

पश्चिमी यमुना नहर की पटरी पर मिला 30 वर्षीय अज्ञात युवक का शव

टीम एक्शन इंडिया
इंद्री (मैनपाल कश्यप): इंद्री क्षेत्र में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब इंद्री की पश्चिमी यमुना नहर की पटरी के पास एक 30 वर्षीय अज्ञात युवक का शव पड़ा मिला। शव की स्थिति और घटनास्थल की परिस्थिति को देखते हुए पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है।
फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। घटना की सूचना सुबह लगभग 11 बजे पुलिस को मिली, जब किसी अज्ञात व्यक्ति ने 112 नंबर पर कॉल कर जानकारी दी कि नहर की पटरी पर एक शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर डीएसपी सतीश गौतम, एसएचओ विपिन कुमार सहित फोरेंसिक टीम भी पहुंची और जांच शुरू की गई। पुलिस द्वारा शव की जांच के दौरान यह सामने आया कि मृतक की उम्र लगभग 30 वर्ष है और उसके चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान मौजूद हैं। हाथ पर ॥हरदीप॥ नाम लिखा हुआ है, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि मृतक का नाम हरदीप हो सकता है हालांकि अभी तक शव की पहचान नहीं हो पाई।

युवक ने लगाई फांसी

यमुनानगर। मानसिक रूप से परेशान युवक ने घर में छत से फांसी लेकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजन को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार बीएनएस 194 के तहत कार्रवाई की गई। मृतक के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला। जिसमें उसने किसी को भी अपनी आत्महत्या का दोषी नहीं ठहराया। मृतक की पहचान तेजपंत सिंह (31) निवासी प्रोफेसर कॉलोनी के रूप में हुई। मृतक के पारिवारिक जानकार बलजीत सिंह व मंजीत सिंह ने बताया कि तेजपंत सिंह अपने व्यापार में कामयाब न होने के कारण नुकसान उठा चुका था।

एसडीएम ने जलभराव की समस्या को लेकर की बैठक

टीम एक्शन इंडिया
इंद्री, 26 जून (मैनपाल कश्यप)

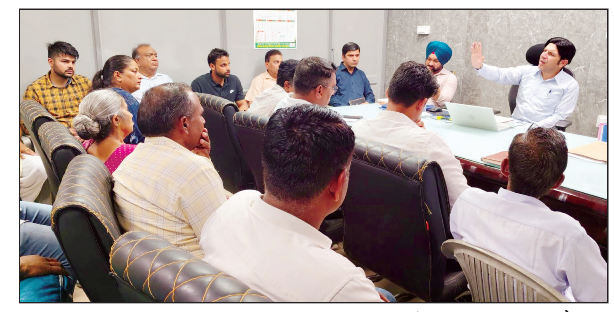

बरसात के मौसम में शहर और यमुना नदी के आसपास के गांवों में जलभराव की समस्या को लेकर एसडीएम अशोक मुंजाल ने गुरुवार को अपने कार्यालय में संबंधित विभागों के अधिकारियों, ग्राम सचिवों, नगर पार्षदों और सरपंचों की बैठक की। उन्होंने इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। बैठक को संबोधित करते हुए एसडीएम मुंजाल ने कहा कि बरसाती पानी के कारण जलभराव से स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने अधिकारियों को बार-बार निरीक्षण करने और जलभराव की समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के बीच बेहतर तालमेल बनाकर बरसाती पानी की निकासी के लिए उचित प्रबंध किए जाएं।
एसडीएम ने नगरपालिका सचिव को निर्देश दिए कि वे शहर में जल निकासी व्यवस्था को प्रभावी बनाएं और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने साफ-सफाई कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त न करने की चेतावनी देते हुए बताया कि वे खुद भी औचक निरीक्षण करेंगे। उन्होंने सरपंचों से अपील की कि वे जलभराव से जुड़ी समस्याओं को संबंधित विभागों के अधिकारियों तक तुरंत पहुंचाएं और प्रशासन के साथ मिलकर समाधान में सहयोग करें।
उन्होंने कहा कि जल निकासी के दौरान किसी भी व्यक्ति को कोई असुविधा या नुकसान न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाए। बैठक में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी गुरमालक सिंह, पीडब्ल्यूडी के एसडीओ रोहतास सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष राकेश पाल, नगरपालिका सचिव धर्मबीर सिंह, पंचायती राज के एसडीओ हुकमचंद, हिमांशु, जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ गौरव धीमान, पब्लिक हेल्थ के जेई मुकेश वर्मा, पार्षद शशिकांता तथा विभिन्न गांवों के सरपंच भी उपस्थित रहे।

चालक प्रशिक्षुओं को नशे से दूर रहने के लिए किया जागरूक

टीम एक्शन इंडिया
पानीपत, (कमाल हुसैन)

नशामुक्त जीवन

□ नशामुक्त जीवन अपनाएं युवा- नशे से रहोगे दूर तो जीवन जी पाओगे भरपूर- एनसीबी उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह, भापुसे के दिशानिर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा, भापुसे और पुलिस अधीक्षक श्रीमती पंखुड़ी कुमार के नेतृत्व में नशे के विरुद्ध निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इस कड़ी में ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा पानीपत पहुंचे और अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर चालक प्रशिक्षुओं को नशे के दुष्प्रभावों से परिचित करा उन्हें दूर रहने के लिए जागरूक किया। उन्होंने बताया कि 7 दिसंबर 1987 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा सर्वसम्मति से पूरे विश्व में 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव पारित किया गया था। तब से विश्व के लोगों को नशीली वस्तुओं और पदार्थों के सेवन और उपभोग से होने वाले दुष्प्रभावों बारे जागरूक करने का कार्य आरम्भ हुआ था। भारत सरकार द्वारा 2016 में एक सर्वेक्षण कराया गया और उसके पश्चात नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम कर इस समस्या को समूल नष्ट करने का कार्य आरम्भ हुआ। उन्होंने प्रशिक्षुओं को नशे के विरुद्ध जागरूक करते हुए बताया कि ब्यूरो द्वारा हरियाणा के जन जन को नशे के विरुद्ध जागरूक किया जा रहा है ताकि कोई व्यक्ति जागरूकता से वंचित न रह जाए। हरियाणा सरकार द्वारा नशा मुक्त और योग युक्त जीवन अपनाने के लिए भरसक प्रयास किये जा रहे हैं। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो और पुलिस निरंतर नशा तस्करों की धरपकड़ में जुटी हुई है। सबका लक्ष्य केवल एक है युवा नशे से दूर रहे और स्वस्थ जीवन यापन करे। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी में संलिप्त अपराधियों की गुप्त सूचनाएं 1933 अथवा ठउइ टअठअर पोर्टल अथवा हरियाणा के लिए 9050891508 पर देकर एक जागरूक नागरिक का कर्तव्य निर्वहन करें। उन्होंने अपनी लोकप्रिय कविता का के माध्यम से प्रशिक्षुओं को संदेश दिया- यदि नशा होता अच्छा, सबसे पहले माँ कहती खा ले मेरे बच्चा। जन्म होते ही शहद की जगह एक कटोरी में कोई नशा लेती। ऊँगली डूबा कर हमारी जिव्हा पर चटा देती। जिसका पिता पीता है, वो कहता थोड़ी सी पी ले। काहें करता है चिंता अपनी जिंदगी जी ले।

शाहाबाद अमन होटल पर बदमाशों ने की 20 राउंड फायरिंग, कोई हताहत नहीं

शाहबाद मारकंडा 26 जून (प्रदीप कुमार)

शाहाबाद डीसीपी रामकुमार ने बताया कि घटना सुबह करीब 5:00 बजे की है जब दो युवक बाइक पर सवार होकर आए और अमन होटल के पार्किंग एरिया में 20 राउंड फायर किए। उन्होंने कहा कि इस फायरिंग में ग्राहकों की कुछ गाड़ियों का नुकसान हुआ है कोई जानी-मानी नुकसान की खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि अपराधियों द्वारा एक कांटेक्ट नंबर भी छोड़ गया है जिससे यह लगता है कि यह फिरौती मांगने का मामला है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं जिससे की अपराधियों के बारे में जानकारी मिल सके। हम आपको बता दें कि यह शाहाबाद में पहला मामला नहीं है जब अपराधी बेखौफ गोलियां चलाकर चले जाते हैं ऐसी घटनाएं लगातार नजर आ रही है चाहे वह आइलेट सेंटर पर गोली चलाने का मामला हो या फिर शराब कारोबारी की गोली मारकर हत्या करने का मामला यह सब मामलों में अपराधी अपराध को अंजाम दे आसानी से फरार हो जाते हैं लेकिन पुलिस हाथ पैर हाथ धरे बैठी रहती है।

सीडीएलयू को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा, दाखिले की अंतिम तिथि 7 जुलाई

जानकारी

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने यह जानकारी पत्रकारों से वार्ता करते हुए दी।

टीम एक्शन इंडिया
सिरसा, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा को शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने यह जानकारी पत्रकारों से वार्ता करते हुए दी।

उन्होंने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट्स में यूजी और पीजी की कुल 1926 सीटों तथा यूनिवर्सिटी स्कूल फॉर ग्रेजुएट स्टडीज (वरत्र्ऋ) में 640 सीटों पर दाखिला प्रक्रिया जारी है। विभिन्न पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि 7 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ-साथ उन्हें व्यवहारिक रूप से दक्ष बनाने के लिए संकल्पबद्ध है।

उन्होंने बताया कि सीडीएलयू प्रदेश का ऐसा पहला विश्वविद्यालय है जिसने स्नातक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ठएढ) को प्रभावी रूप से लागू किया और अब सत्र 2025-26 से परास्नातक स्तर पर भी ठएढ को पूरी तरह से लागू किया जा रहा है।उद्योग जगत की मांग के अनुरूप नए पाठ्यक्रम तैयार होंगे

उन्होंने कहा कि उद्योग जगत की मांग के अनुरूप कोर्सेज की मैपिंग हेतु विशेषज्ञों की एक समिति गठित की गई है, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर डिमांडिंग कोर्सेज की सूची तैयार करेगी। यह सूची न केवल स्थानीय बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाई जाएगी।

शोध को समाज उन्मुख और उपयोगी बनाया जाएगा

प्रो. कुमार ने बताया कि शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें समाज से जोड़ा जाएगा ताकि छात्रों द्वारा किए गए शोध कार्यों से जनसामान्य को भी लाभ मिल सके। सभी प्राध्यापकों और नॉन-टीचिंग स्टाफ को अकादमिक और एक्शन प्लान प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया है। प्रो. विजय कुमार ने कहा कि इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च को बढ़ावा देना, नवाचार को संस्थागत स्वरूप देना और विद्यार्थियों के लिए आधुनिक, व्यावसायिक और समाज उपयोगी शिक्षा का वातावरण बनाना विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पुराने मार्केट कमेटी कार्यालय के जर्जर भवन को तोड़कर जमीन खाली करवाने की करी मांग

मांग

रेलवे सिटिजन पार्क के सामने सालों से बंद पड़ा मार्केट कमेटी का पुराना कार्यालय कंडम हो चुका है।

टीम एक्शन इंडिया
गन्नौर। रेलवे सिटिजन पार्क के सामने कई सालों से बंद पड़ा मार्केट कमेटी का पुराना कार्यालय कंडम हो चुका है। जिस वजह से यह कार्यालय अब नशेड़ियों और असमाजिक तत्वों का अड्डा बनते जा रहे हैं। शाम होते ही क्षेत्र के शराबी, चोर व नशेड़ी इस अपने उपयोग में लेते हैं। इससे यहां का माहौल खराब हो रहा है। वार्ड 15 की पार्षद शिवानी जैन ने इस संबंध में समाधान शिविर में शिकायत भी दर्ज करवाई है।

पार्षद शिवानी जैन ने बताया कि मार्केट कमेटी का पुराना जर्जर भवन 1200 गज में फैला है। यह कार्यालय कई वर्षों से बंद है, जिससे यह जमीन किसी काम में नहीं आ रही। उन्होंने शिकायत में एसडीएम प्रवेश कादियान से कंडम भवन तोड़ कर जमीन खाली करवाने की मांग की है, जिससे आस-पास के लोग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें।

- ट्यूबवैल वाली जगह की सफाई करवाने की मांग

पार्षद शिवानी जैन ने शिकायत दी कि पुरानी अनाज मंडी के पीछे जिस जगह जनस्वास्थ्य विभाग का ट्यूबवैल लगा है वहां गंदगी के ढेर लगे हैं। उसकी सफाई करवाने के साथ ही वहां चार दीवारी करवाई जानी चाहिए। इसके साथ ही पार्षद ने रेलवे रोड से पुराने मार्केट कमेटी रोड पर स्ट्रीट लाइटें लगवाने की भी मांग की है।

न्यूज फ्लैश

12 लाख कीमत की 129 ग्राम हैरोईन व 220000/ - नकदी व स्कारपियो गाडी सहित दो नशा तस्कर पति पत्नी दबोचे

सिरसा (रणबीर खटक)/टीम एक्शन इंडिया
ए.एन.सी. सिरसा पुलिस टीम ने गश्त और चेकिंग के दौरान महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए स्कारपियो गाडी सहित दो नशा तस्कर को भारतनगर के पास गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान मोनू पुत्र लक्षमण वासी माधोसिघाना व कनिका पत्नी मोनू वासी माधोसिघाना के रूप में हुई है। दोनो के कब्जे से 129 ग्राम हैरोईन बरामद हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना शहर सिरसा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की है।

उप नि0 राजेन्द्र कुमार प्रभारी ए.एन.सी. ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनो आरोपियों के विरुद्ध थाना शहर सिरसा में एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपीयों को कल अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि पूछताछ के जरिए नशा तस्करी के पीछे सक्रिय नेटवर्क और आपूर्ति श्रृंखला का खुलासा किया जा सके। उन्होने बताया कि पुलिस हिरासत के दौरान गहन पूछताछ कर नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सिरसा पुलिस की यह निरंतर कोशिश है कि जिले को नशा मुक्त बनाकर युवाओं को सुरक्षित भविष्य की दिशा में प्रेरित किया जाए।

नालसा डॉन योजना के तहत कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सिरसा/टीम एक्शन इंडिया
अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिरसा की ओर से नालसा डॉन योजना 2025 के अंतर्गत एक कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन नागरिक अस्पताल में किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी अमित ने विशेष रूप से भाग लिया। इस अवसर पर डिप्टी एलएडीसी कंवरजीत सिंह गिल और असिस्टेंट एलएडीसी देवेंद्र कौर ने स्टाफ नर्सों, नर्सिंग छात्रों, आशा वर्करों तथा आम नागरिकों को नालसा डॉन योजना और नालसा सहायता हेल्पलाइन 15100 के बारे में जागरूक किया।

इस अवसर पर नर्सिंग छात्रों की एक जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया, जिसकी शुरूआत न्यायिक दंडाधिकारी अमित ने जिला एडीआर सेंटर से हरी झंडी दिखाकर की। रैली के माध्यम से मादक द्रव्यों के सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया और सभी प्रतिभागियों ने ह्यनशे को ना, जीवन को हां कहेंह्न का संदेश दिया।

प्रत्येक गांव में बनेगी बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति, बच्चों के अधिकारों की रक्षा को मिलेगी मजबूती

गन्नौर । बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके समग्र विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक गांव में बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति गठित की जाएगी। इस संबंध में खंड विकास एवं पंचायत विभाग के सभागार में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक डा. राज सिंह सांगवान ने समिति की भूमिका और कार्यप्रणाली पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्राम स्तर पर बच्चों से जुड़े मुद्दों जैसे बाल विवाह, बाल श्रम, यौन शोषण, तस्करी आदि की पहचान, रिपोर्टिंग और रोकथाम के लिए यह समितियां प्रभावी भूमिका निभाएंगी। साथ ही संकट में फंसे बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, सीडब्लूसी व डीसीपीयू से जोड़ा जाएगा। डा. सांगवान ने प्रशिक्षण में यह भी बताया कि समितियां हर माह बैठकें कर बच्चों की स्थिति का आकलन करेंगी और जरूरत पड़ने पर संबंधित विभागों को सूचना देंगी। कार्यक्रम में सभी ग्राम सचिव, पंच, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता व युवा शामिल हुए। इस अवसर पर खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय से शिव कुमार, मुकेश कुमार, दोपाल, सरिता, विकसा व रम्मना मौजूद रहे।

3.5 एकड़ भूमि पर विकसित हो रही कालोनी पर चला पंजा

अभियान

जिला नगर योजनाकार अधिकारी के नेतृत्व में टीम पुलिस बल के साथ जेसीबी को लेकर पहुंची।

टीम एक्शन इंडिया
गन्नौर
जिला नगर योजनाकार विभाग ने वीरवार को गन्नौर-अगवानपुर रोड पर पनप रही अवैध कालोनियों और निमार्णों को ध्वस्त करने के लिए अभियान चलाया गया। जिला नगर योजनाकार अधिकारी अजमेर सिंह के नेतृत्व में विभाग की टीम पुलिस बल के साथ जेसीबी को लेकर पहुंची। टीम ने लगभग 3.5 एकड़ भूमि पर विकसित हो रही कालोनी पर कार्रवाई करते हुए 5 डीपीसी, एक बाउंड्री वाल व कच्चा रोड को ध्वस्त किया गया। जिला नगर योजनाकार ने स्पष्ट किया कि किसी भी अवेध निर्माण, कालोनी के निर्माण की अनुमति नहीं है। विभाग द्वारा सभी क्षेत्रों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है और यदि कोई व्यक्ति अवेध कालोनी विकसित करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील करी कि अवैध कालोनियों से संबंधित शिकायत जिला नगर योजनाकार विभाग को दें ताकि कार्रवाई की जाए।

अपने अंदर छिपे गुणों को पहचान कर अवगुणों को बाहर निकालें: उपेंद्र मुनि

टीम एक्शन इंडिया
गन्नौर। गन्नौर मंडी के जैन स्थानक में वीरवार को पंडित रत्न आचार्य उपेंद्र मुनि महाराज का आगमन हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और प्रवचनों का लाभ लिया। महाराज उपेंद्र मुनि ने जीवन विकास के सूत्र विषय पर अपने विचार प्रकट किए। उन्होंने बताया कि जीवन में सफलता और आत्मिक उन्नति के लिए समझ, जिम्मेदारी, दूरदृष्टि, गंभीरता, विश्वसनीयता, ईमानदारी और बहादुरी आवश्यक है। मुनि ने कहा कि अपने तन और मन को शुद्ध और पवित्र रखना चाहिए। गंदी भावना बार-बार गंगा स्नान करने पर भी शुद्ध नहीं होती। दान धन को और योग जीवन को पवित्र व शुद्ध करते हैं। स्कंद पुराण में कहा गया है कि मानसिक मल को धोने से मन शुद्ध होता है। संयम साधना से मनुष्य पवित्र होता है। उपेंद्र मुनि ने कहा कि घमंड के कारण ही इंसान का पतन होता है। अपने अंदर छिपे गुणों को पहचान कर अवगुणों को बाहर निकालने का प्रयास करना चाहिए।

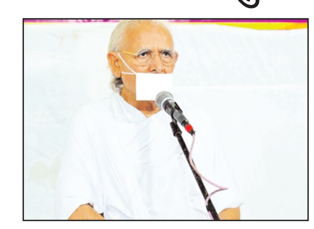

विद्यार्थियों ने नशा न करने की ली प्रतिज्ञा

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस
करनाल।
आज अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बसताड़ा में नशे के विरुद्ध एक दिवसीय 248वां जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी एवं उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने यह कार्यक्रम किया।

संस्थान के प्राचार्य सुधीर कांबोज और वर्ग अनुदेशक दिनेश कुमार की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम हुआ, जिसमें 215 विद्यार्थियों, 9 अनुदेशकों और 4 अन्य कर्मियों ने भाग लिया। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ.अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतिबंधित नशों की रोकथाम के लिए भारत में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटांस एक्ट 1985 लागू है। प्रतिबंधित नशों में अफीम, चरस, हीरोइन, भांग, नशीली गोलियां और नशे के टीके आदि आते हैं, जो पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है अर्थात उत्पादन करना, निर्माण करना, रखना, सेवन करना, खरीदना और बेचने के अतिरिक्त ऐसे कार्य में किसी की सहायता करना दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है।

श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर गोशाला वाली गली में दूषित पानी से परेशान हैं लोग

गन्नौर ।हरिनगर स्थित श्री कृष्ण प्रणामी गोशाला व मंदिर की जाने वाली मुख्य गली में नाले का दूषित पानी लगातार भरा रहता है। स्थिति यह है कि करीब 1 फुट तक पानी सड़क पर हर समय जमा रहता है, जिससे श्रद्धालुओं को मंदिर और गोशाला तक पहुंचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद नगरपालिका ने अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया। यह गली कीचड़, बदबू और गंदगी से भरी रहती है। श्रद्धालुओं को गोशाला व मंदिर में पूजा आयोजनों में शामिल होने के लिए

इसी दूषित पानी से होकर गुजरना पड़ता है। इससे न केवल असुविधा होती है, बल्कि संक्रमण और बीमारियों का भी खतरा बना रहता है। स्थानीय निवासी कहते हैं कि अफसर सिर्फ दफ्तरों तक सीमित हैं, उन्हें जमीन पर उतरकर भी देखना चाहिए कि लोग किन हालात में जी रहे हैं। प्रशासन की अनदेखी के चलते यह समस्या अब बड़ी बनती जा रही है। स्थानीय लोगों ने जल्द से जल्द गली की सफाई और जलनिकासी व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

पुराने तहसील भवन का नायब तहसीलदार ने किया निरीक्षण

गन्नौर । नायब तहसीलदार गजे सिंह ने वीरवार को पुराने तहसील भवन का निरक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुराने तहसील कार्यालय में पटवार खानों की जांच की। जांच के दौरान पटवारखानों में किसी तरह का बाहरी हस्तक्षेप नहीं मिला। इस दौरान एक पटवारी सुशील नदारद मिला, जो छुट्टी पर था। जबकि बाकी सभी 9 पटवारी और दोनों कानूनगो अपने कार्यालय में उपस्थित पाए गए। इस दौरान नायब तहसीलदार ने निर्देश दिए कि पटवारी अपने कार्यालय में किसी बाहरी व्यक्ति को न बैठने दें और अपना काम स्वयं करें। उन्होंने कहा कि बिना सूचना के अपना कार्यालय न छोड़ें, सभी समय पर कार्यालय पहुंचे

विधायक योगेंद्र राणा ने लाभार्थियों को किए चेक वितरित

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस
करनाल। विधायक योगेंद्र राणा ने गुरुवार को असंध मार्केट कमेटी कार्यालय में मुख्यमंत्री किसान एवं खेतीहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थी रमेश चंद निवासी खेड़ी सर्फअली को 37 हजार 500 रुपये और गांव ठरी के सागर को 37 हजार 500 रुपये एवं राज कुमार निवासी बल्ला को 37 हजार 500 की वित्तीय सहायता राशि के चेक वितरित किए।

विधायक योगेन्द्र राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री किसान एवं खेतीहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने बताया कि सरकार की इस योजना का लाभ उन लोगों को मिलता है

जो कृषि, मशीनरी, औजार, टूल्स, उपकरण, यंत्र व कुआं खोदने, ट्यूबवेल लगाने जैसे काम करते समय, जहरीली गैस, क्रेन, क्रेशर, कोल्हू, चारा काटने की मशीन, थ्रेसर पर कार्य करते समय दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है या कोई शरीर का अंग भंग हो जाता है। इसके अलावा किसी कृषि उपकरण को चलाते समय बिजली करंट के कारण और गाड़ी से कोई कृषि उपज ले जाते समय किसी पशु ठेला, ट्रक या किसी अन्य वाहन के साथ दुर्घटना के कारण तथा कृषि संबंधी कार्यों के दौरान कोई कीटनाशक दवाई, पेस्टीसाईड, खरपतवार नाशक दवाई के प्रयोग से तथा बिजली करंट या अग्नि संकट के समय किसान या मजदूर की मृत्यु होने पर, मार्केट यार्ड में कृषि उत्पादन उतारते शिफ्ट या तोलते समय दुर्घटना के कारण तथा कृषि कार्यों के दौरान सांप या अन्य जहरीले जीव के काटने के कारण मौत होने पर सरकार की तरफ से आर्थिक सहायता दी जाती है। इस योजना का लाभ लेने के लिए दुर्घटना होने के दो मास के अंदर आवेदन पत्र भरकर संबंधित मार्केट कमेटी कार्यालय में देना जरूरी होता है।इस मौके पर असंध मार्किट कमेटी सैक्ट्री कृष्ण धनखड़, मंडी सुपरवाइजर मोहन लाल, दीपक छाबड़ा, राम अवतार जिंदल मौजूद रहे।

कोलगेट का ओरल हेल्थ मूवमेंट - 4.5 मिलियन लोगों की जांच की गई

नई दिल्ली। कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड आठ दशक से अधिक समय से भारत में ओरल केयर क्रांति ला रहा है। कंपनी देश में ओरल हेल्थ में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में 90% लोगों को दांतों की समस्या है, लेकिन डेंटिस्ट से नियमित जांच केवल 9% लोग ही कराते हैं। इसलिए इस महत्वपूर्ण विषय पर बातचीत शुरू करना और इस बारे में कार्रवाई करना आवश्यक था। मौजूदा और आदर्श व्यवहार के बीच के अंतर को दूर करने के लिए कोलगेट ने नवंबर 2024 में ओरल हेल्थ मूवमेंट शुरू किया। इस पहल में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से लाखों भारतीयों को सशक्त बनाया गया। उन्हें अपने मोबाइल फोन से ओरल हेल्थ की जांच करने में समर्थ बनाया गया, तथा इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) के साथ साझेदारी में 50,000 डेंटिस्ट्स का नेटवर्क विकसित किया गया, ताकि उनका फ्री डेंटल चेक-अप किया जा सके। कोलगेट ओरल हेल्थ मूवमेंट में, पूरे देश में 4.5 मिलियन से अधिक भारतीयों की ओरल हेल्थ की जांच की गई। यह जांच 700 से अधिक जिलों के 18,000 से अधिक पिन कोड में हुई। जिन लोगों की जांच की गई, उनमें से 1/6 लोग स्क्रीनिंग के बाद डेंटिस्ट के पास गए (आईडीए डेटा)।

4 जुलाई से पिंजौर के यादवेंद्रा गार्डन में होगा मैंगो मेले का आगाज: डॉ शालीन

टीम एक्शन इंडिया
पंचकूला 26 जून- मैनपाल
हरियाणा पर्यटन निगम एवं बागवानी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 4 जुलाई से 6 जुलाई तक पिंजौर के यादवेंद्रा गार्डन में तीन दिवसीय 32 वें मैंगो मेले का भव्य आयोजन किया जाएगा। हरियाणा पर्यटन विभाग के एमडी डॉ शालीन ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह 4 जुलाई को मैंगो मेले का उद्घाटन करेंगे।

हरियाणा पर्यटन निगम के प्रबंध निदेशक डॉ शालीन हरियाणा टूरिज्म के रेड बिशप सेक्टर-1 के सभागार में 32वें मैंगो मेले के आयोजन को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए कानून व्यवस्था बनाए रखने, वाहनों की पार्किंग, स्वास्थ्य सेवाएं, मोबाइल टॉयलेट्स, मेला परिसर में नियमित फॉगिंग, पीने के पानी की व्यवस्था के लिए संबन्धित विभागों को उचित दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देश दिए कि नगर परिषद कालका के ईओ गार्डन में मेले से पहले पार्किंग और साफ-सफाई की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करे। बरसात को देखते हुए मेला के शुरू होने से पहले व समापन तक रोजाना अंदर व बाहर फोगिंग करवाई जाए। इसके साथ ही पानी के टैंकर और पब्लिक व वीआईपी टोयलेट की व्यवस्था सुनिश्चित करे।

उन्होंने रोडवेज विभाग को निर्देश दिए कि मेले के दौरान स्पेशल बसों का संचालन किया जाए। इसमें कालका, पंचकूला और चंडीगढ़ से स्पेशल बसों के रूट तय किए जाएं। उन्होंने पुलिस विभाग को पर्याप्त मात्रा में महिला पुलिस बल एवं यातायात व्यवस्था दुरूस्त एवं तैनात करने के निर्देश दिए हुए कहा कि कालका हमारा प्रमुख मार्ग है, ट्रेफिक की ऐसी व्यवस्था हो कि जाम की स्थिति ना बनें और साथ ही अंदर भी किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि मेला के दौरान स्पेशल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन एंबूलेंस गाड़ी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और मेले में आने वाले बच्चों के लिए ओआरएस का घोल बनाकर रखा जाए। उन्होंने कहा कि फायर विभाग की दो गाड़ियों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बिजली विभाग पावर सप्लाई को विशेष ध्यान रखे।

मेला के तीनों दिन ये कार्यक्रम होंगे एमडी शालीन ने बताया कि मेले के 32वें संस्करण में विभिन्न गतिविधियां, प्रतियोगिताएं और संध्या के सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। पहले दिन की शुरूआत छात्रों के लिए रंगोली, ड्राइंग, पोस्टर मेकिंग और मैंगो क्विज जैसी प्रतियोगिताओं के साथ सुबह 10.00 बजे से होगी। मेले के आकर्षण में और इजाफा होगा, जिसमें डे परफॉर्मर्स और सांस्कृतिक कलाकारों की आकर्षक प्रस्तुतियां होंगी।

गौशालाओं द्वारा भूमि खरीद पर स्टाम्प डयूटी शून्य को लेकर गजेटेड नोटिफिकेशन जारी

टीम एक्शन इंडिया
पंचकूला 26 जून-मैनपाल
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा गत दिनों हरियाणा प्रदेश में गौशालाओं द्वारा भूमि खरीद पर स्टाम्प डयूटी शुन्य करने का वायदा किया था जिसको फलीभूत करते हुए हरियाणा सरकार द्वारा इसकी गजेटेड नोटिफिकेशन जारी कर दी गई है।

हरियाणा गौ सेवा आयोग चैयरमेन श्री श्रवण कुमार गर्ग, ने बताया कि वर्ष 2014 से पहले गौशालाओं द्वारा भूमि खरीदी जाती थी तो रजिस्ट्री करवाने पर 5-7 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क लगता था। परन्तु अब माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी ने गौशालाओं पर ज्यादा

आर्थिक बोझ ना पडे इसलिए स्टाम्प डयूटी शुल्क को 5-7 प्रतिशत से घटाकर शुन्य कर दिया है।

इस सौगात के लिए हरियाणा गौ सेवा आयोग, प्रदेश की सभी गौशालाएं एवं गौ भक्तों ने मुख्यमंत्री जी एवं हरियाणा सरकार का हार्दिक आभार व्यक्त करती हैं। इसके अतिरिक्त श्रवण कुमार गर्ग ने यह भी बताया है कि हरियाणा गौ सेवा आयोग में वर्तमान में 686 गौशालायें पंजीकृत हैं जिनमें लगभग 4.50 लाख बेसहारा गौवंश का पालन-पोषण किया जा रहा है। माननीय मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार 107,28,85,330 करोड़ रुपए की चारा अनुदान राषि प्रदेश की पंजीकृत गौशालाओं को 1 अगस्त, 2024 से 31 दिसम्बर, 2024 तक दी जा चुकी है

तथा 81 करोड़ रुपए की अनुदान राशि 1 जनवरी, 2025 से 31 मार्च, 2025 तक की जल्द ही गौशालाओं को दे दी जायेगी।

राजनीतिक द्वेष के चलते नहीं हुआ कादीपुर गांव का विकास, ग्रामीण हलकान

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: बुराड़ी विधानसभा क्षेत्र के अंतगर्त आने वाले वार्ड नंबर-7 का कादीपुर गांव राजनैतिक द्वेष की भेंट चढ़ गया, सालों से ग्रामीण विकास की बांट जौंह रहे है और हालात बद से बदत्तर होता जा रहा है।

बजट पास होने के बाद भी नहीं बनी सड़क: मिली जानकारी के अनुसार साल 2018 में दिल्ली ग्रामीण विकास बोर्ड ने सड़क निर्माण हेतु अनुमानित तीन करोड़ रूपए का बजट भी आवंटित किया था और उस बजट से मुख्य सड़क का तो निर्माण हो भी गया था, लेकिन गांव के अंदर जाने वाली लगभग तीन सौ मीटर सड़क की टुकड़ा छोड़ दिया गया था, तो वहीं उसके बाद वहां पर जल बोर्ड ने पहले

पेयजल लाइन बिछाई, फिर सीवर लाइन बिछाई गई और गांव वालों को लगा अब तो सड़क निर्माण होगा, लेकिन फिर से वहीं तीन सौ मीटर की सड़क का टुकड़ा छोड़ दिया गया।

राजनीति की भेंट चढ़ा गांव: हर बार निगम और विधानसभा चुनाव में कादीपुर गांव के विकास को लेकर खुब राजनीति की रोटियां सेंकी गई और गांव वालों की आंखों में विकास की रोशनी भी जगाई गई, लेकिन चुनाव जीतने के बाद क्षेत्रीय विधायक संजीव झा ने कभी कादीपुर गांव वालों की तरफ मुड़कर देखा तक नहीं, तो वहीं पार्षद मुनेश शर्मा ने भी कभी वो छोटा सा सड़क का टुकड़ा बनवाने की कोशिश तक नहीं की।

सुरेश कैन, मंडल अध्यक्ष कादीपुर वार्ड: साल 2022 के निगम के चुनाव में कादीपुर गांव के अंदर जाने वाली छोटी सी सड़क के टुकडे को बनवाने को लेकर विधायक ने खूब राजनीति की और अपने पार्षद उम्मीदवार को सर्पोट करते हुए कहा कि जब आप का पार्षद क्षेत्र से चुना जाएगा तो सड़क निर्माण पहला दायित्व होगा, लेकिन इस बात को भी तीन साल हो चुके है बावजूद इसके वह सड़क वैसी ही जर्जर हालत में पड़ी है, जिसके चलते ग्रामीणों को आने-जाने में काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। कैन ने कहा कि पूर्व पार्षद उर्मिला राणा ने सड़क निर्माण के लिए काफी जद्दोजहद की थी, लेकिन आप सरकार के विधायक और दिल्ली की आप सरकार ने कभी भी विकास को सर्वोपरी माना ही नहीं था।

गुलाब सिंह राठौर, चेयरमैन, सिविल लाइन जोन: यह कहीं न कहीं विधायक और क्षेत्रीय पार्षद की ओच्छी राजनीति है, जिसके चलते इतने सालों तक कादीपुर गांव की सड़कें जर्जर हालत में पड़ी हुई है। गुलाब सिंह राठौर ने कहा कि अगर विधायक चाहते तो पहली पंचवर्षीय योजना के तहत गांव की सड़क बनवा सकते थे, तो वहीं स्थानीय पार्षद भी अगर चाहते तो गांव की छोटी सी सड़क के टुकड़े का निर्माण करवाना चाहते तो क्षेत्रीय सांसद के पास बजट पास करवाने के लिए जाते, लेकिन कादीपुर गांव का विकास न तो विधायक चाहते है और न ही उनकी पार्टी से निगम पार्षद ही चाहते है।

ट्रांसपोर्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी व ईपीएस वेलफेयर की मीटिंग संपन्न

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: दिल्ली ट्रांसपोर्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी की 40 वार्षिक सभा और ईपीएस 95 पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की सयुंक्त मीटिंग दार्जलिंग में संपन्न हुई। इस दौरान दिल्ली ट्रांसपोर्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी के अध्यक्ष आर.के. पांडे, ईपीएस वेलफेयर एसोसिएशन के वर्किंग प्रेजिडेंट विजय बड़गुजर, पदम सिंह, पारस राम वर्मा, हरीश कुमार खेम का स्वागत भी किया गया।

इस मौके पर विजय बड़गुजर ने सिलिकुडी में जेपीएन परिवहन, पश्चिम बंगाल परिवहन के कर्मचारियों व अधिकारियों से मुलाकात कर उनकी समस्या सुनीं, इस दौरान उन्होंने अपनी समस्या का मुख्य कारण प्राइवेट बसों के दलाल को बताया। इस दौरान उन्होंने बताया कि आउटर से आए लोगों के समूह को कंडक्टर बुकिंग लाइन में लगने के बाद भी बस टिकट नहीं देता है, जिसके चलते उन लोगों को मजबूरन दोगुने पैसे खर्च कर टैक्सी करनी पड़ती है। इन सब के बावजूद ड्यूटी पर तैनात को अधिकारियों को बेबस की तरह देखना पड़ता है। तो वहीं कुछ लोगों की यह समस्या थी कि रिटायर्ड कर्मियों और उनकी विधवाओं को पेंशन लेने में काफी मश्क्कत करनी पड़ती है तो किसी को मिल ही नहीं रही है, मामले में एसोएिशन ने उन सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को पेंशन दिलाने का आश्वासन भी दिया।

भाजपा ने आपातकालीन बंदियों को किया सम्मानित

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: दिल्ली भाजपा द्वारा सात जिलों में आपातलकाल के 50 साल पूरे होने पर जिला संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें आपातकाल में बंदियों को सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में जिला कार्याल में आयोजित संगोष्ठी में पूर्व केन्द्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद, सांसद बांसुरी स्वराज, विधायक सतीश उपाध्याय एवं अनिल शर्मा ने प्रदेश मंत्री विनोद बछेती एवं जिला अध्यक्ष रविन्द्र सोलंकी के साथ संगोष्ठी को संबोधित किया और आपातकाल में बंदियों को सम्मानित किया। पश्चिमी दिल्ली जिला कार्यालय में आयोजित जिला संगोष्ठी में दिल्ली सह प्रभारी डॉ अलका गुर्जर ने जिला अध्यक्ष चन्द्रपाल बख्शी और भाजपा के

वरिष्ठ नेता सुभाष आर्या के साथ संगोष्ठी को संबोधित किया और आपातकाल में बंदियों को सम्मानित किया। नजफगढ जिला कार्यालय में आयोजित जिला संगोष्ठी में प्रदेश महामंत्री सांसद कमलजीत सहरावत ने जिला अध्यक्ष राज शर्मा गौतम के साथ संगोष्ठी को संबोधित किया और आपातकाल में बंदियों को सम्मानित किया। उत्तर पश्चिम जिला कार्यालय में आयोजित जिला संगोष्ठी में प्रदेश महामंत्री सांसद योगेंद्र चंदौलिया और प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर अनिल गुप्ता ने जिला अध्यक्ष विनोद सहरावत के साथ संगोष्ठी को संबोधित किया और आपातकाल में बंदियों को सम्मानित किया। महरौली जिला कार्यालय में आयोजित जिला संगोष्ठी में प्रदेश उपाध्यक्ष विधायक गजेंद्र यादव ने जिला अध्यक्ष रवीन्द्र सोलंकी के साथ संगोष्ठी को संबोधित किया और आपातकाल में बंदियों को सम्मानित किया।

बाहरी दिल्ली जिला कार्यालय में आयोजित जिला संगोष्ठी में प्रदेश उपाध्यक्ष विनय रावत और भाजपा नेता योगेंद्र आत्रे ने जिला अध्यक्ष रामचंद्र चावरिया के साथ संगोष्ठी को संबोधित किया।

गरीबों व असहायों की मदद और सेवा के कार्यों में अग्रणी है बाबा अमरनाथ सेवा मंडल

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: क्षेत्र के समस्त धार्मिक व सामाजिक संगठनों में 'बाबा अमरनाथ सेवा मंडल रजि. ब्रांच जहांगीरपुरी-संत रविदास नगर एक विशेष स्थान रखता हैं। वर्षभर निरंतर क्षेत्र के समस्त धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों में सेवा मंडल 'जलसेवा' प्रदान करता हैं। 'सेवा मंडल' प्रत्येक वर्ष पवित्र बाबा अमरनाथ जी की यात्रा के निमित्त पहलगाँव-नुनवन जेके में चलने वाले भंडारा सेवा में सभी श्रद्धालुओं, यात्रियों का समुचित सत्कार सेवा प्रदान करते हैं। इसी क्रम में इस वर्ष भी भंडारे की सामग्री जो की 4 ट्रकों में थी, बड़ी ही धूमधाम से ए-600 जहाँगीरपुरी से पहलगाँव के लिए रवाना की गई। ट्रकों की रवानगी से पहले संजय एनक्लेव में भव्य बाबा की चौकी का आयोजन किया गया। तदुपरांत भंडारा प्रसाद का भी वितरण हुआ। उक्त जानकारी विनय शर्मा ने दी। इस कार्यक्रम में आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजकुमार भाटिया, निगम पार्षद सुमन शर्मा, मंडल अध्यक्ष इंद्रजीत मुखी, पूर्व मंडल अध्यक्ष दलबीर पुनिया, विपिन कुमार और क्षेत्रीय संस्थाएं व आरडब्ल्यूए के अधिकारीगण तथा क्षेत्र के गणमान्य व प्रबुद्ध जनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सेवा मंडल के प्रमुख सेवादार मदन अरोड़ा, नरेंद्रपाल शर्मा(बब्बल), अशोक बंसल, जगदीश चंद्र सूरी, विनय शर्मा, सेठी ब्रदर्स, राकेश चौरसिया, शशि बहल व अन्य सभी युवा सेवादारों की ओर से समस्त दानदाताओं, शुभचिंतकों, समर्थकों का आभार प्रदान करते हैं।

मॉडल टाउन में मनाई गई चन्दर भान वधवा की 18वीं पुण्यतिथि, लोगों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: वधवा परिवार के द्वारा मॉडल टाउन में चन्दर भान वधवा की 18वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर चांदनी चौक जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष विनोद वधवा, अंजना वधवा, राहुल वधवा, अनुषा वधवा, दीक्षिता वधवा, बिमला सूरी, ह्रदेश खेतरपाल, आरती खेतरपाल, अनिल वधवा, राज वधवा, आदर्श, अंकित वधवा, कृति वधवा, आदित्य वधवा, अर्जित वधवा, अंशिका वधवा, आरुष वधवा, अजित, नीरू सुरी, पवन कपूर, अनीता, इंदरजीत साहनी, अमिता साहनी ने ई-4/13 मॉडल टाउन पर चंद्र भान वधवा की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा नरेंद्र चुघ, गुलशन साहनी, शारदा साहनी, जनक, आनंद, वीना बजाज, पायल साहनी, विजय सचदेवा, हरीश चौधरी, राजिंदर मलिक, रवि कोछर, भूषण विरमानी, मनोज दुआ, राजू साकेत, रमेश मांगा, सीमा निगम, उर्मिला देवी , कुमार गौरव्रम, प्रकाश शर्मा, कुमार गौरव, दुर्गेश कुमार और सोशल मीडिया द्वारा लगभग 500 लोगों के शोक संदेश आए।

इस मौके पर विनोद वधवा ने बताया चन्दर भान वधवा 1947 से पहले भी कांग्रेस के सदस्य रहे है और वह अब्दुल गफ्फार के साथ स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया था।

लाल बाग सेवा भारती के पास सीवर लाइन बदलवाने के कार्य का शुभारम्भ करते हुए मॉडल टाउन विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक गोयल देवराहा साथ में है निगम पार्षद सुशील जोंटी व अन्य।

मॉडल टाउन वैश्य अग्रवाल सभा के प्रधान बने प्रेमचंद गुप्ता

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: दिल्ली के मॉडल टाउन के अग्रवाल सदन में मॉडल टाउन वैश्य अग्रवाल सभा की पूर्व कार्यकारिणी द्वारा द्वि-वार्षिक 2025-2027 तक के लिए चुनाव हुआ।

इस मौके पर चुनाव अधिकारियों में जगमोहन गुप्ता, आदेश जैन, पवन कुमार अग्रवाल मौजूद रहे।

इस दौरान सभी ट्रस्टीयों ने निर्विरोध प्रेमचंद गुप्ता को अध्यक्ष, अरविन्द जैन को महासचिव और अनिल गोयल कोषाध्यक्ष चुना।

इस मौके पर वहां पर उपस्थित लोगों ने प्रेमचंद गुप्ता, अरविन्द जैन और अनिल गोयल का स्वागत किया। इस मौके पर निर्विरोध निवार्चित सभी पदाधिकारियों ने ट्रस्टियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर प्रेमचंद गुप्ता ने कहा कि आप सभी ने जो पुनः जिम्मेवारी मुझे अध्यक्ष पद की सौंपी है, उस पर मैं खरा उतरूगां और समाज हित में हमेशा ही कार्य करूगां।

इस मौके पर मॉडल टाउन विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक गोयल देवराहा, बृजमोहन गोटेवाले, प्रवीन कांत सीए, रूपक गुप्ता, अजय गुप्ता बॉबी, संजीव गोयल बंटी, सुशील जिन्दल, राकेश गुप्ता, पवन अग्रवाल सूरज नगर, सुरेश अग्रवाल, विनोद सिंघल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विधायक ने निर्विरोध चुने गये पदाधिकारियों को दी बधाई: मॉडल टाउन विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक गोयल देवराहा ने मॉडल टाउन वैश्य अग्रवाल सभा के निर्विरोध चुने गये सभी पदाधिकारियों को बधाई दी और उनका स्वागत भी किया।

इस मौके पर कई गणमान्य लोगों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

बल्लेबाज यशस्वी पर भारी उनकी खराब फील्डिंग

यशस्वी आने वाले समय के सितारे हैं, इसमें कोई दो राय नहीं है, लेकिन उनकी फील्डिंग लीड्स टेस्ट

नई दिल्ली : यशस्वी जायसवाल इन दिनों काफी चर्चा में हैं। दरअसल, लीड्स के हेडिंग्ले में टीम इंडिया की हार के बाद वह सवालों के कटघरे में हैं। उन्होंने इस मुकाबले में चार कैच छोड़े और चारों ने फिर भारत के खिलाफ खूब रन बनाए। सिर्फ यशस्वी ने नहीं, बल्कि बाकी भारतीय फील्डर्स से भी कैच छूटे। टीम इंडिया की खराब फील्डिंग से लीड्स में इंग्लैंड ने पांच विकेट से जीत हासिल की।

यशस्वी के कैच छोड़ने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की प्रतिक्रिया देखने लायक थी। वह बेहद निराश नजर आ रहे थे। अब जब दूसरा टेस्ट दो जुलाई से खेला जाएगा तो यशस्वी से फील्डिंग के स्तर में सुधार की गुंजाइश होगी। क्रिकेट मैच में यह कहावत काफी प्रसिद्ध है कि कैच छोड़ो मैच छोड़ो। पिछले तीन टेस्ट में यह कहावत सही साबित हुई है। यशस्वी ने इन मैचों में जितने रन बनाए, उससे ज्यादा रन जिनको उन्होंने जीवनदान दिया, उसने बना डाले।

यशस्वी ने चार कैच छोड़े

यशस्वी आने वाले समय के सितारे हैं, इसमें कोई दो राय नहीं है, लेकिन उनकी फील्डिंग लीड्स टेस्ट के बाद सवालों के घेरे में आ गई। यशस्वी ने इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान बेन डकेट का कैच छोड़ा। तब वह 97 रन पर थे। इसके बाद उन्होंने 149 रन की पारी खेली। इतना ही नहीं, पहली पारी में भी यशस्वी ने स्लिप में शतकवीर ओली पोप और हैरी ब्रूक के भी कैच छोड़े। पहली पारी में ब्रूक ने 99 रन और पोप ने 106 रन बनाए। इससे फैंस काफी नाराज हुए। फिर यशस्वी को चार कैच छोड़ने के बाद इंग्लिश फैंस के सामने डांस करते भी देखा गया। इस पर गावस्कर समेत कई पूर्व क्रिकेटर्स ने उनकी क्लास लगाई, वहीं कैफ और अश्विन समेत कुछ पूर्व क्रिकेटर्स ने उनका बचाव भी किया।

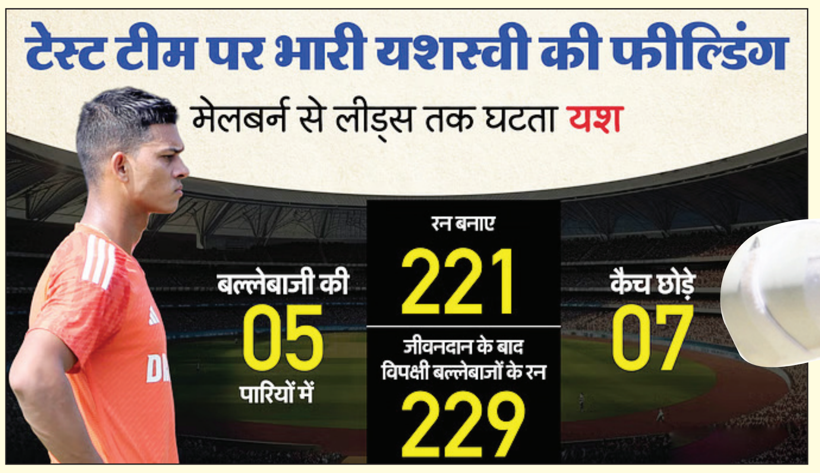

यशस्वी की बल्लेबाजी पर हावी खराब फील्डिंग

यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पिछले साल मेलबर्न टेस्ट से कुल मिलाकर तीन टेस्ट खेले हैं। मेलबर्न टेस्ट की दूसरी पारी से यशस्वी ने कुल मिलाकर सात कैच ड्रॉप किए हैं। यशस्वी ने इस दौरान पांच पारियों (दूसरी पारी से) में बल्लेबाजी की है और 221 रन बनाए हैं। इसमें 84 रन, 10 रन, 22 रन, 101 रन और चार रन की पारियां शामिल हैं। हालांकि, जो सात कैच उन्होंने ड्रॉप किए, उन बल्लेबाजों ने जीवनदान मिलने के बाद 229 रन बना डाले। यानी यशस्वी की बल्लेबाजी पर उनकी खराब फील्डिंग हावी रही है।

अश्विन ने किया यशस्वी का बचाव

हालांकि, अश्विन ने यशस्वी का बचाव करते हुए कहा कि स्लिप कॉर्डन पर यशस्वी के कैच छोड़ने को लेकर कई बातें हुई हैं। हां, उसे यह मुश्किल लग रहा होगा, लेकिन आइए हम सब बस कुछ समझें और उन्हें थोड़ा आराम से रहने दें, जो हम अक्सर करने में विफल रहते हैं। मैं यह बताना चाहता हूं कि इंग्लैंड में कैच पकड़ना कितना मुश्किल है। वहां ठंड रहती है और

ड्यूक की गेंद भी अहम किरदार निभाती है।

ड्यूक गेंद से ढलने में लगता है समय

अश्विन ने कहा, ड्यूक गेंद से ढलने में समय लग सकता है। एसजी गेंद हाथ में अच्छे से आती है और आरामदायक महसूस होता है। कूकाबूरा छोटी लगती है। ड्यूक कठिन है और निश्चित रूप से गेंद बड़ी लगती है और उसे कैच करना आसान नहीं है। यशस्वी भारत के सबसे बेहतर स्लिप फील्डर्स में से एक रहे हैं। उन्होंने हाल के दिनों में कुछ शानदार कैच लपके हैं, खासतौर पर टेस्ट क्रिकेट में। इसलिए हमें उन्हें कुछ समय देना चाहिए।

कैफ ने यशस्वी को दी यह सलाह

वहीं, कैफ ने एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, यशस्वी जायसवाल कैच क्यों छोड़ रहे हैं? हम ड्यूक की गेंद से अभ्यास कर रहे हैं और जब हमें चोट लगती है, तो हम पट्टी बांध लेते लेते हैं। इस स्थिति में अंगुलियां फंस जाती हैं और अंगुलियां स्वतंत्र रूप से मूव नहीं कर पातीं। आप कैच को पकड़ नहीं पाते क्योंकि पट्टी स्पंज बन जाता है। गेंद इससे उछलती है और यशस्वी के साथ यही दिक्कत आ रही है। गेंद के साथ स्वाभाविक जुड़ाव नहीं खोना चाहिए।

जिम्बाब्वे महिला टीम पहली बार खेलेगी आईसीसी महिला चैंपियनशिप

हरारे। जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम इतिहास रचने के लिए तैयार है। पहली बार आईसीसी महिला चैंपियनशिप में हिस्सा लेने जा रही जिम्बाब्वे की टीम अगले साल फरवरी-मार्च 2026 में न्यूजीलैंड दौरे पर जाएगी, जहां वह तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। यह मुकाबले जिम्बाब्वे की महिला चैंपियनशिप में आधिकारिक शुरूआत होंगे।

तीन वनडे मैच 5, 8 और 11 मार्च को डुनेडिन में खेले जाएंगे।

इससे पहले दोनों टीमों के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 25 फरवरी, 27 फरवरी और 1 मार्च को हैमिल्टन में होंगे। यह टी20 मुकाबले भी दोनों टीमों के बीच पहले आधिकारिक महिला टी20 मुकाबले होंगे। आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2025-29 चक्र में जिम्बाब्वे की टीम को कुल आठ श्रृंखलाएं खेलनी हैं–चार घर में और चार विदेश में। जिम्बाब्वे घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका, वेस्ट इंडीज, श्रीलंका और आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी, जबकि विदेशी दौरे भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के होंगे। महिला विश्व कप 2029 की राह

यह चैंपियनशिप 2029 में होने वाले महिला वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का मुख्य रास्ता है। 2025-29 का यह चक्र आईसीसी महिला चैंपियनशिप का चौथा संस्करण है।

जिम्बाब्वे की इस प्रतियोगिता में एंट्री के बाद अब इसमें 11 टीमें हिस्सा ले रही हैं। अब तक जिम्बाब्वे महिला टीम ने छह टीमों के खिलाफ वनडे मुकाबले खेले हैं, जिनमें से बांग्लादेश, आयरलैंड और पाकिस्तान आईसीसी के पूर्ण सदस्य हैं।

जिम्बाब्वे क्रिकेट ने जताया गर्व

अपने बल्ले से क्रिकेट को नया रूप दे रहे हैं ऋषभ, पंत का मुरीद हुए ग्रेग चैपल

सिडनी : ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज और भारत के पूर्व मुख्य कोच ग्रेग चैपल ने ऋषभ पंत की जमकर तारीफ की है। लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की दोनों पारियों में पंत के शतक के बाद चैपल ने कहा कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज बल्लेबाज के तौर पर खेल को नया रूप दे रहे हैं। पंत ने पहले टेस्ट में 134 (178 गेंद, 12 चौके, छह छक्के) और 118 रन (140 गेंद, 15 चौके, तीन छक्के) की पारियां खेलीं। इस दौरान उन्होंने कुछ रिकॉर्ड भी बनाए। भारत ने हालांकि यह मैच पांच विकेट से गंवा दिया।

पंत को देखकर चैपल को आई गिलक्रिस्ट की याद

चैपल ने कहा कि भारत के टेस्ट उप कप्तान पंत ऐसे शॉट खेल रहे हैं जो एमसीसी प्लेइंग मैनुअल में भी नहीं हैं। उन्होंने बुधवार को एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान कहा, जब मैंने पहली बार उन्हें देखा तो उसने मुझे एडम गिलक्रिस्ट की याद आ गई थी। बेशक एक अलग तरह का खिलाड़ी। जब एक विकेटकीपर उस स्तर पर बल्लेबाजी कर सकता है और तेजी से रन बना सकता है तो यह टीम के लिए कितना बड़ा अंतर पैदा कर सकता है, आप समझ सकते हैं।

बल्लेबाज के रूप में खेल को नया रूप दे रहे : उन्होंने कहा, खूबसूरती यह है कि ऋषभ बहुत तेजी से रन बनाते हैं, जिससे आपको क्रिकेट मैच जीतने का समय मिल जाता है। उनका

प्रदर्शन शानदार था। उन्होंने जो शॉट खेले उनमें से कुछ एमसीसी की खेल नियमावली में नहीं थे। वह एक बल्लेबाज के रूप में खेल को नया रूप दे रहे हैं। आधुनिक तकनीक के साथ बल्ले बहुत अलग हैं और आप ऐसे शॉट खेल सकते हैं जो पुराने जमाने में संभव नहीं थे। उन्हें देखना रोमांचक है।

पंत क्या करेंगे इसका अंदाजा किसी को नहीं: ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा कि कोई कभी नहीं जान सकता कि पंत क्रिकेट के मैदान पर क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा, आप कभी नहीं जानते कि पहली गेंद से उनसे क्या उम्मीद की जाए। किसी भी स्तर पर वह तेज गेंदबाजों के लिए खिलाफ आगे बढ़कर या गिरते हुए रैंप शॉट खेल सकते हैं। आप कभी नहीं जानते कि क्या उम्मीद करनी है। इससे विपक्षी टीम सतर्क रहती है। वह मैच विजेता हैं और उन्होंने लीड्स टेस्ट में लगभग अंतर पैदा कर दिया था।

गिल ने कप्तान के रूप में अच्छी शुरूआत की: चैपल ने कहा कि शुभमन गिल ने भारतीय टेस्ट कप्तान के रूप में अच्छी शुरूआत की, भले ही पांच मैचों की सीरीज के शुरूआती टेस्ट में परिणाम उनके पक्ष में नहीं रहा। उन्होंने कहा, यह एक शानदार टेस्ट मैच था। दुख की बात है कि परिणाम भारत के पक्ष में नहीं रहा। उनके लिए बहुत सारी अच्छी चीजें थीं। गिल ने कप्तान और खिलाड़ी के रूप में शानदार शुरूआत की, भले ही उन्हें परिणाम नहीं मिला।

चैपल ने कहा, अंतिम दिन की परिस्थितियां टेस्ट मैच के किसी भी अन्य चरण की तुलना में शायद बेहतर थीं। गिल और भारतीय थिंक टैंक दोनों ने आगे क्या करना है, इस बारे में बहुत कुछ सीखा होगा। गिल और बेहतर होते जाएंगे। मुझे लगता है कि उनकी शुरूआत बहुत अच्छी थी। अगर टीम ने अधिक कैच लिए होते और निचला क्रम थोड़ा बेहतर प्रदर्शन करता तो परिणाम बहुत अलग हो सकते थे।

पॉल पोग्बा की फुटबॉल में वापसी, एएस मोनाको से किया दो साल का करार

नई दिल्ली। फ्रांस के विश्व कप विजेता मिडफील्डर पॉल पोग्बा ने फुटबॉल में वापसी कर ली है। उन्होंने फ्रेंच क्लब एएस मोनाको के साथ दो साल का करार किया है, जो 2027 तक चलेगा। पोग्बा को अगस्त 2023 में जुवेंटस के लिए खेलते समय डोप टेस्ट में फेल होने के बाद चार साल का प्रतिबंध झेलना पड़ा था। हालांकि, अपील के बाद यह बैन घटाकर 18 महीने कर दिया गया। इसके बावजूद इटैलियन क्लब जुवेंटस ने उनका कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया था।

फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम के मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आई है करेंगे और दो साल तक क्लब के लिए खेलेंगे।

ओडिशा और पंजाब ने फाइनल में बनाई जगह

चेन्नई। मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में चल रहे पहले महिला हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 में फाइनल की तस्वीर साफ हो गई है। हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा और हॉकी पंजाब ने सेमीफाइनल में शानदार जीत दर्ज कर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली है। अब ब्रॉन्ज मेडल के लिए हॉकी हरियाणा और हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु आमने-सामने होंगी।

ओडिशा ने दमदार प्रदर्शन से फाइनल में बनाई जगह: पहले सेमीफाइनल में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु को 4-1 से हराया। ओडिशा की कप्तान लुसेला एक्का (4, 25) ने दो

बेहतरीन फील्ड गोल कर अपनी टीम को मजबूत शुरूआत दिलाई। उनके साथ सरिता रोशन मिंज (9) और असीमा संजय मिंज (30) ने भी गोल कर जीत को एकतरफा बना दिया। तमिलनाडु की ओर से एकमात्र गोल सौम्या (34) ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए किया।

पंजाब ने रोमांचक मुकाबले में हरियाणा को दी मात: दूसरे सेमीफाइनल में हॉकी पंजाब ने बेहद रोमांचक मुकाबले में हॉकी हरियाणा को 3-2 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। हरियाणा की ओर से सोनिका यादव (11) ने शुरूआती बढ़त दिलाई, लेकिन पंजाब की मीनाक्षी (18) ने पेनल्टी कॉर्नर से स्कोर बराबर कर दिया। तीसरे क्वार्टर में निशी शिवेंद्र सिंह (38) ने हरियाणा को दोबारा बढ़त दिलाई, लेकिन पंजाब ने फिर वापसी की। बलजीत कौर मारार (44) ने पेनल्टी कॉर्नर पर बराबरी का गोल किया और तीन मिनट बाद संगीता मिंज (47) ने फील्ड गोल कर पंजाब को निर्णायक बढ़त दिला दी। अब 27 जून को हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा और हॉकी पंजाब के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा, जबकि हॉकी हरियाणा और हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु के बीच तीसरे स्थान के लिए भिड़ंत होगी।

हॉकी हरियाणा बनाम हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु झ सुबह 06:00 बजे।

ब्रिजटाउन टेस्टः पहले दिन गिरे 14 विकेट, ऑस्ट्रेलिया 180 पर ढेर, वेस्टइंडीज भी संकट में

ब्रिजटाउन। वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट के पहले दिन गुरुवार (भारतीय समयानुसार) को ऑस्ट्रेलिया को सिर्फ 180 रनों पर समेट दिया, लेकिन केंसिंग्टन ओवल की पिच की चुनौती का अंदाजा उसे तब हुआ जब दिन के अंत तक उसने खुद 4 विकेट गंवा दिए। स्टंप्स तक वेस्टइंडीज का स्कोर 57/4 रहा, जहां डेब्यू कर रहे ब्रैंडन किंग 23 रन बनाकर नाबाद हैं। हालांकि किंग के लिए दिन मिश्रित रहा, क्योंकि उन्होंने फील्डिंग में तीन कैच छोड़े, लेकिन अंत में बल्लेबाजी में संभलने की कोशिश की।

शामार जोसेफ और सील्स की घातक गेंदबाजी: वेस्टइंडीज के लिए सबसे प्रभावशाली गेंदबाज शामार जोसेफ रहे, जिन्होंने 46 रन देकर 4 विकेट झटके। वहीं जयडेन सील्स ने 60 रन देकर 5 विकेट लिए, जो कि उनके टेस्ट करियर का तीसरा पांच विकेट हॉल रहा। दिलचस्प बात यह है कि उनके 34 टेस्ट विकेटों में से 17 ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में महज 56.1 ओवर में सिमट गई – यह वेस्टइंडीज की जमीन पर ऑस्ट्रेलिया का सबसे कम स्कोर है जब उन्होंने पहले बल्लेबाजी की हो।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का फ्लॉप शो: ऑस्ट्रेलिया की ओर से केवल तीन बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके

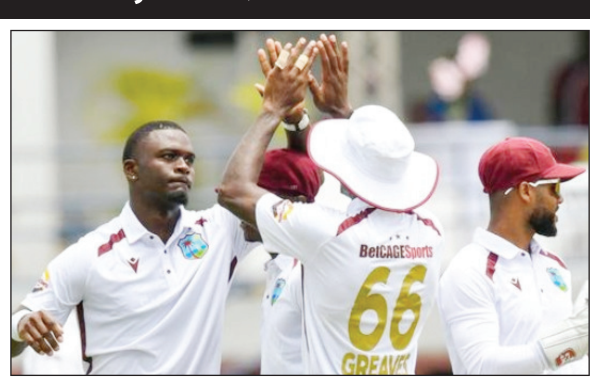

– ट्रैविस हेड (59), उस्मान ख्वाजा (47) और कप्तान पैट कमिंस (28)। पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन पिच पर तेज गेंदबाजों को जबरदस्त मदद मिली – सीम, स्विंग और कई बार गेंद नीची रही। दिन के कुल 14 विकेटों में से 10 विकेट कैच के जरिए गिरे। ऑस्ट्रेलिया ने पहले घंटे में ही 3 विकेट गंवा दिए थे। मार्नस लाबुशेन की जगह उतरे सैम कॉन्स्टास सिर्फ 3 रन बनाकर जोसेफ की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। जोसेफ ने इसके बाद कैमरून ग्रीन को भी चलता किया, जिन्हें गली में किंग ने जीवनदान देने के बाद स्लिप में आउट कर दिया।

ख्वाजा और हेड की साझेदारी बनी सहारा: ख्वाजा और हेड ने मिलकर पारी को थोड़ा संभाला और लंच के बाद 89 रनों की साझेदारी की। हेड ने 57 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, लेकिन ख्वाजा 128 गेंदों पर 47 रन बनाकर आउट हुए। जोसेफ ने एक समय 12 ओवर में 4 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को झकझोर दिया।

शाई होप की टेस्ट में वापसी: चार साल बाद टेस्ट में वापसी कर रहे विकेटकीपर शाई होप ने चार कैच लपके। उन्होंने जोश इंग्लिस का कैच लेकर अपना खाता खोला।

वेस्टइंडीज की शुरूआत भी लड़खड़ाई: जवाब में वेस्टइंडीज की शुरूआत भी खराब रही। मिचेल स्टार्क ने कप्तान क्रैग ब्रैथवेट (4) और जॉन कैंपबेल (7) को आउट किया। कमिंस ने कीसी कार्टी (20) को पवेलियन भेजा जबकि जोश हेजलवुड ने नाइटवॉचमैन जोमेल वोरिकन को शून्य पर आउट कर दिया। इसके बाद कप्तान रोस्टन चेस और ब्रैंडन किंग ने अंतिम 3.1 ओवर बिना विकेट गंवाए खेल लिए।

वीरांगना की धरती पर हॉकी का संग्राम 17 से 22 जुलाई तक

झांसी। वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की भूमि झांसी में आगामी 17 से 22 जुलाई तक मेजर ध्यानचंद एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित होने वाली अखिल भारतीय आमंत्रण प्राइजमनी महिला हॉकी प्रतियोगिता को लेकर तैयारियों का दौर तेज हो गया है। देश भर से हॉकी प्रतियोगिता में शामिल होने आ रहीं 12 टीमों के स्वागत के लिए झांसी तैयार है। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी की अध्यक्षता में प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई। अनुरूप इस छह दिवसीय प्रतियोगिता में देश की 12 प्रमुख महिला हॉकी टीमें भाग लेंगी।

एफसी बार्सिलोना की कैंप नू में वापसी की तारीख तय

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ने बुधवार को पुष्टि की कि क्लब दो वर्षों के लंबे इंतजार के बाद 10 अगस्त को अपने ऐतिहासिक स्टेडियम कैंप नू में वापसी करेगा। क्लब की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, बार्सिलोना पारंपरिक जोआन गैम्पर प्री-सीजन ओपनर इसी दिन कैंप नू में खेलेगा। पिछले दो वर्षों से कैंप नू में व्यापक पुनर्निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके कारण बार्सिलोना को अस्थायी रूप से लुईस कंपनी ओलंपिक स्टेडियम, मोंटजुइक में अपने घरेलू मुकाबले खेलने पड़े। हालांकि यह स्टेडियम

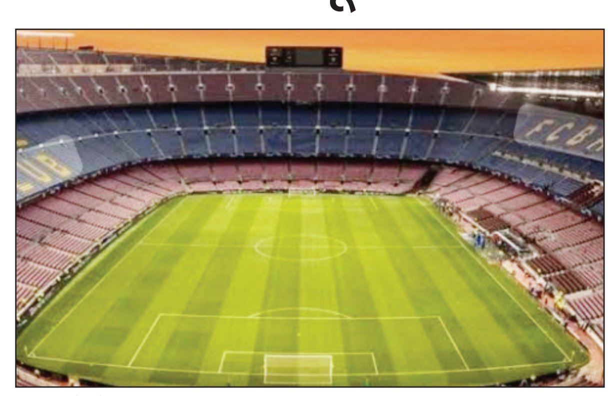

प्रशंसकों के बीच ज्यादा लोकप्रिय नहीं रहा और लगभग 57,000 दर्शकों की क्षमता के बावजूद अक्सर खाली नजर आया। बार्सिलोना अब अपने पारंपरिक घर में लौट रहा है, हालांकि निर्माण कार्य अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। क्लब ने जानकारी दी कि, "जिन हिस्सों पर अभी काम बाकी है उनमें शामिल हैं झ नया तीसरा स्टैंड, डबल वीआईपी रिंग, छत की स्थापना, कुछ आंतरिक हिस्सों की तैयारी और स्टेडियम के आसपास के क्षेत्र का पुनर्निर्माण।" निर्माण कार्य जारी रहने के कारण 10 अगस्त को स्टेडियम की क्षमता लगभग 60,000 दर्शकों की होगी, जो कि 99,354 की अंतिम क्षमता से काफी कम है, लेकिन फिर भी जोआन गैम्पर मैच के लिए पहले अनुमानित 25,000 दर्शकों से कहीं अधिक है। बार्सिलोना की यह वापसी न सिर्फ प्रशंसकों के लिए बड़ी खुशी की बात है, बल्कि यह क्लब के नए युग की शुरूआत भी मानी जा रही है।

इंग्लैंड के खिलाफ बार-बार कैच क्यों ड्रॉप कर रहे हैं यशस्वी जायसवाल?

चेन्नई : रविचंद्रन अश्विन भारत और इंग्लैंड के बीच जारी एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के हेडिंग्ली टेस्ट में स्लिप कॉर्डन के आसपास कैच पकड़ने में नाकाम रहे भारतीय खिलाड़ियों के समर्थन में सामने आए हैं। मैच के दौरान यशस्वी जायसवाल और रवींद्र जडेजा समेत भारतीय खिलाड़ियों को कैच पकड़ने में परेशानियों का सामना करना पड़ा था। भारत ने पहले टेस्ट में कई कैच छोड़े, जिसकी वजह से टीम को हार का सामना करना पड़ा। अब अश्विन ने एक सरल स्पष्टीकरण दिया है। अश्विन ने कहा कि ड्यूक की गेंद भारी होती है और इसे समायोजित करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि इस

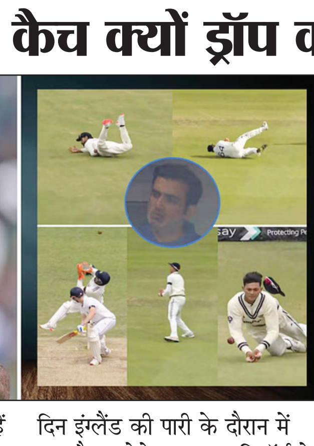

बात को बहुत से लोग नहीं मानते हैं और प्रशंसकों ने यशस्वी की जमकर आलोचना की, जो पिछले कुछ महीनों में भारत के सबसे बेहतर फील्डर्स में से एक रहे हैं। पहली पारी में शतक बनाने वाले यशस्वी ने दूसरे, तीसरे और पांचवें दिन इंग्लैंड की पारी के दौरान में चार कैच छोड़े। उपलब्ध रिकॉर्ड के मुताबिक, यह एक पारी में एक खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक कैच छोड़ने का रिकॉर्ड है। अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने भी जरूरी कैच छोड़े और लीड्स के हेडिंग्ले में टीम इंडिया को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। अब दूसरा टेस्ट बर्मिंघम में दो जुलाई से शुरू होगा। अश्विन ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर एक वीडियो में कहा, स्लिप कॉर्डन पर यशस्वी के कैच छोड़ने को लेकर कई बातें हुई हैं। हां, उसे यह मुश्किल लग रहा होगा, लेकिन आइए हम सब बस कुछ समझें और उन्हें थोड़ा आराम से रहने दें, जो हम अक्सर करने में विफल रहते हैं। मैं यह बताना चाहता हूं कि इंग्लैंड में कैच पकड़ना कितना मुश्किल है। वहां ठंड रहती है और ड्यूक की गेंद भी अहम किरदार निभाती है। अश्विन ने कहा, ड्यूक गेंद से ढलने में समय लग सकता है। एसजी गेंद हाथ में अच्छे से आती है और आरामदायक महसूस होता है। कूकाबूरा छोटी लगती है। ड्यूक कठिन है और निश्चित रूप से गेंद बड़ी लगती है और उसे कैच करना आसान नहीं है। यशस्वी भारत के सबसे बेहतर स्लिप फील्डर्स में से एक रहे हैं। उन्होंने हाल के दिनों में कुछ शानदार कैच लपके हैं, खासतौर पर टेस्ट क्रिकेट में। इसलिए हमें उन्हें कुछ समय देना चाहिए।

हेडिंग्ले में ऋषभ पंत ने दो पारी में दो शतक लगाए। ऐसा करने वाले वह भारत के पहले विकेटकीपर बने। अश्विन ने उनकी सराहना की और साथ ही उनकी रणनीति का भी खुलासा किया।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ नई दिल्ली ▸ 27 जून 2025 ▸ पृष्ठ 12 ▸ आरएनआई: DELHIN / 2006 / 19302

फास्ट न्यूज

आपातकाल लोकतंत्र की हत्या का काला अध्याय: भूपेन्द्र यादव

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय करार देते हुए कहा कि हर युवा को इस इतिहास के बारे में जानना जरूरी है, ताकि भविष्य में लोकतंत्र कभी बंधक न बने। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए आर्थिक समृद्धि के साथ मजबूत लोकतंत्र भी जरूरी है । गुरुवार को गढ़ी कैंट स्थित हिमालयन कल्चरल सेंटर में आयोजित प्रेस-वार्ता में केन्द्रीय मंत्री ने ये बातें कही। इस दौरान उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह दुर्भाग्यपूर्ण दिन था, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से देश में आपातकाल लागू किया गया। यह लोकतंत्र पर बड़ा हमला था। यह निर्णय लोकतांत्रिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर सीधा आघात था। आज से 50 वर्ष पूर्व कांग्रेस सरकार की ओर किए गए इस दमनकारी निर्णय की स्मृति में यह दिन 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में याद किया जाता है। भारत के लोकतंत्र की असली आजादी मार्च 1977 को मिली। भूपेंद्र यादव ने कहा कि यह उन असंख्य लोगों के साहस, संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है, जिन्होंने आपातकाल के अमानवीय अत्याचारों का सामना करते हुए भी लोकतंत्र की ज्योति की रक्षा की। लोगों के संघर्ष और तप से देश को आजादी मिली। संविधान के अनुसार कार्य करना और संघीय राज्य को आगे बढ़ाना है। हम सभी को उदारवादी और लोकतंत्रवादी देश के रूप में आगे बढ़ाने का संकल्प लेना होगा। देश के हर नौजवान को लोकतंत्र की हत्या का काला अध्याय, प्रत्येक पीढ़ी को पढ़ने की जरूरत है ताकि ऐसी घटना का पुनरावृति न हो।?

कोलकात: स्कूल को लगातार दूसरे दिन बम की धमकी

कोलकाता। कोलकाता के एक प्रतिष्ठित स्कूल को लगातार दूसरे दिन बम विस्फोट की धमकी भरा ईमेल मिला, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। हालांकि पुलिस ने तलाशी के बाद इस धमकी को भी अफवाह करार दिया है। दक्षिण कोलकाता के आनंदपुर इलाके में स्थित कलकत्ता इंटरनेशनल स्कूल को गुरुवार सुबह एक ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें स्कूल परिसर में बम होने का दावा किया गया था। सूचना मिलते ही पुलिस की कई टीमें मौके पर पहुंचीं और पूरे परिसर की गहन तलाशी ली।

ब्रह्मोस मिसाइल पाक में टेस्टेड: सीएम योगी

डाटा सेंटर और ग्रीन एनर्जी में अग्रणी भूमिका निभा रहा सीईएल: योगी आदित्यनाथ

नया भारत

नया भारत अपनी शक्ति, तकनीक और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा: सीएम योगी

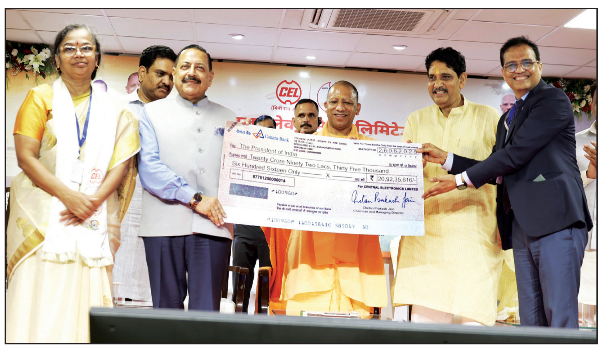

टीम एक्शन इंडिया

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा भारत सरकार में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को गाजियाबाद के साहिबाबाद में सीईएल-ईएसडीएस ग्रीन डेटा सेंटर का शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीईएल द्वारा विकसित हो रहे नए ग्रीनफील्ड डाटा सेंटर पर प्रसन्नता जताई और कहा कि यह प्रधानमंत्री के 2070 तक नेट जीरो के संकल्प की ओर एक मजबूत कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि 2027 तक उत्तर प्रदेश 20,000 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी उत्पन्न करेगा, जिसमें सीईएल की भूमिका प्रमुख होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीईएल की यात्रा को भारत के औद्योगिक पुनरुत्थान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताया। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री मोदी के 2047 के विकसित भारत विजन का प्रमुख स्तंभ बताया और कहा कि सीईएल जैसे संस्थानों के माध्यम से ही नया भारत अपनी शक्ति, तकनीक और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। गाजियाबाद में सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के स्वर्ण जयंती समारोह एवं डाटा सेंटर के शिलान्यास के अवसर पर मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजा अर्चना में हिस्सा लिया और प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया जहां पर उन्हें डाटा सेंटर और इसकी कार्यप्रणाली के विषय में जानकारी दी गई। उन्होंने प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण भी किया। कार्यक्रम में सीईएल की ओर से भारत सरकार को लगभग 21 करोड रुपए के लाभांश का चेक भी भेंट किया गया, जबकि सीईएल और मल्टी इंफ्रा के बीच 200 मेगावाट सोलर मॉड्यूलर के लिए एमओयू भी हस्तांतरित हुआ।

पिछले 8 वर्षों में प्रदेश की अर्थव्यवस्था ढाई गुना बढ़ी

मुख्यमंत्री ने सीईएल के विकास को उत्तर प्रदेश की बदलती तस्वीर से जोड़ा। उन्होंने बताया कि पिछले 8 वर्षों में प्रदेश की अर्थव्यवस्था ढाई गुना बढ़ी है, 6 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है और अब निवेशक उत्तर प्रदेश में निवेश को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि 2017 में प्रदेश बीमारू की छवि से जूझ रहा था, लेकिन आज यह देश का ग्रोथ इंजन बनने की दिशा में आगे बढ़ चुका है। 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से 15 लाख करोड़ के निवेश को ग्राउंड ब्रेकिंग के जरिए प्रोडक्शन से जोड़ा गया है। आपका बचपन अच्छा था, जवानी में कुछ भटकाव आया, लेकिन अब आपका अमृत काल शुरू हो चुका है।

नोएडा में स्थापित होगा देश का पहला क्वांटम यूनिट

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि सीईएल का अपना एक इतिहास है। इस संस्थान ने 1970 में पहले सोलर सेल को ईजाद किया था। आज 50 साल बाद अब यह ग्रीन डाटा सेंटर भी शुरू करने जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए आपका नाम इतिहास में दर्ज हो गया और मुझे खुशी है कि मेरे मंत्रालय के दो संस्थाओं ने भी उसमें अपना योगदान किया। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द हम नोएडा में आईआईटी के अंदर देश का पहला क्वांटम यूनिट स्थापित करेंगे। इसके साथ ही, लखनऊ के नजदीक बायोटेक्नोलॉजी पार्क स्थापित करेंगे और अगस्त में दो या तीन दिवसीय एक स्टार्टअप कॉन्क्लेव आयोजित करने की भी योजना बना रहे हैं।

लोकतंत्र पर गहरा आघात था आपातकाल: सीएम

मुख्यमंत्री ने बीते 18 माह की सरकार की उपलब्धियों पर मीडिया संवाद कार्यक्रम में की चर्चा

लोकतंत्र की हत्या

25 जून 1975 की मध्य रात्रि से लागू हुआ आपातकाल हमारे लोकतंत्र पर एक गहरा आघात था: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन

टीम एक्शन इंडिया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 25 जून 1975 की मध्य रात्रि से लागू हुआ आपातकाल हमारे लोकतंत्र पर एक गहरा आघात था। वह संविधान और लोकतंत्र की हत्या थी। वह देश के लोकतंत्र का एक ऐसा काला अध्याय था, जिसे देश कभी नहीं भूल पाएगा। नई पीढ़ी को उस दौर में हुई तानाशाही के बारे में बताना जरूरी है और यही कारण है कि केन्द्र सरकार के निदेर्शानुसार हम सभी 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में याद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को एक निजी मीडिया समूह द्वारा आयोजित 'देश के दिल की बात' नामक संवाद कार्यक्रम में सहभागिता कर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उन्होंने बीते 18 माह में जनकल्याणकारी योजनाओं और नवाचारों के जरिए राज्य सरकार द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम मध्य प्रदेश को आर्थिक रूप से सम्पन्न बना रहे हैं। मध्य प्रदेश की आत्मनिर्भरता देखिए कि दिल्ली मेट्रो हमारी बिजली से चल रही है। वर्ष 2025-26 में राज्य की प्रति व्यक्ति आय 1.55 लाख रुपये के करीब पहुंची है। वर्ष 2002-03 में यह मात्र 11 हजार रुपये थी। हम अगले दो सालों में प्रदेश के 50 जिलों में मेडिकल कॉलेज खोल देने के लक्ष्य के प्रति संकल्पित होकर आगे बढ़ रहे हैं। हम विरासत से विकास की ओर बढ़ रहे हैं। देश का मान बढ़ाने वाले वीरों और अमर शहीदों के नाम पर योजनाओं के अलावा हमारी सरकार ने गोंडवाना की महारानी दुर्गावती, होल्कर स्टेट की महान प्रशासिका लोकमाता देवी अहिल्या बाई और नर्मदांचल के राजा भभूत सिंह की स्मृति में कैबिनेट करके उन्हें समुचित सम्मानदिया है। उन्होंने बताया कि बहुत जल्द हमारी सरकार भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्य स्मृति में कैबिनेट मीटिंग करने जा रहे हैं।

नशा तस्करों पर तेज होगी कार्रवाई: सीएम मान

सख्ती

किसी को बख्शा नहीं जाएगा, मजीठिया की गिरफ्तारी पर बोले, अभी कई और हैं कतार में

टीम एक्शन इंडिया

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने नशा तस्करों के खिलाफ चल रही कार्रवाई को और तेज करने का ऐलान किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चाहे कितनी भी बड़ी पहुंच हो, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने परोक्ष रूप से कहा कि आने वाले दिनों में कुछ और बड़े तस्कर जेल जाएंगे और अवैध संपत्तियां ध्वस्त की जाएंगी। अकाली नेता बिक्रमजीत मजीठिया की गिरफ्तारी के बाद गुरुवार को पंजाब में अकाली कार्यकर्ताओं ने दिन भर हंगामा किया गया। इस बीच चंडीगढ़ में गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में भगवंत मान ने कहा कि कई महीनों से युद्ध स्तर पर नशा विरोधी अभियान चल रहा है। पंचायतें फतवे जारी कर रही हैं कि नशे के साथ पकड़े जाने वालों का साथ नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बुरी संगत में पड़े लोगों का री-हैब सेंटर में इलाज कराया जाएगा। मान ने कहा कि जो लोग दूसरों के घर उजाडकर अपने महल बना रहे थे, उन पर बुलडोजर चलाया गया है। सीएम ने कहा कि हम पहले ही कह रहे थे कि सबूत आने दो, बड़ों की बारी भी आएगी। कोई अपने दिल में गलतफहमी ना रखें। सीएम भगवंत मान ने कहा कि समय थोड़ा लग गया, क्योंकि प्लानिंग को टाइम लगता है। अगर सप्लाई लाइन तो तोड़ देंगे, लेकिन जो आदी है उनका क्या करेंगे। उनके लिए रिहैब बनाए गए। सीएम ने कहा कि पुलिस वालों के कारण हमारे छापे फेल हुए हैं। वह फोन कर तस्करों को पहले बता देते थे। इसलिए उनकी ट्रांसफर की गईं। लोगों से सहयोग मांगा गया। इसलिए ये जो मुहिम है, अब पूरा जोर पकड़ चुकी है। सीएम ने कहा कि अब बहुत ज्यादा फर्क पड़ गया है, अब फोन आते हैं।

हिमाचल में अगले छह दिन भारी बारिश की चेतावनी

टीम एक्शन इंडिया

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून पूरी तरह से सक्रिय हो चुका है और आगामी छह दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा जारी पूवार्नुमान के अनुसार 27 जून से दो जुलाई तक राज्य में व्यापक वर्षा की चेतावनी दी गई है। इस दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है, जिससे नदियों-नालों में बाढ़ आने और भूस्खलन जैसी घटनाओं की आशंका है। 27 जून को राज्य के कई क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

तीन दिवसीय मैंगों मेला चार जुलाई से

प्रदर्शनी

मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे: विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा

टीम एक्शन इंडिया

चंडीगढ़। विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा ने बताया कि पिंजौर के प्रसिद्ध मुगलकालीन यादवेन्द्र गार्डन में पर्यटन और बागवानी विभाग द्वारा चार से छह जुलाई तक 32वें मैंगो मेले का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे। देशभर के आम उत्पादकों की सैंकड़ों व विविधता से भरपूर किस्मों का प्रदर्शन मैंगो मेले में किया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को मैंगो मेले के आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। डॉ. शर्मा ने कैंप कार्यालय में हरियाणा पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक डॉ शालीन और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करके तैयारियों का जायजा लिया व उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. शर्मा ने कहा कि हरियाणा पर्यटन विकास निगम और बागवानी विभाग वर्ष 1992 से यादवेन्द्र गार्डन, पिंजौर में मैंगो मेले का आयोजन कर रहा है।

मैंगो मेले के 32वें संस्करण का आयोजन इस बार चार से छह जुलाई तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देशभर से आम उत्पादक किसान सैकड़ों किस्म के आम लेकर आएंगे और उनकी प्रदर्शनी भी लगाएंगे।

युवा शक्ति भारत के विकास होने में महत्वपूर्ण योगदान देगी: सीएम शर्मा

दीक्षांत समारोह

डिग्री हासिल करने वाले छात्र भारत का भविष्य बनेंगे : मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा

टीम एक्शन इंडिया

जोधपुर। जोधपुर करवड स्थित आईआईटी के 11वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि आईआईटी जोधपुर शिक्षा का उच्च केंद्र है। यहां जो छात्र आज उपाधि ले रहे हैं, वह कल के भारत के भविष्य होंगे। यह समारोह भारत के वैज्ञानिक पुनः जागरण का ऐतिहासिक क्षण है। यहां से पास होकर निकलने वाली यह युवा शक्ति भारत के विकास होने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। उन्होंने कहा कि आईआईटी जोधपुर देश का, बहुत समृद्धि तकनीक संस्थान है। उन्होंने कहा कि 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था 10वीं पायदान की पर थी लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया के चौथी नंबर पर अर्थव्यवस्था आ चुकी है।

प्रवासी बिहारियों के लिए नीतीश सरकार चलायेगी 299 बसें

टीम एक्शन इंडिया

पटना: बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री लगातार जन सरोकार से जुड़े फैसले लेते जा रहे हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन में तीन गुणा बढ़ोतरी के बाद, सीएम ने आज राज्यवासियों को एक और सौगात दी है। सरकार ने पर्व-त्योहारों के दौरान घर लौटने वाले प्रवासी बिहारियों की सुविधा के लिए 299 बस चलाने का निर्णय किया है। नीतीश कुमार ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है।

साधा निशाना *अभी ना संविधान सस्पेंड, ना राष्ट्रपति की घोषणा, लेकिन जनता के बोलने पर रोक का प्रयास- गहलोत*

देश में अभी अघोषित आपातकाल: अशोक गहलोत

टीम एक्शन इंडिया

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा आपातकाल दिवस को संविधान हत्या दिवस मनाए जाने पर तंज कसते हुए कहा है कि भारत में आज जो हालात हैं, उसे सिर्फ दो शब्दों में बयान किया जा सकता है "अघोषित आपातकाल"। क्योंकि अभी ना संविधान सस्पेंड किया गया है, ना राष्ट्रपति ने घोषणा की है, लेकिन जनता के हक, बोलने की आजादी, और विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास लगातार जारी है। गहलोत ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कभिाजपा सरकारों द्वारा संविधान हत्या दिवस मनाना ऐसा है जैसा किसी बेईमान व्यक्ति का ईमानदारी पर ज्ञान देना। इस देश में यदि लोकतंत्र का सबसे ज्यादा ह्रास हुआ है तो वह पिछले 11 सालों में हुआ है। उन्होंने कहा कि आज स्थिति ऐसी है कि पत्रकार अगर सवाल पूछे तो देशद्रोही, छात्र अगर विरोध करें तो आतंकवादी, विपक्षी नेता अगर सरकार का विरोध करें तो ईडी का शिकार। क्या यही है भाजपा सरकार के लोकतंत्र का नया मॉडल असल में लोकतंत्र की हत्या यही है। स्वतंत्र मीडिया चैनलों को चुप कराना, सिद्दीक कप्पन जैसे पत्रकारों पर एफआईआर कर रिपोर्टिंग के लिए उन्हें सालों तक जेल में डालना, ये सब प्रेस की आजादी का गला घोंटना नहीं तो और क्या है आज विपक्ष का कोई नेता सरकार पर आरोप लगाता है तो उसे नहीं दिखाया जाता परन्तु सरकार की उन आरोपों पर प्रतिक्रिया आए तो उसे प्रमुखता से दिखाकर उन आरोपों को ही गलत साबित करने का प्रयास मीडिया के माध्यम से किया जाता है।

www.actionindialive.com

जब चाहें, जहां चाहें
ताजा खबरों से अपडेट रहें

H.O: Action Balaji House, Majlis Park,
Near Rakesh Bhardwaj Chowk, Delhi- 110033

B.O: Shakti Complex, 6/18, Main Gt Road,
Samaypur Industrial Area, Delhi -110042

9999889104, 8447314925